राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.vishalindia.in

विशाल इंडिया

सच्चाई की राह पर!

गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित

वर्ष : 14
अंक : 250
पृष्ठ : 08
गौतमबुद्धनगर
सोमवार 04 अगस्त 2025
मूल्य :2 /-
RNI No .UPHIN/2014/55236

मुख्य अपडेट | पेज 3 ग्रेनो वेस्ट : ला रेजिडेंसिया के निवासियों ने किया प्रदर्शन | पेज 4 बारिश ने खोली नगर निकायों की पोल : सड़कों पर भरा पानी | पेज 6 बीसीसीआई उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने बाहरी एजेंसी को

संक्षिप्त खबरें

दिल्ली में 10 साल के बच्चे ने फांसी लगाई

नई दिल्ली। दिल्ली के नांगलोई इलाके में 10 साल के बच्चे ने 31 जुलाई को आत्महत्या कर ली थी। पुलिस ने रविवार को बताया कि बच्चा एमसीडी स्कूल में पढ़ता था और मोबाइल गेम्स का आदी था। वह अपने माता-पिता के साथ अंबिका विहार कॉलोनी में रहता था। दोनों माता-पिता नौकरी करते हैं। पुलिस के मुताबिक, बच्चा करीब 10-11 घंटे तक मोबाइल पर एक्टिव था। उसने लगातार सात घंटे तक फ्री फायर गेम खेला और करीब चार घंटे यूट्यूब देखा। 31 जुलाई को भारी बारिश के कारण बच्चा स्कूल नहीं गया था और माता-पिता उसे घर पर छोड़कर काम पर चले गए थे। शाम को जब वे लौटे तो उन्होंने बेटे का शव लोहे की पाइप से लटका पाया।

सरकार ने 37 जरूरी दवाओं की कीमतें घटाईं

दिल्ली। नेशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 37 जरूरी दवाओं की कीमतें 10-15 प्रतिशत तक घटा दी हैं। इनमें पेरासिटामोल, एटोरवास्टेटिन, और एमोक्सिसिलिन जैसी दवाएं शामिल हैं, जो हार्ट, डायबिटीज, और इंफेक्शन के मरीजों के लिए जरूरी हैं। शनिवार को केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय ने ड्रग्स प्राइज कंट्रोल ऑर्डर , 2013 के तहत इसका नोटिफिकेशन जारी किया। यह नई कीमतें 35 अलग-अलग फॉर्मूलों पर लागू होंगी, जिन्हें बड़ी दवा कंपनियां बनाती और बेचती हैं।

हैप्पी मॉर्निंग

बिस्कुट चोरी करते हुए एक खूबसूरत महिला पकड़ी गई और फिर... जज- तुमने बिस्कुट का एक पैकेट चुराया, जिसमें 30 बिस्कुट थे, इसके लिए तुम्हें 30 दिनों की सजा सुनाई जाती है महिला का पति बोला- साहब, सूजी का पैकेट भी चुराया है। जज बेहोश... कितनी सजा दें।

शायरी

भारत बदल रहा है ,
भ्रष्ट नेताओं को कुचलने के लिए
अब हर नागरिक
मचल रहा है।

अर्थसार

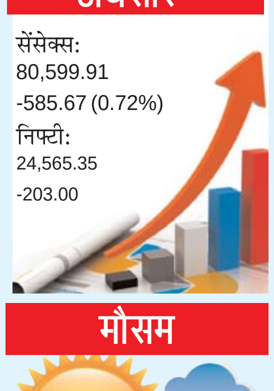

सेंसेक्स:
80,599.91
-585.67 (0.72%)
निफ्टी:
24,565.35
-203.00

मौसम

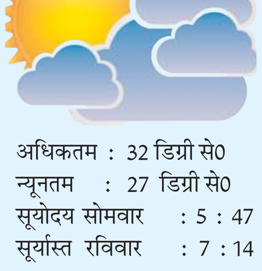

अधिकतम : 32 डिग्री से0
न्यूनतम : 27 डिग्री से0
सूर्योदय सोमवार : 5 : 47
सूर्यास्त रविवार : 7 : 14

गोंडा में बोलेरो नहर में गिरी, 11 लोगो की मौत

गाड़ी में छटपटाते रहे, बाहर नहीं निकल पाए; एक परिवार के 9 लोग

गोंडा। यूपी के गोंडा में रविवार सुबह 10 बजे तेज रफ्तार बोलेरो बेकाबू होकर सरयू नहर में गिर गई। हादसे में 11 लोगों की मौत हो गई। इनमें 3 भाइयों के परिवार के 9 लोग थे, जबकि 2 लोग पड़ोसी परिवार के थे। छोटे भाई का पूरा परिवार खत्म हो गया। ड्राइवर समेत 4 लोग बच गए। इनके अलावा 10 साल की बच्ची लापता हो गई थी। एसडीआरएफ टीम ने 7 घंटे बाद घटनास्थल से 8 किलोमीटर दूर उसकी लाश बरामद की।

बोलेरो सवार 16 लोग जल चढ़ाने पृथ्वीनाथ मंदिर जा रहे थे। सभी गोंडा के मोतीगंज थाना के सीहा गांव के रहने वाले थे। हादसा इतना भयावह था कि गाड़ी नहर के गिरने के बाद एक भी शख्स बाहर नहीं निकल पाया। बारिश के चलते नहर में लबालब पानी भरा है।

नहर में गिरते ही गाड़ी पूरी तरह से डूब गई। उसके गेट लॉक हो गए। अंदर बैठे लोग छटपटाते रहे और तड़प-तड़पकर उनकी मौत हो गई।

गाड़ी नहर के किनारे बनी सड़क से निकल रही थी। नहर क्रॉस करके जाना था। पुलिया के पास अचानक ड्राइवर ने ब्रेक मारा। तेज स्पीड और बारिश होने की वजह से गाड़ी बेकाबू होकर नहर में गिरने लगी।

इस पर ड्राइवर गेट खोलकर कूद गया। आगे की सीट में बैठे 2 लोग भी बाहर आ गए। बच्ची पिंकी बीच में खड़ी थी। झटके से वह भी ड्राइवर साइड के गेट से बाहर आ गई। इसके बाद बोलरो नहर में गिर गई।

जहां हादसा हुआ, वहां आसपास ग्रामीण थे। बोलेरो नहर में गिरती देख वो लोग बचाने के लिए पानी में कूद गए, लेकिन गेट नहीं खोल पाए। रस्सी बांधकर बोलेरो को किनारे तक लाए, तब जाकर गाड़ी का कुछ हिस्सा बाहर आया। बमुश्किल खिड़की का शीशा तोड़कर एक-एक को बाहर निकाला। तब तक सभी की मौत हो चुकी थी।

हादसे के बाद के कई वीडियो सामने आए हैं। इसमें सड़क पर 11 लाशें पड़ी हैं।

पानी में डूबी बोलेरो का ईंट से शीशा तोड़ते हुए युवक नजर आ रहे। पुलिस के मुताबिक, हादसे के वक्त कार की स्पीड 60 किमी प्रति घंटे थी।

मृतकों में 6 महिलाएं और 3 बच्चे

मृतकों में 6 महिलाएं, 2 पुरुष और 3 बच्चे हैं। मृतकों में सीहा गांव निवासी प्रह्लाद की पत्नी बीना (44), दो बेटियां काजल (22), महक उर्फ रिंकी (14), प्रह्लाद के भाई रामकरण (36), रामकरण की पत्नी अनसुइया (34), बेटा शुभ (7), बेटी सौम्या (9), प्रह्लाद के सबसे छोटे भाई रामरूप की पत्नी दुर्गेश नंदिनी (35), बेटा अमित (14) शामिल हैं। वहीं, रामरूप की एक बेटी रचना (10) लापता है। इसके अलावा प्रह्लाद के पड़ोसी रामललन वर्मा की पत्नी संजू (26) और बहन गुड़िया उर्फ अंजू (20) की भी मौत हो गई। हादसे में प्रह्लाद का एक बेटा सत्यम और एक बेटी पिंकी घायल हैं। पड़ोसी रामललन और ड्राइवर सीतारमण भी घायल हैं।

हादसे में बची किशोरी पिंकी ने बताया-

हम सभी लोग मंदिर जा रहे थे। जिस वक्त हादसा हुआ, हम लोग भजन गा रहे थे। अचानक हमारी गाड़ी फिसल गई और नहर में जा गिरी। इसके बाद क्या हुआ, कुछ भी याद नहीं। सब कुछ धुंधला सा हो गया।

पति की हत्या करवाकर लाश नाले में फिंकवाई, गाड़ी बेचकर दी 50 हजार रुपये की सुपारी

दिल्ली की महिला ने हरियाणा के प्रेमी के साथ रची साजिश

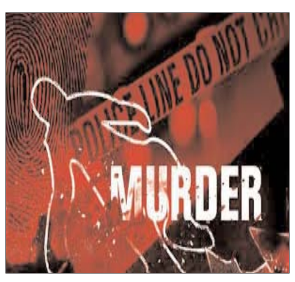

दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने एक महिला और उसके प्रेमी को गिरफ्तार किया है। महिला ने प्रेमी के साथ मिलकर पति की हत्या की साजिश रची थी। उसने पैसे देकर अपने पति की हत्या करवा दी और लाश को नाले में डलवा दिया था।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दिल्ली के अलीपुर निवासी 34 साल की सोनिया और सोनीपत निवासी उसके 28 साल के प्रेमी रोहित के रूप में हुई है।

पुलिस ने बताया कि मामले का एक अन्य आरोपी विजय फरार है। विजय रिश्ते में सोनिया का देवर है और उसने ही 50 हजार रुपए की सुपारी लेकर प्रीतम की हत्या की थी।

पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी महिला सोनिया ने पति की हत्या के लिए अपनी बहन के देवर विजय को 50 हजार रुपए की सुपारी दी थी।

हत्या के बाद विजय ने सोनिया को इंस्टाग्राम पर प्रीतम के शव का वीडियो और फोटो भेजकर रुपए मांगे। इसके बाद सोनिया ने पति का ऑटो बेचकर बाकी की रकम उसे चुकाई थी।

हिस्ट्रीशीटर था प्रीतम

क्राइम ब्रांच के डीसीपी हर्ष इंदौरा ने बताया- प्रीतम प्रकाश (42) अलीपुर का कुख्यात हिस्ट्रीशीटर था। उसके खिलाफ 10 से ज्यादा मामले दर्ज थे। अदालत ने उसे भगोड़ा भी घोषित किया था।

सोनिया जब 15 साल की थी जब उसे प्रीतम से प्यार हो गया था। बाद में दोनों ने परिवार की मर्जी के खिलाफ शादी कर ली थी। इस शादी से उनके तीन बच्चे हैं, जिनमें एक 16 साल का लड़का और दो बेटियां हैं।

टैरिफ ऐलान के बाद अमेरिकी तेल इंपोर्ट दोगुना

भारत ने अप्रैल-जून में 30 हजार करोड़ का तेल खरीदा; फिर भी ट्रम्प धमका रहे

नई दिल्ली। अप्रैल में ट्रम्प के टैरिफ ऐलान के बाद भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल की खरीद दोगुनी कर दी है। अप्रैल-जून तिमाही में इसमें सालाना आधार पर 114 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है।

2024 में अप्रैल से जून के बीच भारत ने अमेरिका से करीब 15 हजार करोड़ रुपए का तेल खरीदा था। 2025 में अप्रैल से जून के बीच में यह आंकड़ा दोगुना बढ़कर 32 हजार करोड़ रुपए तक पहुंच गया। न्यूज एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से ये जानकारी दी है।

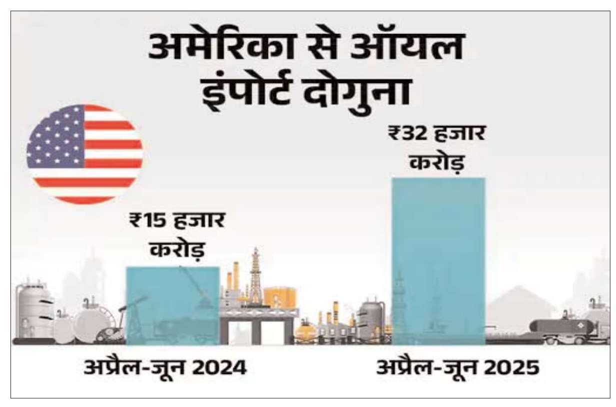

जनवरी में ट्रम्प के राष्ट्रपति बनने के बाद बढ़ी तेल खरीदी

भारत ने अमेरिका से जनवरी से जून 2025 के बीच हर दिन 2.71 लाख बैरल कच्चा तेल खरीदा। 2024 में जनवरी से जून के बीच ये आंकड़ा 1.8 लाख बैरल प्रतिदिन था।

केवल जुलाई 2025 में जून के मुकाबले 23 प्रतिशत ज्यादा कच्चा तेल अमेरिका से आया। भारत के कुल तेल आयात में भी अमेरिका की हिस्सेदारी 3 प्रतिशत से बढ़कर 8 प्रतिशत तक पहुंच गई।

ट्रम्प ने रूस से तेल खरीद पर पेनल्टी लगाने की धमकी दी

30 जुलाई को ट्रम्प ने भारत पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा करते हुए कहा था कि भारत हमेशा से अपनी ज्यादातर सैन्य चीजें रूस से खरीदता है और रूस का सबसे बड़ा तेल खरीदार है। ये सब तब हो रहा है, जब हर कोई चाहता है कि रूस-यूक्रेन की जंग रुके। ये सब ठीक नहीं है। इसलिए, भारत को 25 प्रतिशत टैरिफ और रूस से व्यापार पर पेनल्टी भी देनी होगी। भारत अभी रूस से करीब अपनी जरूरत का करीब 40 प्रतिशत तेल रूस से इंपोर्ट करता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत अभी हर दिन 1.15 मिलियन बैरल क्रूड ऑयल हर दिन रूस से खरीदता है।

यूपी में नदियां उफान पर, 12 जिलों में बाढ़ के हालात

वाराणसी-प्रयागराज के 1 लाख घरों में पानी भरा, बच्चे को डूबने से बचाते दिखे माता-पिता

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। उत्तर प्रदेश के तेज बारिश के कारण 12 जिलों में बाढ़ के हालात हैं। इनमें प्रयागराज, काशी जिले शामिल हैं। वाराणसी और प्रयागराज में गंगा का पानी एक लाख से अधिक घरों में घुस गया है। प्रयागराज में बाढ़ में अपने बच्चे को गोद में लेकर निकले माता-पिता का वीडियो सामने आया है।

रविवार सुबह 6 बजे गंगा का जलस्तर खतरे के निशान से 20 सेमी ऊपर बह रहा है, खतरे का निशान 71.4 मीटर है। आज राज्य के 71 जिलों में बारिश का अलर्ट है। 7 जिलों में बहुत तेज बारिश हो सकती है। बिहार के सभी 38 जिलों में रविवार का तेज आंधी-बारिश का अलर्ट है। 18 जिलों में ऑरेंज, तो 20 जिलों में यलो अलर्ट है। बीते 24 घंटे में पटना समेत 13 जिलों में बारिश हुई। पटना में 666.20 मीमी बारिश दर्ज की गई है। यहां सड़कों पर 2 फीट तक पानी भरा।

मध्य प्रदेश में 9 जिलों में आज तेज बारिश हो सकती है। अगले 24 घंटे में साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है। साथ ही अगले 2 दिन तक ऐसा मौसम बना रहेगा। हिमाचल प्रदेश के शिमला में मलबा हटा रही जेसीबी पर पहाड़ी से बड़ा से पत्थर गिरा। जेसीबी खाई में गिरी, घटना में ड्राइवर की मौत हो गई। राजस्थान के 9 जिलों में भी बारिश का यलो अलर्ट है। यहां बीकानेर के नोखा में दो मकान ढह गए। आस-पास के 7 मकान भी खाली कराए गए हैं। हनुमानगढ़ में भी एक मकान गिरा। इधर, यूपी में गंगा-यमुना, बेतवा नदियां उफान पर हैं। काशी में सभी 84 घाट गंगा में डूबे हैं। प्रयागराज में भी गंगा-यमुना का पानी 10 हजार घरों में भर गया।

असम, मेघालय समेत 5 जिलों में बारिश का रेड अलर्ट

देशभर में मानसून जमकर बरस रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को असम, मेघालय समेत 5 जिलों में बारिश का रेड, बिहार-उत्तराखंड समेत 6 जिलों में ऑरेंज और राजस्थान-मध्य प्रदेश समेत 15 जिलो में यलो अलर्ट जारी किया है।

सेना के अधिकारी ने स्पाइसजेट के 4 कर्मचारियों को पीटा

एक की रीढ़ की हड्डी टूटी, दूसरे का जबड़ा; बेहोश हुए स्टॉफ को लातों से मारता रहा

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर एयरपोर्ट पर एक्स्ट्रा लगेज को लेकर सेना के एक अधिकारी ने स्पाइसजेट के चार कर्मचारियों के साथ मारपीट की। एक कर्मचारी की रीढ़ की हड्डी टूट गई। दूसरे का जबड़ा टूट गया। तीसरे की नाक से खून निकलने लगा। वहीं चौथा कर्मचारी बेहोश हो गया, उसके बावजूद आरोपी लातें मारता रहा।

घटना 26 जुलाई की है। मामला अब सामने आया है। एयरलाइन ने बयान जारी करते हुए कहा कि आरोपी सैन्य अधिकारी को नो फ्लाइंग लिस्ट में डाल दिया है। वहीं सेना ने बयान जारी करते हुए कहा कि भारतीय सेना अनुशासन और आचरण के मानकों को बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। मामले की जांच में अधिकारियों को पूरा सहयोग दिया जा रहा है। न्यूज रिपोर्ट के मुताबिक, आरोपी अफसर की पहचान लेफ्टिनेंट कर्नल रितेश कुमार सिंह के रूप में हुई है। वह गुलमर्ग स्थित हाई एल्टीट्यूड वारफेयर स्कूल में तैनात है। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है। मामले में सेना ने कहा है कि वह जांच में पूरा सहयोग करेगी। सेना ने बयान में कहा, हम अनुशासन के उच्च मानकों पर चलते हैं और इस घटना को गंभीरता से ले रहे हैं।

चुनाव आयोग का तेजस्वी यादव को नोटिस

कहा- प्रेस कांफ्रेंस में दिखाया दूसरा वोटर कार्ड नंबर ऑफिशियल नहीं; इसे सरेंडर करें

पटना। चुनाव आयोग ने तेजस्वी यादव को नोटिस भेजा है। बिहार की दीघा विधानसभा के निर्वाचन निबंधन पदाधिकारी ने नोटिस में कहा है कि आपने प्रेस कांफ्रेंस में ईपिक संख्या RAB2916120 दिखाया, जो आधिकारिक रूप से जारी नहीं किया गया है।

इस ईपिक कार्ड का विवरण और मूल कार्ड आयोग को उपलब्ध कराए, ताकि इसकी गहन जांच की जा सके। एनडीए नेताओं ने तेजस्वी के खिलाफ वो वोटर आईडी रखने के मामले में एफआईआर करने की मांग की है।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने शनिवार को पटना में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा- उनका नाम वोटर लिस्ट से कट गया है। उन्होंने कहा, 'BLO आई थीं और हमारा सत्यापन करके गई हैं। फिर भी मतदाता सूची में नाम नहीं है।

कार्रवाई

भारत देगा सबूत, अमेरिका-कनाडा-यूरोप को लिस्ट सौंपी, एमईए और गृह मंत्रालय मिलकर करेंगे कार्रवाई

खालिस्तानी आतंकियों-गैंगस्टरों पर अब विदेशों में भी एक्शन

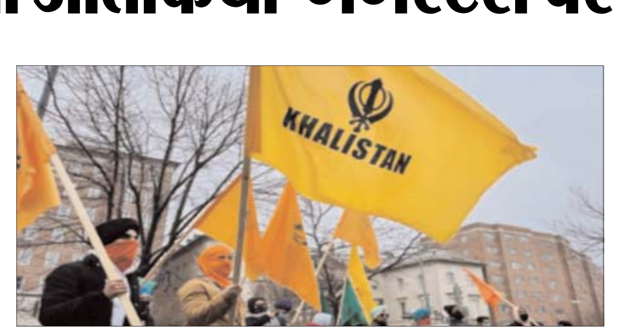

जालंधर। भारत सरकार अब खालिस्तानी आतंकियों और उनसे जुड़े गैंगस्टरों के खिलाफ विदेशों में भी सख्त कदम उठाने की तैयारी कर रही है। खुफिया एजेंसियों के साथ मिलकर विदेश मंत्रालय जल्द ही अमेरिका, ब्रिटेन, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया और कुछ यूरोपीय देशों को औपचारिक रूप से यह जानकारी देगा कि भारत के कई वांछित खालिस्तानी आतंकी इन देशों में छिपे हुए हैं। ये लोग नकली पासपोर्ट और फर्जी पहचान पत्रों की मदद से विदेश भागे हैं।

सरकार अब इन देशों पर दबाव बनाएगी कि वे ऐसे आतंकियों को भारत के हवाले करें। हाल ही में दिल्ली में हुई इंटेलिजेंस ब्यूरो की दो दिन की नेशनल सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस में गृह मंत्री अमित शाह ने भी यह मुद्दा उठाया। उन्होंने राज्यों की पुलिस और केंद्रीय एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे ऐसे खालिस्तानी और गैंगस्टर-आतंकियों की लिस्ट तैयार करें, जिन्होंने नकली दस्तावेजों से विदेशों में पनाह ली है।

फर्जी दस्तावेजों के कई मामले सामने आए

पिछले कुछ वर्षों में कई ऐसे मामले सामने आए हैं, जहाँ खालिस्तानी तत्वों ने नकली दस्तावेजों के जरिए विदेशों की यात्रा की। उदाहरण के तौर पर, खालिस्तानी नेता हरदीप सिंह निज्जर- जिनकी जून 2023 में कनाडा के सरी शहर में अज्ञात हमलावरों ने हत्या कर दी थी। उन्होंने 1997 में 'रवि शर्मा' नाम से कनाडा की यात्रा की थी। इसी साल मार्च में उत्तर प्रदेश पुलिस ने बब्बर खालसा इंटरनेशनल के आतंकी लाजर मसीह को गिरफ्तार किया था, जो दिल्ली स्थित एक गैंग से फर्जी पासपोर्ट बनवाकर विदेश भागने की कोशिश कर रहा था। फरवरी 2025 में यूपी पुलिस ने पीलीभीत में एक ऐसा नेटवर्क पकड़ा, जो खालिस्तानी तत्वों के लिए फर्जी वीज़ा और दस्तावेज़ तैयार करता था।

अधिकारियों ने बताया कि आईबी कॉन्फ्रेंस के बाद अब गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय मिलकर इस पर औपचारिक कार्रवाई करेंगे। गृह मंत्रालय का अगला बड़ा एजेंडा यह है कि हर वांछित खालिस्तानी या गैंगस्टर-आतंकी के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाकर यह दिखाया जाए कि उन्होंने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर वीज़ा या शरण ली। फिर इन्हीं सबूतों के आधार पर संबंधित देशों से औपचारिक बातचीत कर उन्हें भारत प्रत्यर्पित करने का प्रयास किया जाएगा।

संपादकीय

आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं?

भारतीय समाज में एक सवाल बार-बार उठता है- क्या आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं ? यह प्रश्न तब और गहरा हो जाता है जब हम रोज़मर्रा की घटनाओं, सरकारी नीतियों, और सामाजिक व्यवस्था को देखते हैं। चाहे वह सड़क हादसे हों, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी हो, या प्राकृतिक आपदाओं में जान-माल का नुकसान, ऐसा प्रतीत होता है कि आम आदमी का जीवन अक्सर उपेक्षित रहता है। यह लेख इस मुद्दे की गहराई में उतरकर इसके विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालता है।

जितेन्द्र चौधरी, प्रधान संपादक, विशाल इंडिया हिंदी दैनिक

सामाजिक और आर्थिक असमानता

भारत में सामाजिक और आर्थिक असमानता एक बड़ा कारण है जिसके चलते आम लोगों के जीवन को कम महत्व दिया जाता है। अमीर और प्रभावशाली लोग अक्सर बेहतर सुविधाओं और सुरक्षा का लाभ उठाते हैं, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के लोग आधारभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष करते हैं। उदाहरण के लिए, सड़क दुर्घटनाओं में हर साल हजारों लोग अपनी जान गंवाते हैं, लेकिन सड़कों की खराब स्थिति, ट्रैफिक नियमों की अनदेखी, और आपातकालीन सेवाओं की कमी जैसे मुद्दों पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जाता। क्या यह इस बात का संकेत नहीं कि आम आदमी की सुरक्षा सरकार और समाज की प्राथमिकता में नहीं है ?

स्वास्थ्य सेवाओं की कमी

स्वास्थ्य सेवाएं भी इस असमानता को उजागर करती हैं। सरकारी अस्पतालों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव, लंबी कतारें, और डॉक्टरों की कमी आम बात है। निजी अस्पतालों में इलाज इतना महंगा है कि मध्यम वर्ग के लिए भी इसे वहन करना मुश्किल हो जाता है। कोविड-19 महामारी के दौरान यह स्पष्ट हो गया था कि जब संसाधनों की बात आती है, तो आम लोगों को अक्सर पीछे छोड़ दिया जाता है। ऑक्सीजन की कमी, बेड की अनुपलब्धता, और दवाओं की कालाबाजारी ने हजारों लोगों की जान ले ली। क्या यह दर्शाता है कि आम आदमी का जीवन सस्ता है ?

प्राकृतिक आपदाएं और सरकारी प्रतिक्रिया

प्राकृतिक आपदाओं जैसे बाढ़, भूकंप, और चक्रवात में भी आम लोगों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ता है। सरकारी राहत और पुनर्वास के प्रयास अक्सर अपर्याप्त और देरी से होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोग, जो पहले से ही संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। यह सवाल उठता है कि क्या सरकार की नीतियां और योजनाएं वास्तव में आम लोगों की सुरक्षा और कल्याण को प्राथमिकता देती हैं ?

सामाजिक जागरूकता और बदलाव की जरूरत

यह सच है कि आम लोगों के जीवन को महत्व देने के लिए सामाजिक जागरूकता और नीतिगत बदलाव की सख्त जरूरत है। सरकार को चाहिए कि वह बुनियादी सुविधाओं जैसे स्वास्थ्य, शिक्षा, और सुरक्षा पर अधिक निवेश करे। साथ ही, समाज को भी अपनी मानसिकता बदलनी होगी। हमें यह समझना होगा कि हर जीवन मूल्यवान है, चाहे वह किसी भी सामाजिक-आर्थिक पृष्ठभूमि से हो।

निष्कर्ष

आम लोगों के जीवन की कीमत को समझने के लिए हमें एक समावेशी और संवेदनशील समाज की ओर बढ़ना होगा। सरकार, समाज, और व्यक्तियों को मिलकर यह सुनिश्चित करना होगा कि हर व्यक्ति को सम्मान, सुरक्षा, और अवसर मिले। जब तक हम यह नहीं मानेंगे कि हर जीवन अनमोल है, तब तक हमारा समाज अधूरा रहेगा। यह समय है कि हम इस सवाल का जवाब खोजें और उसे अमल में लाएं : क्या वाकई आम लोगों के जीवन की कोई कीमत नहीं ?

अंतरिक्ष से मिसाइल युद्ध की प्लानिंग करते शक्तिशाली देश?

भविष्य में लड़ाई लड़ने के तरीके बदलने वाले हैं। पावरफुल मुल्क बंदूक, तोप, तलवारों या अन्य हथियारों से नहीं, बल्कि मिसाइलो से अतंरिक्ष में बनें स्पेस स्टेशनों से योजना बना रहे हैं। सुखद ख़बर यहां ये है कि भारत भी इस योजना से पीछे नहीं हैं। अन्य देशों की मिसाइल अटैक वाली मंशाओं की संभावनाओं के बीच भारत ने भी अतंरिक्ष में अपना पैर जमा दिया है। ज्यादा नहीं सिर्फ दशक भर बाद किसी पराए नहीं, स्वयं के स्वनिर्मित 'अतंराष्टीय स्पेस सेंटर' में उतरा करेंगे हमारे भारतीय अंतरिक्ष यात्री। इसके लिए भारतीय वैज्ञानिकों की कोशिशें अंतिम चरण में हैं। कुल मिलाकर अगर ये मिशन 10 सालों में मुकम्मल होता है, तो स्पेस में भी हम सफलता के झंडे गाड़ देंगे। आत्मनिर्भरता की विधा में जमीन से कोसों मील दूर अंतरिक्ष में अपना स्पेस स्टेशन होगा। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो द्वारा वर्ष-2035 तक अंतरिक्ष में खुद का 'इंटरनेशनल स्पेस सेंटर' बनाने का ऐलान किया जा चुका है। बीते दिनों बेशक शुभांशु शुक्ला नासा अधिकृत मिशन के जरिए स्पेस सेंटर में उतरे हों, पर भविष्य में जब कोई भारतीय अंतरिक्ष में यात्रा करेगा, तो वह अपने स्पेस सेंटर में ही लैंड करेगा। ऐसी सफलता निश्चित रूप से बदलते हिंदुस्तान की अकल्पनीय, करिश्माई, व अनोखी कही जाएगी। पावरफुल देश अंतरिक्ष क्षेत्र को क्यों तवज्जो देने में लगे हैं? क्यों वहां नित नई तकनीकी शक्तियों के विस्तार में जुटे हैं? क्या भविष्य में 'स्पेस स्टेशन' के जरिए मिसाइल अटैक करने की कोई योजनाएं तो नहीं बनाई जा रही हैं? ऐसे तमाम सवाल लोगों के मन में कौंधने लगे। सवाल उठने वाजिब इसलिए भी हैं, क्योंकि मौजूदा वक्त में ज्यादातर देश अपनी लड़ाइयां जमीन को छोड़कर हवाई मिसाइलों से लड़ने लगे हैं। ईरान, इजरायल, गाजा, फिलिस्तीन, यूक्रेन-रूस और अभी हाल में भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़े तनाव में हुए सीजफायर इसके उदाहरण हैं। शायद वो वक्त दूर नहीं, जब आगामी लड़ाईयों की आहटें हमें सीधे अंतरिक्ष से सुनाई दिया करेंगी। अभी तक दो देशों के बीच जंगें जमीन, हवा और पानी में ही दिखती थी। पर, भविष्य की जंगें अंतरिक्ष से लड़ी जाने की संभावनाओं को नहीं नकारा जा सकता? ये बातें बेशक चौंकाने वाली हों, पर ऐसा मुमकिन होता दिखाई पड़ने लगा है? अंतरिक्ष स्टेशनों से युद्ध स्तर पर विभिन्न प्रकार के वैज्ञानिक शोधों में कुछ मुल्क बीते कुछ दशकों से लगे हुए हैं। अभी तक अंतरिक्ष में मात्र दो ही स्पेस स्टेशन हैं। पहला, 'इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन' जिसे अमेरिका-रूस व अन्य देशों ने अपने साझा प्रयास से मिलकर तैयार किया है। वहीं, दूसरा स्पेस स्टेशन चीन का निजी है। हालांकि अब रूस, अमेरिका, भारत व एकाध और अन्य मुल्क अपने-अपने निजी 'स्पेस स्टेशन' बनाने की अंतिम चरणों में हैं। अगले 10 में भारत के अलावा रूस भी अपना स्पेस स्टेशन स्थापित कर लेगा। मकसद भले ही इन स्पेस स्टेशनों का प्रयोग वैज्ञानिक शोधों के लिए हो, लेकिन इस बात से इनकार नहीं कर सकते हैं कि इन स्पेस स्टेशनों के जरिए कुछ देश सैटेलाइट्स मिसाइलों से लड़ाइयां लड़ने का जुगत भिड़ा रहे हों? बहरहाल, 41 बरस बाद शुभांशु शुक्ला के रूप में अब हमारा भी एक अतंरिक्ष यात्री अतंरिक्ष में पहुंचा है जिनके जाने का मकसद 10 साल बाद स्वर्निमित भारतीय स्पेस स्टेशन की तैयारियों की जांच-पड़ताल करना होगा।

जिसका 'दोस्त' अमेरिका उसे दुश्मन की ज़रूरत क्या है ?

विभिन्न देशों पर अलग अलग कारणों से टैरिफ़ लगाने के अतरिक्त इसी सन्दर्भ में पिछले दिनों उन्होंने भारत व रूस को लेकर जो ग़ैर ज़िम्मेदाराना बातें कहीं वह पूरी तरह असत्य व असभ्य थीं

तनवीर जाफ़री

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रम्प शांति का नोबल पुरस्कार लेने की फ़िराक़ में तो ज़रूर हैं परन्तु उनके फ़ैसले व बयानों से यही नज़र आ रहा है गोया उन्होंने पूरे विश्व को अशांत व विचलित करने का ठेका ले रखा है। ख़ासकर चूँकि वे स्वयं एक व्यवसायी पृष्ठभूमि से सम्बन्ध रखते हैं इसलिये उनके अनेक फ़ैसलों व बयानों में व्यवसायिकता का भाव साफ़ देखने को मिलता है। इत्तेफ़ाक़ से यही डोनाल्ड ट्रम्प 2017 से 2021 के अपने पहले कार्यकाल के दौरान झूठ बोलने व भ्रामक दावे करने का भी विश्व कीर्तिमान बना चुके हैं। अमेरिकी प्रतिष्ठित समाचार पत्र वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक़ ट्रम्प ने अपने पहले कार्यकाल में कुल 30,573 झूठे या भ्रामक दावे किए थे। यानी उन्होंने औसतन प्रतिदिन लगभग 21 झूठे दावे किए थे। 2021 में राष्ट्रपति भवन से उनकी बिदाई कितनी हिंसक व शर्मनाक थी यह भी दुनिया ने देखा था।

बहरहाल उनकी दक्षिणपंथी सोच के चलते एक बार फिर अमेरिकी जनता ने उन्हें निर्वाचित कर लिया है। परन्तु इस बार वे कुछ अलग ही अवतार में नज़र आ रहे हैं। जहाँ वे विश्व शांति दूत बनने की फ़िराक़ में युद्ध रत देशों के बीच युद्ध विराम करने वाले एक महान शांतिप्रिय नेता के रूप में स्वयं को स्थापित करना चाह रहे हैं वहीं अपनी व्यवसायिक मानसिकता के कारण वे युद्धग्रस्त देशों को शस्त्रों की आपूर्ति करने में भी पीछे नहीं हैं। इसके अतिरिक्त उन्होंने अपने इस दूसरे कार्यकाल में टैरिफ़ बम छोड़ कर भी अनेक देशों को विचलित कर दिया है। ख़बरों के अनुसार राष्ट्रपति ट्रंप अब तक 92 देशों पर टैरिफ़ लगाने की घोषणा कर चुके हैं जो संभवत: 7 अगस्त 2025 से लागू होंगे। विभिन्न देशों पर अलग अलग कारणों से टैरिफ़ लगाने के अतरिक्त इसी सन्दर्भ में पिछले दिनों उन्होंने भारत व रूस को लेकर जो ग़ैर ज़िम्मेदाराना बातें कहीं वह पूरी तरह असत्य व असभ्य थीं। राष्ट्रपति ट्रंप ने 30 जुलाई 25 को सोशल मीडिया पर भारत और रूस की अर्थव्यवस्थाओं को मृत अर्थव्यवस्था कह डाला। उन्होंने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत टैरिफ़ और रूस से तेल व सैन्य उपकरणों की ख़रीद के लिए भारत पर अतिरिक्त जुर्माना लगाने तक की घोषणा कर डाली। यह क़दम भारत और रूस के बीच गहरे व्यापारिक और रणनीतिक संबंधों, विशेष रूप से रूस से भारत के तेल आयात और सैन्य ख़रीद के कारण उठाया गया। ट्रंप की सोच है कि भारत और रूस के बीच गहरे व्यापारिक और रणनीतिक संबंध अमेरिका के व्यापारिक हितों के ख़िलाफ़ हैं। ट्रंप ने भारत और रूस को ब्रिक्स समूह का हिस्सा होने के कारण भी निशाना बनाया, जो अमेरिकी डॉलर को वैश्विक व्यापार में चुनौती देता है।

इसी सन्दर्भ में ट्रंप ने भारत और रूस की रणनीतिक साझेदारी, ख़ासकर रूस से तेल और हथियारों की खरीद को लेकर तंज़ कसते हुये कहा कि उन्हें परवाह नहीं कि भारत रूस के साथ क्या करता है, लेकिन दोनों देश अपनी मृत अर्थव्यवस्थाओं को और नीचे ले जा सकते हैं। यह बयान भारत के रूस के साथ संबंधों को लेकर अमेरिका की नाराज़गी को दर्शाता है, विशेष रूप से जब अमेरिका, रूस-यूक्रेन युद्ध में रूस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहा है। भारत ने भले ही मृत अर्थव्यवस्था (Dead economy) बताने पर ट्रंप को कोई माक़ूल जवाब नहीं दिया परन्तु रूसी सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष और पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ज़रूर ट्रंप को धमकी भरा ज़बरदस्त जवाब दे दिया।

मेदवेदेव ने अपने टेलीग्राम चैनल पर लिखा कि ट्रम्प को अपनी पसंदीदा फ़िल्म द वॉकिंग डेड याद करनी चाहिए और यह सोचना चाहिए कि डेड हैंड कितना ख़तरनाक हो सकता है।

दरअसल डेड हैंड शीत युद्ध के दौरान सोवियत संघ की एक स्वचालित परमाणु हथियार नियंत्रण प्रणाली थी, जो बड़े पैमाने पर रूसी नेतृत्व के नष्ट होने पर भी स्वचालित रूप से परमाणु हमला शुरू कर सकती है।

मेदवेदेव ने ट्रम्प को साफ़ शब्दों में चेतावनी दी कि रूस की ताक़त को कम न आंकें। मेदवेदेव की यह चेतावनी ट्रंप के रूस और भारत की अर्थव्यवस्थाओं को मृत क़रार देने तथा यूक्रेन युद्ध को 10 दिन में समाप्त करने की समय सीमा निर्धारित करने के जवाब में थी।

उधर राष्टपति ट्रंप ने भी पूर्व रूसी राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की डेड हैंड चेतावनी के जवाब में रूस के निकटवर्ती क्षेत्रों में दो परमाणु पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दे दिया है।

ट्रंप ने मेदवेदेव के कथित भड़काऊ बयानों का हवाला देते हुए कहा कि यह क़दम एहतियाती है ताकि ऐसी बयानबाज़ी को नियंत्रित किया जा सके।

हालांकि, ट्रंप ने यह साफ़ नहीं किया कि ये पनडुब्बियां परमाणु हथियारों से लैस हैं या केवल परमाणु ऊर्जा से संचालित हैं परन्तु ट्रंप की इस घोषणा ने पूरे विश्व को चिंतित ज़रूर कर दिया है।

रूस की ओर से भी यह बता दिया गया है यह दोनों ही अमेरिकी पनडुब्बियां उसके निशाने पर हैं। गोया दोनों देशों के बीच तनाव अपने चरम पर पहुँच गया है। सवाल यह कि राष्टपति ट्रंप को किसी देश की अर्थ व्यवस्था को मृत अर्थव्यवस्था कहने का क्या अधिकार है ? वैसे भी विश्व बैंक, आईएमएफ़ सहित और भी कई अंतरराष्ट्रीय एजेंसियों के अनुसार 2025-26 के लिए भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.3-6.7 प्रतिशत अनुमानित की है। यह जीडीपी वृद्धि दर अमेरिका की 1.9 प्रतिशत की तुलना में कहीं ज़्यादा है। इन आंकड़ों से ही पता चलता है कि भारत की अर्थव्यवस्था मृत नहीं बल्कि जीवंत है और साथ ही यह प्रति व्यक्ति आय कम होने के बावजूद यह दुनिया की सबसे तेज़ी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से भी एक है।

सच पूछिये तो आज यूक्रेन भी जिस बुरे दौर से गुज़र रहा है उसका कारण भी यूक्रेन को दिया जाने वाला अमेरिकी व नाटो समर्थन ही है। यानी यूक्रेन, अमेरिका की दोस्ती का नतीजा भुगत रहा है और अमेरिका यूक्रेन का साथ देने के बजाये इसमें भी व्यवसाय कर रहा है। इसी तरह पिछले दिनों ईरान ने अमेरिका के घनिष्ठ मित्र देश इस्राईल को धूल चटा डाली।

हाँ,युद्ध के आख़री दिनों में अमेरिका ने ईरान में मामूली बंबारी कर इस्राईल को यह ज़रूर जता दिया कि घबराओ मत, हम तुम्हारे साथ हैं। परन्तु तब तक ईरान ने तेल अवीव के बड़े हिस्से को खंडहर बना दिया था। इसी तरह याद कीजिये 1971 के वह दिन जब अमेरिका ने पाकिस्तान को सैन्य सहायता के रूप में अपना सातवां युद्ध पोत भेजने का दिलासा दिया था।

वह सातवां बेड़ा तो पहुंचा नहीं परन्तु इंदिरा गाँधी के सबल व कुशल नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान के दो टुकड़े ज़रूर कर दिये। आज फिर अमेरिका उसी भारत विरोधी पाकिस्तान को हर तरह से शह देने की नीति पर चल रहा है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जिनसे यह साबित होता है कि जिसका दोस्त अमेरिका हो उसे दुश्मन की ज़रूरत ही क्या है ?

टाईम पास

काकुरो पहेली -3610

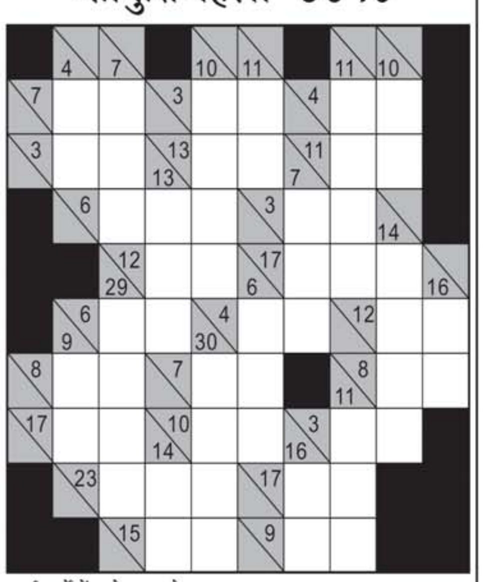

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणत:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3609 का हल

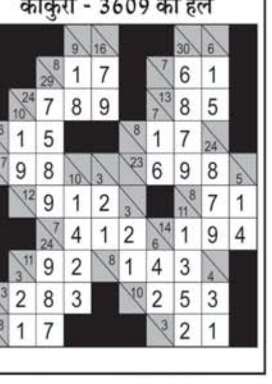

हंसी के फूव्वारें

एक हीरो का जब बुरा समय आया तो एक होटल में बैरागिरी करने लगा. एक दिन उसका दोस्त उस होटल में खाना खाने पहुंचा. जब उसने हीरो को वहां वेटर के रूप में देखा तो उसने आश्चर्य प्रकट करते हुए कहा-'अरे! तुम ऐसे मामूली होटल में बैरागिरी कर रहे हो ?'

'हां !' हीरो शान्त स्वर में बोला-'सब समय की बात है. फिर भी अभी ऐसी हालत नहीं हुई कि इस होटल में खाना खाना पड़े.'

□ □ □

एक अधिकारी ने कागजी कार्यवाही के दौरान अपने पास बैठे एक आदमी से पूछा-'आपकी राष्ट्रीयता तो भारतीय है ना!'

'जी नहीं !'

'फिर ?'

'मेरे मां और बाप दोनों अंग्रेज थे, इसलिए मेरी राष्ट्रीयता अंग्रेजी है.'

'मगर आप पैदा तो भारत में हुए थे.'

'तो क्या हुआ!' वह आदमी कड़क आवाज में बोला-'आपकी कुतिया यदि घुड़साल में जाकर पिल्ला दे तो क्या आप उसे घोड़ा मान लेंगे ?'

□ □ □

बेटा-'पापा मुझे तीन विषयों में एक समान अंक मिले हैं.'

पिता-कितने अंक मिले हैं.

बेटा-'शून्य,शून्य,शून्य !'

□ □ □

फिल्म वर्ग पहेली- 3610

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 3609

सूडोकु -3610

			2					4
			6					1
	5		8			2		3
		7					6	
	3					8		
1		6			3		7	
2					5			
8					4			

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3609 का हल

6	5	4	3	1	9	7	2	8
7	2	3	5	8	4	9	6	1
8	9	1	7	2	6	3	4	5
1	7	2	8	3	2	5	9	4
4	3	8	9	6	5	1	7	6
5	6	9	4	7	1	8	3	2
2	8	7	1	4	3	6	5	9
9	1	6	2	5	7	4	8	3
3	4	5	6	9	8	2	1	7

शब्द पहेली - 3610

बाएँ से दाएँ

1.हलचल,कोलाहल-3,3
5.मानवीयता-4
8.शरीर, बदन-2
9.ऊंचाई-3
10.तीर, बाण-2
11.मनमोहक-4
12.रग, नाड़ी-2
14.दुत्कारना-4
16.चतुर, फुर्तीला-3
18.साझेदार-4
20.रमण लायक-3,2
23.भारी, वजन वाला-5
26.असावधानी-4
27.दाल पीसना-3
29.निश्चित-4
30.कविता-2
32.शरीर व इच्छा-2,2
33.भारत के झंडे का एक एक रंग-2
35.सलाम करना-3
36.रास्ता-2
37.राह पर चलनेवाले-4
38.जहाज चलाने की प्रक्रिया-3,3

ऊपर से नीचे

1.पैतृक संपत्ति का वारिस-6
2.गाय के स्तन-2
3.प्रसन्न होने का भाव-4
4.लगन, जिज्ञासा-3
5.खदान,खान (अंग्रेजी में-3)
6.अधीन, काबू-2
7.डामर, टार-4
11.पूर्वरक्षण, रिजर्वेशन-4
13.सच्चाई-2
15.दुश्मनी,शत्रुता-4
17.घूंघट, बुरखा-3
18.भाग्य का लेखा-जोखा-4
19.धूल, रेत-2
21.भवन, प्रसाद-3
22.जोड़, कुल-2
24.लावण्ययुक्त-4
25.जीवन निर्वाह का ढंग,-3,3
27.विजयादशमी-4
28.मोड़, छोर-2
29.मृत्यु का देवता, यम-4
31.बुरी आदत-3
32.सभ्य व्यवहार-3
34.मार्ग-2
36.गोंद, वार्निश-2

शब्द पहेली -3609 का हल

ग्रेनो वेस्ट : ला रेजिडेंसिया के निवासियों ने किया प्रदर्शन

मेंटेनेंस शुल्क में 40 प्रतिशत की वृद्धि के विरोध में सड़क पर उतरे, दी ये चेतावनी

गौतम बुद्ध नगर। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित ला रेजिडेंसिया के निवासियों ने मेंटेनेंस शुल्क में 40 प्रतिशत की वृद्धि के विरोध में शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। 3 अगस्त को आयोजित इस प्रदर्शन में सैकड़ों निवासी टी-37 बिल्डर कार्यालय और सेंट्रल पार्क के बाहर एकत्रित हुए।

प्रदर्शनकारियों ने प्लेकार्ड और पोस्टर के माध्यम से अपनी आवाज उठाई। उनकी मुख्य मांगों में मेंटेनेंस शुल्क को 1.50 से बढ़ाकर 2.10 रुपए प्रति वर्गफुट किए जाने के फैसले को वापस लेना शामिल था। साथ ही निवासियों ने सुरक्षा, सफाई, बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को तुरंत बहाल करने की मांग की।

प्रदर्शनकारियों ने यह भी मांग की कि भविष्य में किसी भी शुल्क वृद्धि से पहले निवासियों की स्पष्ट सहमति ली जाए।

इस आंदोलन में 300 से अधिक परिवारों के सदस्यों ने समर्थन दिया। निवासियों ने बिल्डर को स्पष्ट संदेश दिया कि वे अब चुप नहीं बैठेंगे और जब तक यह अन्यायपूर्ण वृद्धि वापस नहीं होती, तब तक उनका विरोध जारी रहेगा। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगें जल्द नहीं मानी गईं, तो वे अगली बैठक और व्यापक आंदोलन की घोषणा करेंगे। पूरा प्रदर्शन शांतिपूर्ण और अनुशासित रहा। निवासियों का मानना है कि उनकी एकता ही उनकी ताकत है और यही बदलाव की कुंजी बनेगी।

ग्रेटर नोएडा में शराब के ठेके पर चोरी का प्रयास

जेवर। ग्रेटर नोएडा के दनकौर कस्बे के झाझर रोड पर स्थित अंग्रेजी शराब के ठेके पर चोरी का प्रयास विफल रहा। शनिवार रात करीब 12 :39 बजे एक अज्ञात व्यक्ति ने दुकान के शटर को लोहे की रॉड से उठाकर अंदर घुसने का प्रयास किया। आरोपी कई मिनट तक शटर तोड़ने की कोशिश करता रहा। लेकिन वह अंदर घुसने में सफल नहीं हो पाया। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सुबह जब शराब के ठेके का सेल्समैन दुकान पहुंचा तो उसने शटर को कई जगह से टूटा हुआ पाया। इसके बाद उसने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज की जांच की और पुष्टि की कि आरोपी शराब के ठेके से कुछ चुरा नहीं पाया। अधिकारियों का कहना है कि वे कैमरे के आधार पर आरोपी की पहचान कर रहे हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

हाईराइज सोसायटी में चला साइबर ठगों के खिलाफ अलर्ट मिशन

वीडियो प्रजेंटेशन से पुलिस कर रही सावधान, बुजुर्ग और गृहणियां को बना रहे शिकार

गाजियाबाद। गाजियाबाद में बढ़ते साइबर अपराध को देखते हुए पुलिस ने विशेष जागरूकता अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य लोगों को साइबर ठगी से सुरक्षित रखना है। हाईराइज सोसायटी में रहने वाले बुजुर्गों और आम लोगों को साइबर अपराधियों की चालों से सचेत किया जा रहा है।

रविवार को सिद्धार्थ विहार की गंगा अपार्टमेंट सोसायटी में पुलिस ने साइबर क्राइम अवेयरनेस प्रोग्राम आयोजित किया। इस दौरान पुलिस ने लोगों को बताया कि साइबर अपराधी फिशिंग और ऑनलाइन ब्लैकमेलिंग एक्सटॉर्शन जैसे तरीकों से लोगों को ठग रहे हैं।

कार्यक्रम में एसीपी कोतवाली, रितेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि आजकल साइबर ठग तेजी से अपने तरीके बदल रहे हैं। वे नई तकनीकों का इस्तेमाल करके आम लोगों को जाल में फंसा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हाईराइज सोसायटी के बुजुर्ग, गृहणियां और तकनीक से कम जुड़े लोग इन अपराधियों के आसान शिकार बन रहे हैं।

इस कार्यक्रम में वीडियो डेमोंस्ट्रेशन से दिखाया गया कि कैसे एक आम फोन कॉल, ईमेल या लिंक मेहनत की कमाई को चंद मिनटों में गायब कर सकता है। पुलिस ने बताया कि ठग आजकल फेक बैंक कॉल, लॉटरी स्कैम, सोशल मीडिया हैकिंग और जबरन वसूली जैसे कई तरीके अपना रहे हैं।

पुलिस लोगों को सतर्क रहने के साथ-साथ यह भी सिखा रही है कि ठगी की कोशिश होने पर तुरंत कहां संपर्क करें। कार्यक्रम में यह भी बताया गया कि संदिग्ध लिंक या कॉल को नजरअंदाज करें। अपनी पर्सनल जानकारी और बैंक डिटेल्स किसी अनजान व्यक्ति को न दें।

शार्ट न्यूज

ग्रेटर नोएडा में क्रेन ने महिला को रौंदा

गौड़ सिटी सोसाइटी में काम कर वापस हो रही थी घरेलू सहायिका

जेवर। ग्रेटर नोएडा में एक घटना में हाइड्रा क्रेन की चपेट में आने से एक घरेलू सहायिका की मौत हो गई। रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र के यमुना एक्सप्रेसवे के पास मोहम्मदाबाद खेड़ा अंडरपास के मोड़ पर यह हादसा हुआ। पलवल के गांव शेखपुर निवासी 36 वर्षीय पिंकी यमुना सिटी के सेक्टर-19 स्थित गौड़ सिटी सोसाइटी में हाउसमेड के रूप में काम करती थी। शनिवार शाम को अपनी ड्यूटी खत्म करने के बाद वह पैदल अपने घर लौट रही थी। यमुना एक्सप्रेसवे के करीब मोहम्मदाबाद खेड़ा अंडरपास के मोड़ पर एक बेकाबू हाइड्रा क्रेन ने पिंकी को पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में उसे गंभीर चोटें आईं और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। हादसे के बाद क्रेन चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हाइड्रा क्रेन को अपने कब्जे में ले लिया। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और फरार चालक की तलाश जारी है।

विद्युत कर्मियों को सुरक्षा किट बांटी

नोएडा। विद्युत निगम द्वारा रविवार से बिजली उपकेंद्रों पर सुरक्षा किट का वितरण शुरू किया गया। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता प्रथम विवेक पटेल ने सुरक्षा किट का वितरण का शुभारंभ किया गया। ताकि विद्युत कर्मी सुरक्षा के साथ काम कर सके। विद्युत निगम के अधीक्षण अभियंता प्रथम विवेक पटेल ने बताया कि जिले में 33/11 केवीए के 106 बिजली उपकेंद्र है। इन बिजली उपकेंद्र पर 318 कुशल श्रमिक है। इन सभी कुशल श्रमिकों को सुरक्षा किट का वितरण किया जा रहा है। रविवार से सेक्टर-18, 64, 67 और सेक्टर-16 में सुरक्षा किट का विरतण किया गया है। उन्होंने बताया कि अगले कुछ दिनों में सभी बिजली उपकेंद्रों में सभी कुशल श्रमिकों को सुरक्षा किट दी जाएगी।ताकि बिजली लाइन पर कार्य करते समय सुरक्षा किट का प्रयोग किया जा सके। सुरक्षा टिक में जैकेट, अर्थ चेन, बेल्ट समेत अन्य उपकरण शामिल है। सुरक्षा किट की मदद से काम करते समय दुर्घटनाओं से भी बचा जा सकेगा।

सुविधाओं की मांग को लेकर लोगों ने प्रदर्शन किया

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित एम्स ग्रीन एवेन्यू सोसाइटी में लोगों ने मूलभूत सुविधाएं न मिलने पर रविवार को प्रदर्शन किया। लोगों का आरोप है कि सोसाइटी में बिल्डर प्रबंधन द्वारा रखरखाव में लापरवाही बरती जा रही है, जिससे निवासी अधिक परेशान है। सोसाइटी में रहने वाले जीपी शुक्ला और विशाल ने बताया कि सोसाइटी में करीब 500 परिवार रहते हैं, जिनकी सुविधाओं में कटौती की जा रही है। बेसमेंट में वर्षों से पानी जमा है, जिससे पिलर कमजोर हो गए हैं और इमारत की संरचना को भारी नुकसान पहुंच रहा है। किसी भी समय कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है।सोसाइटी में लिफ्ट का संचालन ठीक से नहीं होता है। आए दिन लिफ्ट खराब हो जाती है, जिसमें लोग फंस जाते हैं। साथ ही, लिफ्ट खराब होने पर लोगों को सीडी का सहारा लेना पड़ता है, जिससे बुजुर्ग, बच्चे और बीमार लोगों को परेशानी होती हैं। सोसाइटी के परिसर व टावरों में कई बार कोई सुरक्षा गार्ड नहीं होते है, केवल आवारा कुत्ते हर टावर की मंजिल पर दिखते हैं।

फ्लैट मालिकों को मिले नोटिस के बाद सांसद को ज्ञापन सौंपा

नोएडा। झुग्गी-झोपड़ी सेवा उत्थान समिति के पदाधिकारियों ने रविवार को स्थानीय सांसद डा महेश शर्मा से मुलाकात कर उन्हें अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन सौंपा। समिति के पदाधिकारियों का कहना था कि प्राधिकरण के द्धारा 6 सौ से अधिक फ्लैट मालिकों के निरस्तीकरण के नोटिस दे दिए गये हैं। यहां पर जो फ्लैट बने हैं उनमें सीलन की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। अन्य लोगों ने फार्म भर रखे हैं, लेकिन उन्हें पिछले लंबे समय से आवंटन नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि वह अपनी मांगों को लेकर 12 अगस्त को प्रदर्शन भी करेंगे।सांसद डा महेश शर्मा ने उनकी समस्याओं को सुनने के बाद आश्वासन देते हुए कहा कि वह इस संबंध में नोएडा प्राधिकरण के सीईओ से वार्ता करेंगे और प्रदेश शासन के सामने भी उनके मामले को रखकर समाधान कराया जाएगा। इस दौरान उदय सिंह, आईबी सिंह, सतेन्द्र सुमन, राजू राणा, सूरज सिंह, अखिलेश, ममता, ज्ञानी देवी, अनिल कुमार, संजीत कुमार, एम.दीक्षित आदि उपस्थित रहे।

सेक्टर-46 और 99 के बीच सड़क बनाने का काम तेज

नोएडा। सेक्टर-46 और 99 के बीच सीधी 45 मीटर सड़क बनाने के लिए प्राधिकरण ने काम तेज कर दिया है। प्राधिकरण के अधिकारियों का दावा है कि यहां पर लगातार काम चलेगा। अगले 15 दिनों में सड़क के निर्माण को पूरा करा लिया जाएगा। अतिक्रमण के चलते पिछले लंबे समय से इस सड़क का निर्माण रूका हुआ था। दो दिन पहले ही प्राधिकरण ने यहां से अतिक्रमण हटवाया था। इस सड़क के बीच में कई वर्षों से सेक्टर-100 वोडा महादेव मंदिर के पास कुछ स्थायी व अस्थायी दुकानें व नर्सरी बनी थी। जिसे प्राधिकरण की टीम ने ध्वस्त कर दिया। अब यहां सड़क के निर्माण के लिए काम जारी है।नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार यहां 45 मीटर चौड़ी सड़क बनेगी। यहां पर करीब 65 मीटर की सड़क जमीन न मिलने के चलते अधूरी पड़ी हुई थी। अभी सेक्टर-49 के चौराहे से जाने वाला और सेक्टर-48 व 46 का ट्रैफिक वोडा महादेव मंदिर के पास से बाएं मुड़कर प्रतीक एडिफिस सोसाइटी के सामने सेक्टर-100 ट्रैफिक सिग्नल और आगे फिर हाजीपुर चौराहा ट्रैफिक सिग्नल होकर निकलता है।

4 मंजिला बिल्डिंग की सीढ़ी गिरी

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके में आज रविवार तड़के एक चार मंजिला बिल्डिंग की सीढ़ियां धड़ाम हो गई। तीन दिन पहले गाजियाबाद में भारी बारिश के चलते क्रॉसिंग एरिया में 30 से 40 फीट गहराई तक मिट्टी भी धंस गई थी। आज हुए हादसे में कोई घायल नहीं हुआ है, लेकिन कई परिवारों के लोग अपने-अपने फ्लैट में फंस गए हैं। यह बिल्डिंग आवास विकास द्वारा करीब ढाई दशक पहले बनाई गई थी। गाजियाबाद के वसुंधरा इलाके में आवास विकास की एक सोसाइटी की यह घटना है। आवास विकास परिषद की गाजियाबाद के सेक्टर 17 स्थित ग्रीन व्यू अपार्टमेंट है ? आज सुबह टावर में चढ़ने के लिए बनी सीढ़ियां अचानक गिर गई। गनीमत रही कि हादसा सुबह 4: 30 बजे के आसपास हुआ। उस समय कोई सीढ़ियों का उपयोग नहीं कर रहा था, नहीं तो बड़ा हादसा भी पेश आ सकता था। सुबह के वक्त अधिकांश परिवार अपने फ्लैट में थे। इस अपार्टमेंट में बनी सीढ़ियां पूरी तरह से जमीदोज हो गईं, सीढ़ियां गिरने के कारण 2 टावर में रहने वाले लोग अपने-अपने फ्लैट में फंस कर रह गए। इसके बाद वह सुबह से अपने फ्लैट से बाहर नहीं निकाल पाए हैं। इस चार मंजिला अपार्टमेंट में कोई लिफ्ट का प्रबंध नहीं है।

पुलिस ने वाहन चोर गिरोह को पकड़ा

लोनी। गाजियाबाद की थाना साहिबाबाद पुलिस ने वाहन चोरी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। चेकिंग के दौरान 2 शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार किया है। एक बाल अपचारी को हिरासत में लिया गया है। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चोरी के 9 वाहन बरामद किया है। इसमें 6 मोटरसाइकिल और 3 स्कूटी हैं। पुलिस के अनुसार भडाना कट के पास चेकिंग की जा रही थी। तभी इन आरोपियों की गिरफ्तारी की गई है। पकड़े गए आरोपियों में विवेक (21) और कार्तिक पोनिया (19) को गिरफ्तार किया गया है। दोनों आरोपी साहिबाबाद इलाके के रहने वाले है। पूछताछ में इनकी निशानदेही पर रेलवे ट्रैक के पास झाड़ियों से और वाहन बरामद किए गए। पुलिस के मुताबिक पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर में वाहन चोरी की घटनाओं को अंजाम देता था। तीनों आरोपी आर्थिक लाभ और शौक पूरे करने के लिए वाहन चोरी करते थे। नंबर प्लेट बदल कर वाहनों को गांव देहात में बेच दिया करते थे। पुलिस के अनुसार अब तक यह गिरोह 40 से अधिक वाहन चोरी कर चुका है। गिरफ्तार अभियुक्तों के खिलाफ साहिबाबाद और दिल्ली में पहले से ही कुल 9-9 मुकदमे दर्ज हैं।

नोएडा में कार से टकराई बाइक : युवक की मौत

अचानक ब्रेक लगने से हुआ हादसा

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा में एक सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवक की मौत हो गई।

थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत बुलंदशहर के ककोड़ निवासी विवेक कुमार अपनी मोटरसाइकिल से शशि चौक की तरफ जा रहे थे।

गोल्फ कोर्स मेट्रो स्टेशन के नीचे एक अज्ञात वैगनआर कार चालक ने अचानक ब्रेक लगा दिया। इस कारण पीछे से आ रही विवेक की मोटरसाइकिल (यूपी 16 ईएफ 2466) कार से टकरा गई। घायल विवेक को तुरंत उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। लेकिन उपचार के दौरान उनकी मृत्यु हो गई। पुलिस ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस अब इस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है। हादसे के संबंध में अधिक जानकारी जुटाई जा रही है।

शादी के 4 महीने बाद युवक ने दी जान

नोएडा में पति गया था कांवड़ में, पत्नी दूसरे के साथ गई; गम में की खुदकुशी

गौतम बुद्ध नगर। नोएडा के सेक्टर 45 में एक युवक ने पत्नी के घर छोड़कर जाने के कारण फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक की पहचान अंकित के रूप में हुई है। उसकी शादी केवल चार महीने पहले हुई थी।

अंकित कांवड़ यात्रा पर गया था। इसी दौरान उसे सूचना मिली कि उसकी पत्नी किसी अन्य युवक के साथ चली गई है। परिजनों के मुताबिक, यह जानकारी मिलते ही अंकित कावड़ यात्रा बीच में छोड़कर घर लौट आया। वह मानसिक रूप से परेशान हो गया।

परेशान होकर उसने आत्महत्या कर ली। आत्महत्या से पहले अंकित ने एक वीडियो रिकॉर्ड किया था। वीडियो में वह कहता दिखाई दे रहा है, अब बहुत हुआ, अब आखिरी बार बाय। वीडियो में अंकित परेशान दिख रहा था। उसकी आंखों में आंसू भी थे। वीडियो बनाने के बाद उसने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। घटना के बाद उसके परिजनों ने विरोध-प्रदर्शन किया। उन्होंने जस्टिस फॉर अंकित के नारे लगाए। परिजनों ने अंकित की पत्नी, सास, ससुर और एक अज्ञात युवक के खिलाफ थाना सेक्टर-39 में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 29 जुलाई को शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया।

एक को गिरफ्तार कर मामले की जांच कर रही पुलिस

नोएडा पुलिस के मीडिया सेल के अनुसार, जांच के दौरान आरोपी कृष को 1 अगस्त को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। पुलिस ने यह भी बताया कि कुछ आरोप असत्य और निराधार पाए गए हैं। मामले की जांच अभी चल रही है।

नोएडा में 35 लाख की ठगी, अस्पताल निर्माण की सामग्री नहीं भेजी

फरवरी में किया था भुगतान

नोएडा। गाजियाबाद के एक अस्पताल के निदेशक ने भवन निर्माण सामग्री की आपूर्ति करने वाले के खिलाफ फेज-वन थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। निदेशक का आरोप है कि आपूर्तिकर्ता ने उनसे 35 लाख रुपए लेने के बाद भी भवन निर्माण सामग्री छह माह बाद भी नहीं भेजी। आरोपियों ने रुपए भी वापस नहीं किए।

सेक्टर-15ए में रहने वाले डॉक्टर आदित्य अरोड़ा ने पुलिस को बताया कि वह कस्तूरा मेडिकोज लिमिटेड के निदेशक हैं और स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में कार्यरत हैं। उन्होंने हाल ही में

गाजियाबाद स्थित एवी अस्पताल का अधिग्रहण किया।

वह इस अस्पताल का नवीनीकरण कराना चाह रहे थे। इसके लिए बड़ी मात्रा में भवन निर्माण सामग्री की आवश्यकता थी। उनके सहयोगी दीपक और उत्सव ने उन्हें मैसर्स शुभम सीमेंट एजेंसी सूरजपुर ग्रेटर नोएडा के बारे में बताया और सप्लायर चंद्र बोस का मोबाइल नंबर दिया।

100 प्रतिशत किया एडवांस भुगतान

दीपक और उत्सव ने उनकी तरफ से चंद्र बोस से संपर्क किया और अस्पताल के नवीनीकरण में प्रयुक्त होने वाली सामग्री का विवरण दिया। चंद्र बोस ने कहा कि निर्माण सामग्री के100 प्रतिशत एडवांस भुगतान पर ही वह सात से 10 दिनों के बीच सामग्री भेजेगा।

उन्होंने बताया कि निर्माण सामग्री के लिए उन्होंने 34,99,251 रुपये का प्रोफार्मा चालान जारी किया। इसके लिए उन्होंने अपने बैंक से लोन भी लिया। इस रकम को उन्होंने शुभम एजेंसी के खाते में ट्रांसफर कर दिया।

पैसे वापस करने से किया मना

उन्होंने चंद्र बोस से संपर्क किया तो उसने बताया कि सामग्री खरीदने में अधिक समय लग रहा है और जैसे ही यह खरीद ली जाएगी। वह जल्द ही इसकी आपूर्ति कर देगा। इसके बाद वह उन्हें किसी न किसी बहाने से टालता रहा।

काफी समय बीतने के बाद भी चंद्र बोस ने निर्माण कार्य में प्रयुक्त होने वाली सामग्री की आपूर्ति नहीं की। उन्होंने निर्माण सामग्री की एवज में दिए गए अपने 35 लाख रुपए वापस मांगे तो उसने पैसे लौटाने से साफ इनकार कर दिया।

ग्रेटर नोएडा में 4 दिन से लापता युवती मिली

जेवर। ग्रेटर नोएडा के रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में एक 20 वर्षीय युवती को पुलिस ने सकुशल बरामद कर लिया है।

युवती चार दिन पहले अपने घर से लापता हो गई थी। परिवार के अनुसार, युवती ने अपने परिजनों के खाने में नशीला पदार्थ मिलाकर उन्हें बेहोश किया और फिर घर से फरार हो गई। काफी खोजबीन के बाद भी जब उसका कोई पता नहीं चला, तो परिजनों ने रबूपुरा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। परिवार ने एक किरायेदार युवक पर युवती को बहला-फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाया था।

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए रविवार को युवती को सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस के अनुसार, दस्तावेजों की जांच से पता चला है कि युवती बालिग है।

बरामदगी के बाद युवती ने अपने परिवार के साथ जाने से इनकार कर दिया। उसकी इच्छा के अनुसार पुलिस ने उसे उसकी बड़ी बहन के साथ भेज दिया है।

औद्योगिक सेक्टर में जमीन आवंटन की दिक्कत दूर होगी

ग्रेटर नोएडा। नए औद्योगिक सेक्टर इकोटेक-16 में कंपनियों को जमीन आवंटित करने और सड़क निर्माण में आ रही दिक्कतें जल्द दूर होंगी। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने अनिवार्य अधिग्रहण के तहत बाकी बची जमीन लेने की प्रक्रिया शुरू की है। जमीन अधिग्रहन के बाद सेक्टर के चारों तरफ 60 और 80 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण, पेयजल पाइप लाइन और विद्युत उपकेंद्र बनाए सहित अन्य जरूरी कार्य किए जाएंगे। प्राधिकरण के अधिसूचित क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सुनपुरा, खेड़ी और धूममानिकपुर गांव की लगभग 112 एकड़ में जमीन पर सेक्टर इकोटेक-16 विकसित किया जा रहा है।इसमें सुनपुरा गांव की 20.48 हेक्टेयर, खेड़ी गांव की 6.9 हेक्टेयर व धूममानिकपुर गांव की 18.05 हेक्टेयर जमीन शामिल है। इस सेक्टर के कुल 7 भूखंडों में से 25-25 एकड़ के दो भूखंड अवाडा कंपनी को आवंटित किए जा चुके हैं। सेक्टर की पूरी जमीन अब तक अधिग्रहीत नहीं की जा सकी है। बाजार दर के मुकाबले मुआवजा दर काफी कम होने की वजह से किसान जमीन देने के लिए तैयार नहीं हैं। ऐसे में सड़क, बिजली और पेयजल पाइप लाइन जैसी जरूरी मूलभूत सुविधाओं से जुड़े काम शुरू करने में दिक्कत आ रही है। इस समस्या को दूर करने के लिए प्राधिकरण शेष जमीन का अनिवार्य अधिग्रहण करेगा। प्राधिकरण के अधिकारी के मुताबिक सेक्टर की शेष बची जमीन अधिग्रहित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके लिए अनिवार्य अधिग्रहण का सहारा लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि अब तक 38.1053 हेक्टेयर जमीन प्रभावित किसानों से सहमति के आधार पर खरीदी जा चुकी है। सड़क के हिस्से की जमीन प्राधिकरण के कब्जे में न होने की वजह से सड़क का काम शुरू नहीं हो पा रहा है।

तीन हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी अवाडा बीते महीने प्रदेश के पूर्व मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह ने सेक्टर का दौरा कर स्थिति का जायजा लिया था। सड़क का निर्माण करने के निर्देश दिए थे। इस सेक्टर में सोलर कंपनी अवाडा को 50 एकड़ जमीन आवंटित की गई है। सोलर कंपनी अवाडा इकोटेक- 16 में 3000 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। इससे प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रूप से 5000 लोगों को रोजगार मिलेगा। कंपनी यहां सोलर पैनल और इससे संबंधित अन्य उपकरणों का निर्माण करेगी। इससे हरित ऊर्जा क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा।

उत्कृष्टता केंद्र और अनुसंधान पर जोर- अवाडा कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई परियोजना रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी उत्कृष्टता केंद्र और अनुसंधान पर जोर देगी।

इकोविलेज-वन सोसाइटी में पेयजल संकट बरकरार

आए दिन जलापूर्ति प्रभावित होने से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित सुपरटेक इकोविलेज- वन सोसाइटी में रविवार को दूसरे दिन भी पेयजल आपूर्ति की समस्या बरकरार रही। ऐसे में लोगों की मुसीबत बढ़ गई है। बाजार से दोगुने दाम पर पानी की बोतल खरीदने के साथ टैंकर से बाल्टी में पानी भरकर ले जाने को मजबूर हैं। नाराज लोगों ने सोसाइटी परिसर में एकत्रित होकर आईआरपी के खिलाफ प्रदर्शन किया। मुख्य गेट पर नारेबाजी करते हुए मेंटेनेंस एजेंसी को हटाने की मांग की। सुपरटेक इकाविलेज-1 सोसाइटी के 50 टावर में 6500 परिवार रहते हैं। आंतरिक ढांचागत व्यवस्था में कमी होने के चलते यहां रहने वाले लोगों को आए दिन बिजली व पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को लेकर परेशानी का सामना करना पड़ता है।

सोसाइटी में रहने वाले लोगों के मुताबिक शुक्रवार रात से पेयजल की समस्या बनी हुई है। रविवार को भी इस समस्या का सामना करना पड़ा। टैंकर से भूमिगत जलाशय (यूजीआर) को भरा गया, लेकिन उससे पानी की किल्लत दूर नहीं हुई। प्रदर्शन कर रहे लोगों में आईआरपी को लेकर गुस्सा था और उन्होंने आईआरपी पर अनेक आरोप भी लगाये। बाल्टी में पानी भरकर ले जाना पड़ा- भूमिगत जलाशय से जलापूर्ति न होने पर टैंकर मंगवाना पड़ रहा है। बाल्टी में पानी भरकर लोग कई मंजिल पर ले जाने को मजबूर हैं। इससे परेशान होकर लोग रविवार को सोसाइटी परिसर में एकत्रित हुए और मेंटेनेंस एजेंसी के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। लोगों ने बिल्डर प्रबंधन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए रैली निकाली और मुख्य दरवाजे पर आकर विरोध प्रदर्शन किया। मेंटेनेंस एजेंसी को बदलने की मांग की है। नाराज लोगों ने गेट बंद किया - शनिवार रात को पेयजल की आपूर्ति नहीं होने पर नाराज लोगों ने गेट नंबर-1 बंद कर दिया, जिससे सोसाइटी में आना-जाना बंद हो गया। दोगुने दाम पर मिल रही पानी की बोतल - सोसाइटी में लोगों का आरोप है कि रविवार दोपहर का सोसाइटी में बिल्डर प्रबंधन द्वारा कोई भी टैंकर नहीं मांगे गए,, जिससे लोग परेशान हो गए। वहीं, छुट्टी के दिन होने के कारण पानी की खपत अधिक होती है। ऐसे में लोगों को कई दिक्कतों का सामना करना पड़ा। लोग पानी की बोतल भी बाजार से बना रहे हैं। जो कि उन्हें दिखने रेट पर मिल रही है ऐसे उन पर आर्थिक भोज बोझ भी अधिक पढ़ रहा है। क्या बोले लोग- सोसाइटी में पानी की समस्या को लेकर लगातार शिकायत की जा रही है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। ऐसे में लोग आसपास की सोसाइटी में रहने वाले रिश्तेदारों और परिचितों के पास जाकर रहने को मजबूर हैं।

सुमित गुप्ता, निवासी पानी की समस्या को दो दिन हो गए हैं। रोजाना तीन सौ रुपये का पानी बाजार से खरीद रहे हैं, लेकिन प्राधिकरण और बिल्डर दोनों ही लोगों की समस्या सुनने को तैयार नहीं है। संजय शर्मा, निवासी सोसाइटी में व्याप्त पेयजल की समस्या के संबंध में बात करने के लिए मेंटेनेंस एजेंसी के हेड मन्नू त्यागी से संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया।

नाबालिग से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार : बनाया अश्लील वीडियो, घर में घुसकर की वारदात

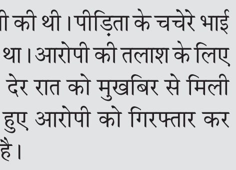

मोदीनगर। मुरादनगर थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की के साथ रेप के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी पीड़िता का पड़ोसी है, जिसने उसके घर में घुसकर रेप किया था। एसीपी मसूरी ने बताया कि आरोपी ने पीड़िता का अश्लील वीडियो भी बनाया था। विरोध करने पर उसने पीड़िता के साथ मारपीट भी की थी। पीड़िता के चचेरे भाई की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। आरोपी की तलाश के लिए पुलिस ने एक विशेष टीम का गठन किया था। देर रात को मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है।

चोरी की बाइक के साथ बदमाश गिरफ्तार

नोएडा। दो पहिया वाहनों की चोरी करने वाले बदमाश को सेक्टर-58 थाने की पुलिस ने रविवार को सेक्टर-62 के पास से गिरफ्तार किया। उसके पास से चोरी की बाइक और चाकू बरामद हुआ है। बरामद बाइक आरोपी ने बीते सप्ताह सेक्टर-14 से चोरी की थी। बदमाश की पहचान शाहजहांपुर के जैतीपुर निवासी शिवा सिंह के रूप में हुई है। पुलिस 21 वर्षीय शिवा का आपराधिक इतिहास पता कर रही है। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि चोरी का विरोध करने पर लोगों को डराने के लिए वह अपने पास चाकू रखता है। शिवा के अन्य साथियों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

बारिश ने खोली नगर निकायों की पोल : सड़कों पर भरा पानी, निकासी व्यवस्था ध्वस्त

तेज हवाओं के साथ हुई झमाझम बारिश से लोगों को गर्मी से राहत

पीलीभीत। रविवार को सुबह से ही मौसम सुहावना बना रहा। आसमान में छाए बादलों और हल्की ठंडी हवाओं ने लोगों को उमस भरे मौसम से कुछ राहत दी।

लेकिन दोपहर बाद अचानक तेज हवाएं चलने लगीं और देखते ही देखते मूसलाधार बारिश शुरू हो गई। करीब एक घंटे तक हुई तेज बारिश ने नगर पालिका और नगर पंचायत की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी। शहर की प्रमुख सड़कों, गलियों और कॉलोनियों में पानी भर गया, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। बारिश के बाद शहर की कई प्रमुख सड़कों पर पानी जमा हो गया। स्टेशन रोड, पुराना बस स्टैंड, मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, लोहा मंडी, नई बस्ती, रेलवे कॉलोनी, इंद्रा कॉलोनी, सुभाष नगर समेत अनेक क्षेत्रों में सड़कों पर जलभराव हो गया। कई जगह नालियों का गंदा पानी सड़कों पर बहता नजर आया।

मोहल्लों की गलियों में तो हालात और भी खराब रहे, जहां पानी भरने से लोगों का घर से निकलना मुश्किल हो गया।

स्थानीय नागरिकों ने पानी भरने के दृश्य अपने मोबाइल से रिकॉर्ड कर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इनमें से कई वीडियो और तस्वीरों में जलमग्न सड़कें, भरे हुए चौराहे और गली-मोहल्लों की नारकीय स्थिति स्पष्ट देखी जा सकती है।

लोगों ने नाराजगी जताते हुए नगर पालिका प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया।

निकासी व्यवस्था हुई फेल, नालों की सफाई केवल कागज़ों पर

बारिश के बाद यह साफ हो गया कि नगर निकायों द्वारा नालियों की सफाई के जो दावे किए जाते हैं, वे ज़मीनी स्तर पर बेमानी साबित हो रहे हैं। अधिकांश जगह नालों की निकासी व्यवस्था पूरी तरह फेल नजर आई। पानी निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण नालों का पानी सड़कों पर बहता रहा और सड़कों ने तालाब का रूप ले लिया।नगर पंचायत पकड़िया नौगांव में हालात और भी गंभीर नगर पंचायत पकड़िया नौगांव में थोड़ी देर की बारिश ने ही बड़ी समस्या खड़ी कर दी। मेन रोड से लेकर प्राथमिक विद्यालय संख्या 2 तक पानी भर गया। इसके आगे बनी पुलिया के आसपास भी जलभराव हो गया जिससे आवागमन में दिक्कत आई।

स्थानीय लोगों के अनुसार बस्ती के बीचों-बीच एक विशाल तालाब था, जिसकी लंबाई लगभग एक किलोमीटर थी। इस तालाब को पाटकर नगर पंचायत ने वहां एक नाला तो बना दिया लेकिन उसका निकास नहीं बनाया गया। नतीजतन आज बारिश का सारा पानी वहीं जमा हो गया और पूरी नगर पंचायत में पानी ही पानी फैल गया। कई मोहल्लों में पानी घरों के अंदर तक घुसने लगा, जिससे लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

जनता में नाराजगी, नगर निकायों पर उठे सवाल

नगर निकायों की इस लापरवाही से जनता में जबरदस्त नाराजगी देखने को मिली। लोगों ने नगर पालिका और पंचायत प्रशासन से सवाल पूछे हैं कि जब हर साल बारिश आती है, तो उसके पूर्व नालियों की सफाई और जल निकासी की मुकम्मल व्यवस्था क्यों नहीं की जाती?

पूरे मामले में नगर पालिका और पंचायत के किसी भी अधिकारी या प्रतिनिधि द्वारा न तो मौके का निरीक्षण किया गया और न ही कोई तत्काल राहत व्यवस्था की गई। इससे लोगों में और भी आक्रोश फैल गया है। नागरिकों ने मांग की है कि नगर निकायों के खिलाफ जांच होनी चाहिए और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई की जाए।

रविवार की बारिश ने एक बार फिर यह साबित कर दिया कि नगर निकायों की व्यवस्थाएं कितनी कमजोर हैं। यदि थोड़ी सी बारिश में शहर डूब सकता है, तो गंभीर आपदा की स्थिति में प्रशासनिक तैयारियों पर भरोसा करना मुश्किल है। समय रहते यदि नगर निकायों ने अपनी कार्यप्रणाली में बदलाव नहीं किया, तो जनता का विश्वास टूटना तय है।

ट्रांसफर का तमाशा : 15 दिन में लाइनमैन की वापसी

नियमों की उड़ी धज्जियां,बना चर्चा का विषय

विशाल इण्डिया पूनम तिवारी

अम्बेडकर नगर। अकबरपुर डिवीजन में तैनात लाइनमैन दुर्गेश पांडे और शिवराज वर्मा के ट्रांसफर का मामला एक बार फिर सुर्खियों में है। हाल ही में दोनों का तबादला अमेठी जिले में हुआ था, लेकिन चौंकाने वाली बात यह है कि महज 15 दिन बाद ही दोनों वापस अकबरपुर लौट आए। सूत्रों का दावा है कि यह रिवर्स ट्रांसफर पैसे और रसूख के दम पर हुआ, जिसमें कागजी कार्रवाई महज दिखावा साबित हुई।स्थानीय लोगों के बीच चर्चा है कि लछमिनिया गैंग का बोलबाला इस खेल के पीछे है। एक स्थानीय निवासी ने तंज कसते हुए कहा, यहां ट्रांसफर नियमों से नहीं, जेब से होते हैं। यह घटना विभागीय पारदर्शिता और ईमानदारी पर सवाल खड़े करती है। आखिर जब ट्रांसफर आदेश सिर्फ औपचारिकता बनकर रह जाएं, तो व्यवस्था का क्या हाल होगा? सवाल उठता है कि क्या विभाग इस मामले की जांच करेगा, या यह भी फाइलों में दबकर रह जाएगा?

तीन माह बाद भी नहीं शुरू हुई दियोरिया सीएचसी में इमरजेंसी सेवा, केंद्रीय मंत्री के पत्र की उड़ रही धज्जियां

दियोरिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र की दुर्दशा का आलम यह है कि तीन महीने पहले केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद के संज्ञान में लाए जाने के बावजूद आज तक इमरजेंसी सेवाएं शुरू नहीं हो सकीं। यह स्वास्थ्य केंद्र न केवल डॉक्टरों की कमी से जूझ रहा है, बल्कि यहां करोड़ों की लागत से तैयार भवन भी बिना उपयोग के बर्बाद हो रहा है। मामला 25 अप्रैल 2025 का है, जब केंद्रीय मंत्री जितिन प्रसाद पीलीभीत दौरे पर आए थे। इस दौरान ग्राम खरदाई निवासी प्रशांत मिश्रा ने दियोरिया सीएचसी में इमरजेंसी सेवा शुरू करने और स्टाफ की तैनाती की मांग करते हुए मंत्री को ज्ञापन सौंपा था। केंद्रीय मंत्री ने तुरंत ही संज्ञान लेते हुए सीएमओ आलोक कुमार को तलब कर आवश्यक निर्देश भी दिए थे।

इसके बाद 1 मई को मंत्री कार्यालय से पीलीभीत सीएमओ को औपचारिक पत्र भेजकर प्राथमिकता के आधार पर इमरजेंसी सेवा शुरू करने को कहा गया। लेकिन अफसोस कि तीन माह बीतने के बाद भी वह पत्र सरकारी फाइलों में दबा पड़ा है और हालात जस के तस बने हुए हैं। दियोरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को अप्रैल 2023 में स्वास्थ्य विभाग को हस्तांतरित किया गया था। लेकिन तब से लेकर आज तक यहां एक भी एमबीबीएस डॉक्टर की तैनाती नहीं हुई है। ओपीडी में इलाज फार्मासिस्ट व हेल्थ वर्करों के भरोसे ही हो रहा है, जिससे गंभीर मरीजों की सही जांच और इलाज नहीं हो पा रहा। इससे इमरजेंसी मामलों में मरीजों को मजबूरी में 30 किलोमीटर दूर जिला अस्पताल रेफर करना पड़ता है। खास बात यह है कि यह स्वास्थ्य केंद्र दियोरिया कोतवाली से महज 200 मीटर की दूरी पर स्थित है, लेकिन इसके बावजूद यहां कोई भी इमरजेंसी सुविधा मौजूद नहीं है। क्षेत्र के सैकड़ों गांवों की आबादी इस अस्पताल पर निर्भर है, लेकिन डॉक्टरों की अनुपस्थिति के चलते ग्रामीणों को निजी अस्पतालों का सहारा लेना पड़ रहा है। यह न सिर्फ आर्थिक शोषण है, बल्कि समय पर इलाज न मिल पाने से जान का जोखिम भी है।

जन कल्याण सुरक्षा संघ की मासिक बैठक सम्पन्न

संगठन को मजबूत करने पर दिया गया जोर

पीलीभीत। जन कल्याण सुरक्षा संघ (जे.के.एस.एस.) की मासिक बैठक रविवार को सनराइज कॉलोनी, निकट बैनर कॉलेज, पीलीभीत में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्मपाल सिंह ने की, जबकि संचालन जिला कार्यकारिणी सदस्य राजीव कुमार कश्यप द्वारा किया गया। बैठक में संगठन की गतिविधियों को विस्तार देने तथा आम जन के साथ मजबूत जुड़ाव कायम करने की रणनीति पर विचार-विमर्श हुआ।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ब्रह्मपाल सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि जन कल्याण सुरक्षा संघ का उद्देश्य गरीब, बेरोजगार, महिलाओं एवं युवाओं को 25-25 सदस्यों के समूह बनाकर रोजगार उपलब्ध कराना है। इससे न केवल उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ होगी, बल्कि वे आत्मनिर्भर भी बन सकेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि संगठन पूरी तरह से गैर-राजनीतिक है और केवल आमजन की सेवा के उद्देश्य से कार्य कर रहा है।राष्ट्रीय महासचिव श्रीपाल सिंह ने संगठन को ग्राम, ब्लॉक, तहसील और शहरी स्तर तक मजबूती देने पर जोर देते हुए कहा कि पदाधिकारी न केवल संगठन को विस्तार दें, बल्कि सरकारी योजनाओं से वंचित लोगों को लाभ दिलाने और शोषितों को न्याय दिलाने का कार्य भी करें।बैठक में जिला अध्यक्ष (महिला) लक्ष्मी सक्सेना ने कहा कि संगठन महिलाओं की सुरक्षा और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए निरंतर संघर्षरत है। तहसील अध्यक्ष अमरिया सोम प्रकाश ने आश्वासन दिया कि वे अधिक से अधिक लोगों को संगठन से जोड़ने का प्रयास करेंगे और उनकी समस्याओं का समाधान कराएंगे।ब्लॉक अध्यक्ष महिला बरखेड़ा पूनम देवी ने कहा कि वह क्षेत्र की समस्याओं के निराकरण हेतु सतत संघर्ष करेंगी। अन्य वक्ताओं में मंडल अध्यक्ष महिला विमला देवी, जिला संगठन मंत्री महिला रामगुनी पाल, एडवोकेट अवनीश कुमार, तहसील अध्यक्ष कलीनगर बृजेश सिंह, तहसील सचिव कलीनगर रीत राम व भूप राम पासवान, ब्लॉक उपाध्यक्ष ललौरीखेड़ा नन्द राम वर्मा, नगर सचिव महिला सुषमा, प्रेमलता जायसवाल, बेबी मौर्य, सोम प्रकाश, रुखसार, परवीन, अरविंद शर्मा, ग्राम अध्यक्ष सहास जयवीर सिंह, ग्राम अध्यक्ष महिला दहगला अंजलि, सदस्य होरी लाल वर्मा एवं कार्यालय प्रभारी अरविंद कुमार उपस्थित रहे।

बैठक का समापन संगठन को गांव-गांव तक मजबूत बनाने और समाज के हर वर्ग की भागीदारी सुनिश्चित करने के संकल्प के साथ किया गया।

जिलाधिकारी अमनदीप डुली ने 'व्यापार पत्रिका' के विशेषांक का किया विमोचन

ललितपुर। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रतिनिधिमंडल ने नवनियुक्त जिलाधिकारी अमनदीप डुली से शिष्टाचार भेंट कर उनका स्वागत किया तथा व्यापार मंडल द्वारा प्रकाशित व्यापार पत्रिका के वित्तीय वर्ष विशेषांक का भव्य विमोचन उनके कर-कमलों से कराया। इस अवसर पर मंडल के जिलाध्यक्ष सुमित अग्रवाल ने बताया कि व्यापार पत्रिका उत्तर प्रदेश के समस्त जनपदों की व्यापारिक गतिविधियों को समाहित करती है और व्यापारियों को नियमित रूप से व्यापार व उद्योग की महत्वपूर्ण जानकारी उपलब्ध कराती है। यह पत्रिका अब प्रदेश व्यापारी जगत का दर्पण बन चुकी है।जिलाधिकारी ने व्यापार मंडल के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि जिले में व्यापार, उद्योग एवं रोजगार को बढ़ावा देने के लिए प्रशासन तत्पर है। व्यापार से जुड़ी किसी भी समस्या को लेकर व्यापारीगण कभी भी सीधे संपर्क कर समाधान प्राप्त कर सकते हैं। इस अवसर पर अध्यक्ष सुमित अग्रवाल, दीपक जैन, आरिफ पठान, ब्रजेश ताम्रकार, पप्पु करीम राइन, ओम ताम्रकार, मो. इब्राहिम, देवेंद्र ठाकुर, इदरीश राईन, आशीष कब्यांजलि, अमित अग्रवाल सहित कई व्यापारीगण उपस्थित रहे।

शार्ट न्यूज

हत्या प्रयास में वांछित आरोपी गिरफ्तार

ललितपुर। महरौनी पुलिस ने हत्या प्रयास में वांछित अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक हंसिया बरामद किया। पुलिस अधीक्षक मो0 मुश्ताक के निर्देशन में अपर पुलिस अधीक्षक कालू सिंह व क्षेत्राधिकारी महरौनी, आशीष मिश्र के निकट पर्यवेक्षण में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम में थाना महरौनी पुलिस द्वारा थाना महरौनी पर पंजीकृत मु0अ0स0- 326/2025, धारा-109/333/352/127(2) बी.एन.एस. में वांछित अभियुक्त- पन्चू उर्फ पंचम पुत्र नन्दराम उम्र करीब 22 वर्ष नि0 ग्राम सैदपुर थाना महरौनी ललितपुर, को करौदा रोड प्रतिक्षालय के पास बहद ग्राम करौंदा थाना महरौनी ललितपुर से गिरफ्तार किया गया ।अभियुक्त पन्चू उपरोक्त के कब्जे से घटना मे प्रयुक्त 01 हसियां को बरामद किया गया ।गिरफ्तार अभियुक्त के विरूद्ध नियमानुसार आवश्यक वैधानिक कार्यवाही करते हुए मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

टीम- 11 का हिस्सा बने राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार

पीलीभीत। मुख्यमंत्री ने बाढ़ ग्रस्त दिनों के लिए बने प्रभारी मंत्रियों की टीम पीलीभीत प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश के बाढ़ ग्रस्त 12 जनपदों में बचाव एवं राहत कार्य के लिए प्रदेश के 12 मंत्रियों की टीम 11 तैयार की हैं। जिसमें गन्ना विकास एवं चीनी मीले राज्य मंत्री संजय सिंह गंगवार को भी शामिल किया गया हैं। श्री गंगवार को जालौन जनपद के प्रभारी मंत्री के साथ ही बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्य पहुंचने के जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। राज्य मंत्री श्री गंगवार ने लखनऊ से फोन पर बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देनुसार वह बाढ़ प्रभावित जनपद जालौन के लिए रवाना हो रहे हैं। जहां बाढ़ से बचाव एवं राहत कार्यों की निगरानी करेंगे और बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में फंसे लोगों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासनिक व्यवस्थाओं की स्थिति का आकलन कर लोगों को राहत कार्य प्रदान करने में अपने दायित्वों का निर्वहन करेंगे। ज्ञात रहे की राज्य मंत्री श्री गंगवार सप्ताह में शनिवार एवं रविवार को अपने जन सहयोग कार्यालय पीलीभीत में जनता दर्शन कार्यक्रमों का आयोजन कर जन समस्याओं को सुनकर उनका निराकरण करने में अपना अहम योगदान देते हैं।

पत्नी की आत्महत्या में पति को भेजा जेल

संभल। संभल पुलिस ने रविवार को दहेज उत्पीड़न के मामले में फरार पति को गिरफ्तार कर लिया। छह दिन पहले दहेज उत्पीड़न से परेशान होकर पत्नी ने आत्महत्या कर ली थी। घटना के बाद पुलिस ने पति, सास-ससुर समेत पांच लोगों पर मामला दर्ज किया था। यह मामला संभल के थाना असमोली क्षेत्र के गांव अकबरपुर गहरा का है। गिरफ्तार आरोपी अमित कुमार की शादी एक साल पहले थाना ऐंचौड़ा कम्बोह क्षेत्र के गांव हसनगढ़ की रहने वाली नेहा से हुई थी। दहेज उत्पीड़न से परेशान होकर नेहा ने आत्महत्या कर ली थी। मृतका के पिता जसपाल की शिकायत पर पुलिस ने पति अमित कुमार, ससुर जयचंद्र, सास कलावती, नंद बबीता और मुमेरा जेठ पिंटू के खिलाफ मामला दर्ज किया। आरोपियों पर बीएनएस की धारा 85, 80(2) और दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 की धारा 3 व 4 के तहत कार्रवाई की गई है।

हाथरस में निकली दक्ष प्रजापति की शोभायात्रा

हाथरस। हाथरस के हसायन कस्बे में रविवार शाम दक्ष प्रजापति की शोभायात्रा निकाली गई। कार्यक्रम में प्रदेश के होमगार्ड एवं नागरिक सुरक्षा मंत्री धर्मवीर प्रजापति मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि समाज को राजनीति में भागीदारी के लिए घर से बाहर निकलना होगा। उन्होंने विशेष रूप से नारी शक्ति की राजनीति में उपस्थिति पर जोर दिया। उन्होंने समाज के उत्थान के लिए युवाओं और महिलाओं को प्रोत्साहित करने की आवश्यकता बताई। मंत्री ने कहा कि इससे न केवल उनकी पहचान बनेगी बल्कि समाज की भी पहचान बनेगी। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने युवाओं से सोशल मीडिया पर ऐसी चैटिंग न करने की प्रतिज्ञा कराई जिससे किसी भी समाज को ठेस पहुंचे। उन्होंने समाज सेवा को एक कठिन कार्य बताते हुए युवाओं के प्रोत्साहन पर जोर दिया।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से महिला की मौत

पीलीभीत। पीलीभीत के सुनगढ़ी थाना क्षेत्र में रविवार शाम आकाशीय बिजली गिरने से खेत में काम कर रही एक महिला की मौत हो गई। ग्राम नवादिया दहगला निवासी चमेली देवी पत्नी मिहीलाल अपने खेतों में काम कर रही थीं। इसी दौरान अचानक मौसम बदला। आसमान में तेज कड़क के साथ बिजली गिरी। बिजली सीधे चमेली देवी के पास आ गिरी। जोरदार धमाके के साथ महिला जमीन पर गिर पड़ीं। उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना के समय आसपास खेतों पर काम कर रहे ग्रामीण तुरंत मौके पर पहुंचे। उन्होंने महिला के परिजनों को सूचना दी। खबर मिलते ही परिजन खेत की ओर दौड़े। वहां पहुंचकर उन्होंने बेहोश पड़ी चमेली देवी को देखा। ग्रामीणों ने इसकी सूचना थाना सुनगढ़ी को दी। सूचना पाकर प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार पांडे पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। उन्होंने मौके का निरीक्षण किया। शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरवाया। फिर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया। पुलिस ने मामले की जानकारी तहसील प्रशासन को भी दी।

कांग्रेस की मासिक बैठक सम्पन्न, संगठन सृजन अभियान को तेज करने पर दिया गया जोर

पीलीभीत। जिला कांग्रेस कार्यालय पर रविवार को जिला कांग्रेस की मासिक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा ने की। बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान की समीक्षा करते हुए इसे तेज गति देने पर विचार किया गया।बैठक में जिला अध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा ने निर्देश देते हुए कहा कि 15 अगस्त तक सभी ब्लॉक अध्यक्षों को अपनी-अपनी कमेटियों का गठन पूर्ण करना होगा, साथ ही मंडल अध्यक्षों को भी अपनी कमेटियां गठित करनी होंगी। उन्होंने कहा कि संगठनात्मक मजबूती के लिए आपसी समन्वय से न्याय पंचायत अध्यक्षों का गठन भी प्राथमिकता से किया जाए। न्याय पंचायत अध्यक्षों को वार्ड और ग्राम अध्यक्षों की नियुक्ति शीघ्र करनी होगी।चब्बा ने कहा कि संगठन सृजन अभियान के पूर्ण होने के उपरांत कांग्रेस बूथ स्तर पर जनसंपर्क कार्यक्रम चलाएगी और पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का व्यापक अभियान प्रारंभ करेगी।इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बैठक में मुनेंद्र पाल सक्सेना, अभिनय गुप्ता गोल्डी, पुष्पा गंगवार, वासुदेव ठाकुर, छात्र कांग्रेस अध्यक्ष राजेश वर्मा, रामनाथ, हरीश कुमार सिंह मौर्य, करनजीत सिंह, गुलाम गौस, नरेश शुक्ला, रवि लोधी, मोहम्मद इरफान, महारानी पाल त्यागी, जीत सरोज, प्रदीप कुमार मौर्य, इश्तियाक अहमद अंसारी, सिद्दीक अहमद उस्मानी, मोहम्मद ताहिर सिद्दीकी, ओमप्रकाश वर्मा, चंद्रपाल वर्मा, कुंवर सेन पासवान, जावेद सलीम, रिजवान मियां, किरणपाल सिंह, मनजीत सिंह, मोहम्मद अजीम, कुलवंत सिंह, गुरमीत सिंह, तरसेम सिंह, नरेंद्र पाल, अभिषेक कुमार, रमाकांत व नसीम जहां सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

इकरा पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज में मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन

15 स्कूलों की 125 छात्राओं ने दिखाया हुनर, सांस्कृतिक चेतना से सराबोर रहा माहौल

पीलीभीत। नगर के इकरा पब्लिक गर्ल्स इंटर कॉलेज में शनिवार को नगर स्तरीय मेहंदी प्रतियोगिता का भव्य आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में नगर के 15 विद्यालयों की 125 छात्राओं ने भाग लिया और पारंपरिक कला के माध्यम से अपनी रचनात्मकता का प्रभावशाली प्रदर्शन किया।कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि जिला पंचायत अध्यक्ष डॉ. दलजीत कौर ने दीप प्रज्वलन कर किया।

उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि मेहंदी न सिर्फ एक कला है, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान का जीवंत प्रतीक है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं छात्राओं के आत्मविश्वास को बढ़ाती हैं और उन्हें अपनी जड़ों से जोड़ती हैं।

प्रतियोगिता दो वर्गों—जूनियर (कक्षा 6 से 8) और सीनियर (कक्षा 9 से 12) में आयोजित हुई। छात्राओं ने हाथों में पारंपरिक व आधुनिक डिजाइनों को उकेरते हुए अपनी प्रतिभा और रचनात्मक सोच का परिचय दिया।

प्रतियोगिता का मूल्यांकन तीन विशेषज्ञों कुमारी राना (प्रवक्ता, अवंतीबाई इंटर कॉलेज), श्रीमती नाज़िया अली (कॉस्ट्यूम डिज़ाइनर, एएमयू), और कुमारी मिदहत एजाज़ (इंटीरियर डिज़ाइनर, एएमयू)—द्वारा किया गया।

सीनियर वर्ग में उम्मम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, मिनाहिल द्वितीय और सारिका तृतीय स्थान पर रहीं।

जूनियर वर्ग में ज़ारा प्रथम, ज़ूबिया द्वितीय और अलीशा तृतीय स्थान पर रहीं।

इसके अतिरिक्त दोनों वर्गों से 5-5 छात्राओं को सांत्वना पुरस्कार भी प्रदान किए गए। सभी पुरस्कार नेशनल स्टेशनर्स, पीलीभीत के सौजन्य से वितरित किए गए।

विद्यालय के प्रधानाचार्य अख़लाक़ हसन खान ने मुख्य अतिथि, निर्णायकों, प्रतिभागियों और आगंतुकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएं छात्राओं के सर्वांगीण विकास में सहायक होती हैं।

इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक इक़बाल हसन खान, अयाज़ अहमद खान, सखावत उल्ला खान, कमाल शम्सी, शबाना, रजनी सक्सेना, महविश, वसीमुद्दीन खान, सीमा, नाज़िर हुसैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक और अभिभावक मौजूद रहे।प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण एवं छात्राओं की खुशी के साथ हुआ, जिससे कार्यक्रम स्मरणीय बन गया।

संक्षिप्त समाचार

चीन में जापानी महिला पर हमला, टोक्यो में दो चीनी नागरिक घायल

सूझोउ, एजेंसी। चीन के सूझोउ शहर में गुरुवार देर रात एक जापानी महिला पर एक व्यक्ति ने पत्थर जैसी वस्तु से हमला कर दिया। महिला को हल्की चोटें आईं, जबकि उसका बच्चा सुरक्षित है। इलाज के बाद महिला को अस्पताल से छुट्टी मिल गई है। जापानी मीडिया के मुताबिक, घटना सबवे स्टेशन में हुई और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। इसी दिन जापान की राजधानी टोक्यो में दो चीनी नागरिकों पर भी हमला हुआ, जिनमें दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। चार हमलावर मौके से फरार हो गए और अब तक उनकी पहचान नहीं हो पाई है। इस घटना के बाद दोनों देशों में विदेशियों के प्रति बढ़ती नफरत को लेकर चिंता जताई जा रही है। गौरतलब है कि पिछले एक साल में यह तीसरी बार है जब चीन में जापानी नागरिकों पर हमला हुआ है। सितंबर 2023 में चीन के शेन्जेन में एक 10 साल के जापानी बच्चे की हत्या कर दी गई थी। जून 2024 में सूझोउ में ही एक जापानी महिला और उसके बच्चे पर हमला हुआ था, जिसमें उन्हें बचाने की कोशिश करने वाले एक चीनी बस अटेंडेंट की मौत हो गई थी।

पाकिस्तान में पोलियो का नया मामला, कुल संख्या 18 हुई; बच्चों को खतरा बरकरार

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो वायरस का एक नया मामला सामने आया है, जिससे इस साल देश में कुल मामलों की संख्या 18 हो गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान (एनआईएच) के पोलियो उन्मूलन क्षेत्रीय प्रयोगशाला ने शुक्रवार को इस नए मामले की पुष्टि की। यह मामला टैंक ज़िले की मोलाज़ई यूनियन काउंसिल में 10 महीने के एक बच्चे में पाया गया है। अकेले खैबर पख्तूनख्वा में अब तक 11 पोलियो के मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा, सिंध में 5, पंजाब और गिलगित–बाल्टिस्तान में एक–एक मामला दर्ज हुआ है। एनआईएच के अनुसार, वायरस की लगातार मौजूदगी यह दर्शाती है कि पोलियो के खतरे पर पूरी तरह काबू नहीं पाया गया है, खासकर उन क्षेत्रों में जहां टीकाकरण को लेकर झिझक बरकरार है।21 से 27 जुलाई तक अफगान सीमा से लगे इलाकों और बलूचिस्तान में पोलियो टीकाकरण अभियान चलाया गया था, ताकि अफगानिस्तान के साथ समन्वित प्रयास किए जा सकें।

कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाही से छेड़छाड़ और रिश्वत मामले में 12 साल की नजरबंदी की सजा

बोगोटा , एजेंसी। कोलंबिया के पूर्व राष्ट्रपति अलवारो उरीबे को गवाहों से छेड़छाड़ और रिश्वत देने के मामले में 12 साल की नजरबंदी (हाउस अरेस्ट) की सजा सुनाई गई है। यह फैसला शुक्रवार को आया और इसे देश के इतिहास का एक अहम कानूनी मुकदमा माना जा रहा है, जिसने इस दक्षिण अमेरिकी नेता की छवि को गहरी चोट पहुंचाई है। उरीबे को सोमवार को दोषी ठहराया गया था और उन्हें 12 साल तक जेल की सजा हो सकती थी, लेकिन अदालत ने उन्हें घर में नजरबंद रखने का आदेश दिया। यह मामला 1990 के दशक में अर्धसैनिक (पैरामिलिट्री) समूहों से कथित संबंधों को लेकर शुरू हुआ, जहां आरोप है कि उरीबे ने उन गवाहों को प्रभावित करने की कोशिश की जो उनके खिलाफ बयान दे रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने खुद को निर्दोष बताया है और इस पूरे मामले को राजनीतिक साजिश कहा है। उन्होंने फैसले को ऊपरी अदालत में चुनौती देने की बात कही है। सजा सुनाए जाने से पहले उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा कि संकट के समय हमें समस्या से ज़्यादा उसके समाधान पर ध्यान देना चाहिए। उरीबे ने 2002 से 2010 तक अमेरिका के मजबूत समर्थन के साथ कोलंबिया पर शासन किया। वे आज भी देश में एक विवादित व्यक्तित्व हैं—कुछ लोग उन्हें देश को अराजकता से बचाने वाला मानते हैं, तो कुछ उन्हें मानवाधिकार हनन और अर्धसैनिक हिंसा से जोड़ते हैं।

अल–सल्वाडोर में राष्ट्रपति कार्यकाल 6 साल तक बढ़ा

सान साल्वाडोर, एजेंसी। अल सल्वाडोर के राष्ट्रपति नायब बुकेले की पार्टी ने देश की संसद में सांविधानिक बदलावों को मंजूरी दे दी है। इनके तहत राष्ट्रपति पद के लिए बेमुद्दत पुनर्निर्वाचन व पद कार्यकाल छह साल तक बढ़ जाएगा। न्यू आइडियाज पार्टी की सांसद एना फिगेरोआ ने संविधान के 5 अनुच्छेदों में बदलाव का प्रस्ताव रखा था। मतदान 57 मतों के पक्ष में और तीन मतों के विरोध में पारित हुआ।

पाकिस्तान में 40 डाकुओं का चौकी पर हमला, 5 मौतें

लाहौर, एजेंसी। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक पुलिस चौकी पर भारी हथियारों से लैस दर्जनों डाकुओं के हमले में विशिष्ट बल के पांच पुलिसकर्मी मारे गए। पुलिस महानिरीक्षक उस्मान अनवर ने कहा, रॉकेट लॉन्चर और ग्रेनेड से लैस लगभग 40 डाकुओं ने बृहस्पतिवार की रात रहीम यार खान स्थित शेखानी पुलिस चौकी पर हमला किया। पंजाब पुलिस विशिष्ट बल के मारे गए 5 पुलिस अधिकारियों में तीन बहावलनगर के व दो अन्य रहीम यार खान के थे। जवाबी गोलीबारी में एक डाकू भी मारा गया।

यहूदियों को सता रहा दुनिया के बायकॉट का डर, सर्वे में इजरायली बोले- विदेश नहीं जा पाएंगे

तेल अवीव, एजेंसी। इजरायल में हाल ही में हुए एक सर्वे ने देश के नागरिकों के बीच बढ़ती चिंता को उजागर किया है। इजरायल के चैनल 12 द्वारा प्रकाशित इस सर्वे के अनुसार, 56प्रतिशत इजरायली नागरिकों को डर है कि गाजा युद्ध के कारण अंतरराष्ट्रीय समुदाय की नकारात्मक प्रतिक्रिया और आलोचना के चलते वे विदेश यात्रा करने में असमर्थ हो सकते हैं। यह सर्वेक्षण इजरायल-हमास युद्ध और क्षेत्रीय तनावों के बीच वैश्विक स्तर पर इजरायल की छवि पर पड़ रहे असर को दर्शाता है।

सर्वे में क्या है खास : 56प्रतिशत इजरायलियों की चिंताः सर्वे में शामिल 56त्न लोगों ने कहा कि वे वैश्विक आलोचना के कारण विदेश यात्रा करने से डर रहे हैं। उन्हें लगता है कि कई देशों में इजरायल के प्रति बढ़ता विरोध उनकी यात्रा योजनाओं को प्रभावित कर सकता है। 40प्रतिशतदूसरी ओर, 40प्रतिशत लोगों ने कहा कि उन्हें ऐसी कोई चिंता नहीं है और वे अंतरराष्ट्रीय आलोचना को अपनी यात्रा योजनाओं पर हावी नहीं होने देंगे।

बायकॉट का डरः इजरायल के खिलाफ कुछ देशों और संगठनों द्वारा शुरू किए गए बायकॉट, डिवेस्टमेंट, और सैंक्शन्स आंदोलन ने भी इस डर को बढ़ावा दिया है। कई इजरायलियों को लगता है कि यह आंदोलन उनकी वैश्विक यात्राओं को सीमित कर सकता है।

क्या है पूरा मामला : गाजा में चल रहे युद्ध और इजरायल के सैन्य अभियानों ने वैश्विक स्तर पर तीखी प्रतिक्रियाओं को जन्म दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में गाजा में तत्काल युद्धविराम के पक्ष में कई देशों ने मतदान किया, जबकि भारत जैसे कुछ देशों ने वोटिंग से दूरी बनाए रखी। इसके अलावा, ईरान और सीरिया पर इजरायली हमलों की निंदा भी कई देशों ने की है। इन घटनाओं ने इजरायल की अंतरराष्ट्रीय छवि को प्रभावित किया है, जिसका असर आम इजरायलियों की मानसिकता पर भी पड़ रहा है। कुछ इजरायलियों को डर है कि वैश्विक आलोचना के कारण कुछ देश उनके नागरिकों के लिए वीजा नियमों को कड़ा कर सकते हैं या उन्हें प्रवेश से मना कर सकते हैं। क्ष्ठस् आंदोलन के तहत इजरायली उत्पादों और सेवाओं के बहिष्कार ने भी चिंता बढ़ाई है। कुछ इजरायलियों को लगता है कि यह उनकी अर्थव्यवस्था और व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर दीर्घकालिक असर डाल सकता है। सर्वे से पता चलता है कि इजरायली नागरिक न केवल भौतिक प्रतिबंधों से डर रहे हैं, बल्कि वैश्विक मंच पर अपनी पहचान और स्वीकार्यता को लेकर भी चिंतित हैं। तेल अवीव में जंग रोकने के लिए प्रदर्शन गुरुवार रात को तेल अवीव के हबीमा स्क्वायर में लगभग 1,000 लोग जमा हुए और गाजा में चल रहे युद्ध को समाप्त करने की मांग की। इजरायली-फलस्तीन शांति समर्थकों और मानवाधिकार संगठनों की एक संयुक्त पहल द्वारा आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में सैनिकों से गाजा में सेवा करने से इंकार करने का आह्वान किया गया। प्रदर्शनकारियों ने इजरायल की वेस्ट बैंक में कार्रवाइयों और हाल ही में एक फिलिस्तीनी कार्यकर्ता की हत्या के लिए जिम्मेदार शख्स की रिहाई की भी निंदा की। प्रदर्शन में शामिल एक अभिनेता, योसी जबारी ने इजरायल पर गाजा में नरसंहार का आरोप लगाया और कहा, यह शब्द हमें उस कृत्य से ज्यादा डराता है। दो पूर्व वायुसेना पायलटों, मेजर (रिजर्व) हगई तामिर और लेफ्टिनेंट कर्नल (रिजर्व) डेविड यिसरायली ने वर्तमान पायलटों से अपील की कि वे युद्ध अपराधों में शामिल होने से इनकार करें। उन्होंने कहा, युद्ध अपराध करने से मना करें। अपने कर्मों के नतीजों को नजरअंदाज न करें। यह प्रदर्शन इजरायल में बढ़ते असंतोष को दर्शाता है, जहां कई लोग सरकार की नीतियों और युद्ध को लंबा खींचने के लिए प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की आलोचना कर रहे हैं। कुछ प्रदर्शनकारियों ने गाजा में भुखमरी और मानवीय संकट के लिए इजरायल की नाकेबंदी को जिम्मेदार ठहराया।

एक्स पर बच्चों के शोषण की वीडियो को लेकर फंसे मस्क, अदालत ने कहा- कानून का सामना करना पड़ेगा

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की एक संघीय अदालत ने बाल शोषण के मामले में एलन मस्क की कंपनी एक्स के खिलाफ मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है। इससे मस्क की परेशानी बढ़ सकती है। हालांकि अदालत ने माना कि एक्स इस मामले में व्यापक छूट की हकदार है लेकिन अदालत ने ये भी कहा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बच्चों की आपत्तिजनक वीडियो को हटाने में लापरवाही बरती।

मस्क के एक्स खरीदने से पहले का मामला : सैन फ्रांसिस्को स्थित 9वीं अमेरिकी सर्किट अपीलीय अदालत ने कहा कि एक्स जो पहले ट्विटर था, पर यह आरोप है कि उसने दो नाबालिग लड़कों की अश्लील तस्वीरों वाले वीडियो की तुरंत नेशनल सेंटर फॉर मिसिंग एंड एक्सप्लॉइटेड चिल्ड्रनको रिपोर्ट नहीं दी और इस मामले में लापरवाही बरती। यह मामला एलन मस्क द्वारा 2022 में ट्विटर की खरीदने से पहले का है। एक ट्रायल जज ने दिसंबर 2023 में इस मामले को खारिज कर दिया था। हालांकि अब अपीलीय अदालत ने मुकदमा शुरू करने का निर्देश दिया है।

क्या है पूरा मामला : एक वादी ने बताया कि वह जब 13 साल का था, तब उसे और उसके एक दोस्त को स्नैपचैट पर बहकाया गया और उन्होंने अपनी नग्न तस्वीरें किसी ऐसे व्यक्ति को उपलब्ध कराईं जो बाल यौन शोषण का तस्कर था। दोनों ने उस तस्कर को सोशल मीडिया पर अपने स्कूल की 16 साल की लड़की समझा था। आरोपी ने नाबालिगों की नग्न तस्वीरों के आधार पर दोनों को ब्लैकमेल किया और दोनों पीड़ितों से और तस्वीरें मांगी। बाद में आरोपी ने उन तस्वीरों के संकलन को एक वीडियो के जरिए सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, एक्स ने सामग्री के बारे में जानने के बावजूद उन्हें प्लेटफॉर्म से हटाने में नौ दिन का समय ले लिया और इस दौरान 1,67,000 बार से ज्यादा इन वीडियो को देखा गया। सर्किट जज डेनिएल फॉरेस्ट ने कहा कि संघीय संचार शालीनता अधिनियम की धारा 230, जो ऑनलाइन प्लेटफार्म को उपयोगकर्ता सामग्री के संबंध में उत्तरदायित्व से बचाती है।

फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर देंगी इस्तीफा, ट्रंप को मिलेगा नया नियुक्ति का मौका

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका की केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की गवर्नर एड्रियाना कुगलर ने शुक्रवार को घोषणा की कि वह आठ अगस्त को अपने पद से इस्तीफा देंगी। इस फैसले से फेड की ताकतवर बोर्ड में एक सीट खाली होगी, जिसे अब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भर सकेंगे। कुगलर को सितंबर 2023 में तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन ने नियुक्त किया था। वह फेड की पहली हिस्पैनिक महिला गवर्नर थीं।

इस्तीफे के पीछे उन्होंने कोई कारण नहीं बताया, लेकिन उन्होंने अपनी चिट्ठी में लिखा कि उन्होंने इस भूमिका को पूरी ईमानदारी और डेटा-आधारित दृष्टिकोण के साथ निभाया। बता दें कि कुगलर ने अपनी आखिरी सार्वजनिक टिप्पणी में फेड चेयर जेरोम पॉवेल के उस रुख का समर्थन किया था कि मौजूदा ब्याज दरें फिलहाल स्थिर रखी जाएं, ताकि ट्रंप की व्यापारिक नीतियों का असर समझा जा सके। बीते कई दिनों से फेड के प्रमुख जेरोम पॉवेल और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच तनाव की कई सारी खबरें सामने आती रही है। हाल ही की बात करें तो ट्रंप ने शुक्रवार को ही पॉवेल को जिद्दी मूर्ख बताते हुए ब्याज दरों में तुरंत कटौती की मांग की। उन्होंने फेड पर बार-बार दबाव बनाया है कि वह उनकी नीतियों के अनुसार काम करे।

पुतिन ने खारिज की जेलेंस्की की रूस में सत्ता परिवर्तन की अपील, कहा- उनकी कुर्सी खतरे में

मॉस्को, एजेंसी। रूस और यूक्रेन के बीच छिड़ी जंग थम नहीं रही है। इस बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की की मॉस्को में सत्ता परिवर्तन की अपील को खारिज कर दिया। पुतिन ने कहा कि जेलेंस्की की खुद की कुर्सी खतरे में है। उनके पास सांविधानिक वैधता का अभाव है। इससे पहले जेलेंस्की ने कहा था कि अंतरराष्ट्रीय समर्थक रूसी सरकार को हटाने में मदद करें। उन्होंने चेतावनी दी थी कि मौजूदा संघर्ष में युद्धविराम होने पर भी मॉस्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करेगा।

बेलारूस के राष्ट्रपति अलेक्जेंडर लुकाशेंको के साथ लेक लाडोगा क्षेत्र में वालम मठ का दौरा किया। इस दौरन जेलेंस्की की अपील पर पलटवार करते हुए हुए पुतिन ने कहा कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था रूसी संघ के संविधान पर आधारित है और हमारी सरकार मूल कानून के पूर्ण अनुपालन में बनी है। हालांकि यूक्रेन के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता।

पिछले साल खत्म हो चुका है जेलेंस्की का कार्यकाल 2019 में निर्वाचित यूक्रेनी राष्टपति जेलेंस्की का कार्यकाल पिछले साल समाप्त हो चुका है। इसके बाद भी वे पद पर बने हुए हैं। युद्ध के दौरान चुनावों को स्थगित करने के लिए उन्होंने मार्शल लॉ प्रावधान का इस्तेमाल कर रहे हैं। इससे पहले पुतिन ने कहा था कि यूक्रेनी संविधान के अनुसार अगर कोई

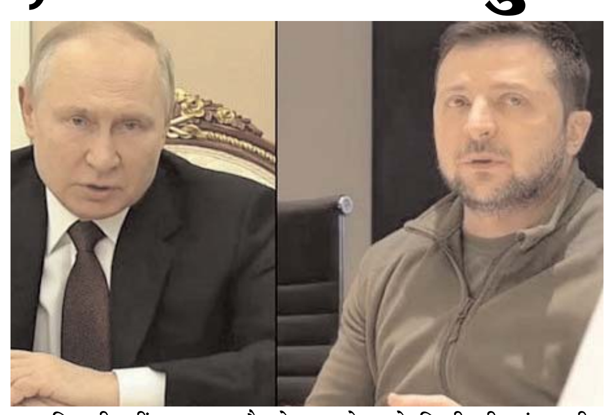

उत्तराधिकारी नहीं चुना जाता है, तो राष्ट्रपति की शक्ति संसद के अध्यक्ष को हस्तांतरित की जानी चाहिए। हालांकि यह यूक्रेन का आंतरिक मामला बताया है, लेकिन रूस के साथ संभावित शांति समझौते सहित उनके द्वारा किए जाने वाले किसी भी अंतरराष्ट्रीय समझौते की कानूनी वैधता नहीं है। रूसी अधिकारियों ने सुझाव दिया है कि ऐसे समझौतों को बाद में संवैधानिक आधार पर चुनौती दी जा सकती है। वहीं हाल के सर्वे से पता चला है कि जेलेंस्की प्रतिस्पर्धी चुनाव में हार सकते हैं और सेवानिवृत्त जनरल वालेरी जालुज्नी एक प्रमुख विकल्प के रूप में उभर रहे हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कही थी ये बात यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने पश्चिमी देशों से मास्को में शासन परिवर्तन का समर्थन करने का आह्वान किया था। हेलसिंकी समझौते की 50वीं वर्षगांठ पर जेलेंस्की ने कहा था कि मेरा मानना है कि रूस पर इस युद्ध को रोकने के लिए दबाव डाला जा सकता है, लेकिन अगर दुनिया रूस में सत्ता परिवर्तन का इरादा नहीं रखती है, तो इसका मतलब है कि युद्ध समाप्त होने के बाद भी मास्को पड़ोसी देशों को अस्थिर करने की कोशिश करता रहेगा। उन्होंने रूस पर कड़े वित्तीय प्रतिबंध लगाने पर भी जोर दिया।

अमेरिका में बेरोजगारी का आंकड़ा ज्यादा बताया तो डोनाल्ड ट्रंप ने अफसर को ही हटाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को श्रम सांख्यिकी ब्यूरो (बीएलएस) की आयुक्त एरिका मैकएंटार्फर को बर्खास्त करने का आदेश दिया। यह कार्रवाई जुलाई महीने की रोजगार रिपोर्ट आने के बाद की गई। इस रिपोर्ट में नौकरियों में वृद्धि धीमी होने और मई-जून के आंकड़ों में भारी कमी की जानकारी सामने आई। ट्रंप ने बिना सबूत के दावा किया कि ये आंकड़े राजनीतिक कारणों से हेरफेर किए गए थे।

शुक्रवार को जारी बीएलएस की मासिक रोजगार रिपोर्ट में बताया गया कि जुलाई में केवल 73,000 नई नौकरियां पैदा हुईं, जो कि बाजार की अपेक्षाओं से काफी कम थी। इसके अलावा, मई में नौकरियों की संख्या को पहले के 125,000 से संशोधित कर 19,000 और जून में 147,000 से 14,000 कर दिया गया। इस संशोधन के बाद मई और जून में कुल 258,000 कम नौकरियां पैदा होने की बात सामने आई। बेरोजगारी दर भी 4.1त्न से बढ़कर 4.2त्न हो गई, हालांकि यह अभी भी अपेक्षाकृत कम मानी जाती है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया मंच ट्रुथ सोशल पर पोस्ट करते हुए मैकएंटार्फर पर आंकड़ों में हेरफेर करने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, मैंने अपनी टीम को इस बाइडन द्वारा नियुक्त राजनीतिक व्यक्ति को तत्काल बर्खास्त करने का निर्देश दिया है। उनकी जगह अधिक सक्षम और योग्य व्यक्ति को नियुक्त किया जाएगा। ट्रंप ने यह भी दावा किया, आज के रोजगार आंकड़े रिपब्लिकन और मुझे खराब दिखाने के लिए हेरफेर किए गए थे। मैकएंटार्फर को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन ने 2023 में नामित किया था, और वे जनवरी 2024 से बीएलएस की आयुक्त थीं। सीनेट ने 86-8 के मत से उनकी नियुक्ति की पुष्टि की थी, जिसमें मौजूदा उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी उनके पक्ष में वोट दिया था। बीएलएस में आयुक्त ही एकमात्र राजनीतिक नियुक्ति होती है, जबकि बाकी सैकड़ों कर्मचारी कैरियर सिविल सेवक होते हैं। आयुक्त का कार्यकाल आमतौर पर चार साल का होता है, लेकिन राजनीतिक नियुक्ति होने के कारण उन्हें हटाया जा सकता है।

ट्रंप के इस कदम की अर्थशास्त्रियों और पूर्व अधिकारियों ने कड़ी आलोचना की है। बीएलएस के समर्थन में बने एक समूह, फ्रेंड्स ऑफ बीएलएस ने बयान जारी कर कहा, मैकएंटार्फर को हटाने का यह तर्क निराधार है और यह केंद्रीय आर्थिक आंकड़ों की विश्वसनीयता को कमजोर करता है, जो व्यवसायों, परिवारों और नीति निर्माताओं के लिए बुद्धिमान आर्थिक निर्णयों का आधार हैं।

रूस के पास 2 एटमी पनडुब्बियां तैनात करेगा अमेरिका

वॉशिंगटन डीसी, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने रूस के साथ बढ़ते तनाव के बीच शुक्रवार को रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियां तैनात करने का आदेश दिए। साथ ही गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि पनडुब्बियां कहां तैनात की जाएंगी। ट्रम्प ने अपने इस कदम के पीछे रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी को जिम्मेदार बताया। साथ ही ट्रम्प ने मेदवेदेव के परमाणु हमले की धमकी पर कहा कि- अमेरिका रूस के परमाणु खतरों का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है। दरअसल, मेदवेदेव ने एक्स पर कहा था- हम इजराइल या ईरान नहीं हैं। ट्रम्प की ओर से दिया गया हर नया अल्टीमेटम युद्ध की धमकी माना जाएगा। उन्होंने ट्रम्प को याद दिलाते हुए कहा था- रूस के पास सोवियत संघ के समय से परमाणु हमले डेड हैंड की क्षमता है। ट्रम्प ने ट्रुथ सोशल पर लिखा- रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सिक्योरिटी काउंसिल के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की भड़काऊ बयानबाजी की वजह से मैंने रूस के नजदीक दो न्यूक्लियर पनडुब्बियों को तैनात करने का आदेश दिया है, ताकि भड़काऊ बयान सिर्फ बयानबाजी तक सीमित रहे। शब्द बहुत कीमती होते हैं और कई बार अनजाने में गंभीर परिणाम भुगतने

पड़ सकते हैं। मुझे उम्मीद है कि यह ऐसा मामला नहीं होगा। ट्रम्प ने बताया डेड इकोनॉमी तो रूस ने डेड हैंड की याद दिलाई ट्रम्प ने 30 जुलाई को भारत पर 25त्न टैरिफ लगाने के बाद भारत और रूस को डेड इकोनॉमी बताया था। उन्होंने कहा था- भारत और रूस अपनी अर्थव्यवस्था को साथ ले डूबें, मुझे क्या। इसके जवाब में रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति घबरा गए हैं। मेदवेदेव ने टेलीग्राम पर लिखा था- ट्रम्प को डेड हैंड की खतरनाक ताकत याद रखनी चाहिए, भले ही यह अब मौजूद नहीं है। अगर रूस के पूर्व राष्ट्रपति के कुछ शब्दों से अमेरिका के शक्तिशाली राष्ट्रपति इतना घबरा जाते हैं तो रूस का रास्ता बिल्कुल सही है। हम अपने रास्ते पर आगे बढ़ते रहेंगे।

एनसीपी नेता का अंतरिम सरकार पर हमला, कहा- कानून व्यवस्था कायम नहीं कर सके मोहम्मद यूनुस

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश की नई राजनीतिक पार्टी ने अंतरिम सरकार पर हमला बोला है। नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि मोहम्मद यूनुस की सरकार पिछले एक साल में कानून व्यवस्था कायम करने में नाकाम रही है। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के कार्यकाल को लेकर भी बात की। साथ ही भारत के साथ रिश्तों को सुधारने के लिए कहा।

नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि पिछले एक साल में सरकार की एक नाकामी यह है कि वे कानून प्रवर्तन ढांचे को फिर से स्थापित करने के लिए कानूनी बल को नियंत्रित या स्थापित नहीं कर पाए। जुलाई के विद्रोह के दौरान पुलिस, विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने ही आम लोगों पर, छात्रों पर, हत्याओं को लेकर सामूहिक नरसंहार में हिस्सा लिया था। इसलिए अंतरिम सरकार की प्राथमिकता पुलिस, आरएबी, डीबी और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े सभी बलों को फिर से स्थापित करना होना चाहिए। वे ऐसा नहीं कर पाए। मैं कह सकती हूं कि यह इस सरकार की दुर्भाग्यपूर्ण नाकामियों में से एक है। इस भीड़तंत्र में आपने जो भी कहा वही हुआ। एक ही मामले में कई लोगों के खिलाफ मुकदमे दर्ज हैं। ये मुकदमे फर्जी हैं। फर्जी मुकदमे और फर्जी आरोप। इसलिए ये सही बात नहीं है।

उन्होंने कहा कि जुलाई विद्रोह को एक साल हो गया है। हमें निरंकुश फासीवादी शेख हसीना से छुटकारा मिल गया है। लगभग 15 साल तक निरंकुशता कायम रही। इसलिए सारी कानून प्रवर्तन एजेंसियां, नौकरशाही, पूरा प्रशासन फासीवादी शासन के अधीन था। हम

रातोंरात निरंकुशता से लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद नहीं कर सकते। लेकिन एक साल बाद हम हर चीज पर बात कर सकते हैं। हम अपनी अंतरिम सरकार से उनके द्वारा उठाए जा रहे कदमों और लोकतांत्रिक परिवर्तन के पक्ष में जिन सुधारों पर हम चर्चा कर रहे हैं, उनके बारे में पूछ सकते हैं। हर कोई बातचीत, संवाद और सेमिनारों में भाग ले रहा है। हर कोई देश के लिए खुला है। उन्होंने कहा कि पिछले 15 साल हमने कोई बातचीत नहीं की। सरकार के खिलाफ बात करने का कोई मौका नहीं मिला। हमारी आवाज दबाने के लिए एक कानून था। जबरन गायबियां, न्यायेतर हत्याएं और सभी निजी बैंकों की लूट हुई। निरंकुशता का साम्राज्य था। लेकिन पिछले साल यह रुक गया और हमने फिर से शुरू कर दिया है। लोकतंत्र में तब्दील होने की प्रक्रिया धीमी है। इसलिए मुझे लगता है कि यह वैसी नहीं है जैसी हमने एक साल पहले उम्मीद की थी। लेकिन यह हो रहा है। प्रगति हो रही है। चुनाव को लेकर कही ये बात नेशनल सिटिजन पार्टी की संयुक्त संयोजक ताजनुवा जबीन ने कहा कि हमें उम्मीद है क्योंकि चुनाव की तारीख अंतरिम सरकार के कार्यकाल की शुरुआत में ही घोषित कर दी गई थी। दिसंबर से जुलाई 2026 तक का समय है। इसलिए यह संभवतः फरवरी या अप्रैल में होगा। अंतरिम सरकार के प्रेस सचिव, हमारे मुख्य सलाहकार, ने कल कहा कि चुनाव एक दिन के लिए भी स्थगित नहीं होंगे। राष्ट्रीय सहमति आयोग में सभी राजनीतिक दलों ने बातचीत में हिस्सा लिया। उन्होंने सभी सुधार प्रस्तावों पर चर्चा की, बातचीत की और वे एक आम सहमति पर पहुंचे। हमें जुलाई चार्टर मिलने की उम्मीद है। जुलाई के बाद हमें राष्ट्रीय चुनाव की तारीख तय होने की उम्मीद है। हम मूलभूत सुधार चाहते हैं। सांविधानिक संस्था जो कार्यपालिका के अधिकार क्षेत्र से बाहर हो। कार्यपालिका, न्यायपालिका और संसद ये तीनों स्तंभ स्वतंत्र होने चाहिए।

इंग्लैंड की धरती पर टीम इंडिया ने कर दिया कमाल, पांच टेस्ट मैचों की सीरीज में बने कुल 3809 रन

लंदन (एजेंसी)। मौजूदा समय में भारत और इंग्लैंड के बीच पांच मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जा रही है। इसके तहत अबतक दोनों टीमों के बीच चार टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। जहां मेजबान इंग्लैंड 2-1 से आगे चल रही है। ऐसे में भारतीय टीम को किसी भी हाल में पांचवां और आखिरी टेस्ट जीतकर सीरीज को 2-2 से बराबर करना होगा। हालांकि, इस सीरीज में अभी तक खूब रन बने हैं। जो की अपने आप में एक बड़ा रिकॉर्ड है।

दरअसल, पांच मैचों की इस टेस्ट सीरीज में भारत ने कुल 3,890 रन बनाए हैं। इनमें सबसे बड़ा योगदान कप्तान शुबमन गिल का है। जिन्होंने सीरीज में 754 रन बनाए। वहीं अन्य बल्लेबाजों ने भी अपना बेहतरीन प्रदर्शन दिखाया है।

इस सीरीज में भारत ने कुल 3809 रन बनाए हैं। किसी पारी में भारतीय टीम का सबसे बड़ा स्कोर बर्मिंघम में आया जब उसने 587 रनों का पहाड़ खड़ा किया। इसी विशाल स्कोर के कारण टीम इंडिया को बर्मिंघम टेस्ट में एकमात्र 336 रनों से जीत हासिल हुई।

टीम इंडिया ने लीड्स में खेले गए पहले टेस्ट की दोनों पारियों में कुल 835 रन बनाए। वहीं बर्मिंघम में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में भारतीय टीम ने कुल 1,014 रन बना डाले। तीसरे टेस्ट की दोनों पारियों में कुल मिलाकर 557 रन और चौथे टेस्ट में भारतीय बल्लेबाजों ने 783 रन बनाए। ओवल टेस्ट में भारत ने 620 रन बनाए। जिसके बलबूते पूरी टीम ने पूरी सीरीज में 3,809 रन बनाए।

हालांकि, इस उपलब्धि में किसी एक खिलाड़ी का नाम लेना न्यायपूर्ण नहीं होगा। जहां सबसे ज्यादा रन कप्तान शुभमन गिल ने बनाए। जिनके बल्ले से 754 रन निकले। इस दौरान गिल ने 4 शतक भी लगाए। दूसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी केएल राहुल रहे, जिन्होंने 2 शतकों की बदौलत 532 रन बनाए। रविंद्र जडेजा ने भी अपनी बल्लेबाजी से सभी को काफी प्रभावित किया। 5 अर्धशतक और एक सेंचुरी ठोककर उन्होंने 516 रन बनाए। साथ ही चोट के कारण पांचवें टेस्ट से बाहर होने वाले विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने 479 रनों का योगदान दिया।

बीसीसीआई उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने बाहरी एजेंसी को नियुक्त करेगी

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) उम्र-धोखाधड़ी के मामलों को रोकने के लिए अब कड़े कदम उठाने जा रही है। इसी के तहत ही खिलाड़ियों की योग्यताओं के सत्यापन के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्त की जाएगी। बोर्ड के अनुसार आयु-धोखाधड़ी और खिलाड़ियों की योग्यताओं की जांच के लिए एक बाहरी एजेंसी नियुक्ति की जा रही है। हाल ही में सत्यापन सेवाएं प्रदान करने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं से बोलियां भी मांगी गयी थीं। इस माह के अंत तक नई एजेंसी नियुक्त किये जाने की उम्मीद है। खिलाड़ियों द्वारा प्रस्तुत किए गए दस्तावेज या प्रमाण पत्र संदिग्ध पाए जाने के मामले को बीसीसीआई ने गंभीरता से लिया है। बोर्ड का उद्देश्य किसी भी प्रकार की धोखाधड़ी की संभावना को समाप्त करना है। बोर्ड अभी दो-स्तरीय आयु-सत्यापन प्रणाली अपनाता है। पहले में दस्तावेजों और जन्म प्रमाण पत्रों की जांच शामिल है जबकि दूसरा अस्थि परीक्षण है, जिसे आमतौर पर टीडब्ल्यू3 (टैनर-व्हाइटहाउस 3) पद्धति के रूप में जाना जाता है। ये सत्यापन आमतौर पर लड़कों के लिए अंडर-16 स्तर पर और लड़कियों के लिए अंडर-15 स्तर पर किए जाते हैं।

बोर्ड ने बोली लगाने वाली संस्थाओं से अपेक्षित आवश्यकताओं की रूपरेखा बनायी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार बोली लगाने वाली एजेंसियों के पास प्रतिष्ठित फर्मों को पृष्ठभूमि सत्यापन सेवाएं प्रदान करने का कम से कम तीन वर्ष का अनुभव होना चाहिए। इनमें कॉर्पोरेट कंपनियां शैक्षणिक बोर्ड/संस्थान और भर्ती निकाय शामिल हैं पर यह इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। इसके अलावा एजेंसी के पास एक राष्ट्रव्यापी नेटवर्क या सभी भारतीय राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से सत्यापन करने की क्षमता होनी चाहिए। बोर्ड आम तौर पर जुलाई और अगस्त में उम्र का सत्यापन करता है। इस वर्ष यह प्रक्रिया सितंबर तक भी बढ़ सकती है क्योंकि एजेंसी के इस महीने के अंत तक काम शुरू करने की उम्मीद है।

धोनी बोले, अगले आईपीएल सत्र में ऋतुराज गायकवाड़ ही रहेंगे कप्तान

मुम्बई (एजेंसी)। आईपीएल टीम चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी ने कहा है कि वह अगले सत्र में भी ऋतुराज गायकवाड़ की कप्तानी में ही खेलेंगे। 2025 सत्र में ऋतुराज के चोटिल होने के बाद धोनी ने कप्तानी की थी। धोनी को चेन्नई सुपर किंग्स ने आईपीएल 2025 की मेगा नीलामी से पहले 4 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। इस सत्र में उन्होंने 14 लीग मैच खेले और 196 रन बनाए। गायकवाड़ के चोटिल होने के बाद उन्होंने टीम की कप्तानी भी की पर टीम की तकदीर नहीं बदली और वह अंतिम स्थान पर रही।

आईपीएल 2025 में सीएसके के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कई प्रशंसकों और पूर्व क्रिकेटरों का मानना था कि धोनी अब अगले आईपीएल में नहीं खेलेंगे। वहीं सीएसके ने भी कहा कि धोनी जब तक चाहेंगे खेलते रहेंगे। धोनी के आईपीएल में खेलने को लेकर संशय बना हुआ है। एक वीडियो में जब उनसे उनके क्रिकेट भविष्य के बारे में पूछा गया, तो धोनी ने कहा, 'मुझे अगले पांच साल के लिए क्रिकेट खेलने की अनुमति मिल गई है पर डॉक्टर ने केवल आंखों के लिए अनुमति दी है. शरीर के लिए नहीं और मैं केवल आंखों से क्रिकेट नहीं खेल सकता।' इससे साफ है कि वह कभी भी संन्यास ले सकते हैं।

धोनी ने कहा कि ऋतुराज की वापसी से सीएसके की बल्लेबाजी अगले आईपीएल सत्र में मजबूत होगी। धोनी ने एक निजी कार्यक्रम में कहा, 'हम अपनी बल्लेबाजी क्रम को लेकर थोड़ा चिंतित थे पर मुझे लगता है कि अब हमारी बल्लेबाजी क्रम काफी ठीक हुआ है। गायकवाड़ वापस आ रहे हैं, इससे काफी कुछ ठीक हो जाएगा।' उन्होंने आगे कहा, 'मैं यह नहीं कहूंगा कि हमने आईपीएल 2025 में कमजोर खेला पर टीम चयन में कुछ गलतियां थीं जिन्हें हमें ठीक करने की जरूरत थी जिसे अब दिसंबर में एक छोटी नीलामी में ठीक किया जाएगा।'

जेसन होल्डर की मदद से वेस्टइंडीज की पाकिस्तान पर रोमांचक जीत, सीरीज में बराबरी की

लॉडरहिल (अमेरिका) (एजेंसी)। जेसन होल्डर ने चार विकेट लिए और फिर मैच की अंतिम गेंद पर चौका जड़ा जिससे वेस्टइंडीज ने कुछ विषम पलों से गुजरते हुए दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पाकिस्तान को 2 विकेट से हराकर तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की।

अनुभवी ऑलराउंडर होल्डर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में 19 रन देकर चार विकेट लिए और पहले बल्लेबाजी करने के लिए उतरे पाकिस्तान को 9 विकेट पर 133 रन पर रोकने में अहम भूमिका निभाई। पाकिस्तान के केवल तीन बल्लेबाज हसन नवाज (40), कप्तान सलमान आगा (38) और फखर जमा (20) ही दोहरे अंक में पहुंच पाए।

वेस्टइंडीज की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर 5 विकेट पर 70 रन था, लेकिन गुडाकेश मोती (28) और रोमारियो शेफर्ड (15) ने उसे मुकाबले में बनाए रखा। वेस्टइंडीज को जीत के लिए अंतिम गेंद पर तीन रन की जरूरत थी। होल्डर ने पाकिस्तान के प्रमुख तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी की गेंद को चार रन के लिए भेजकर वेस्टइंडीज का स्कोर आठ विकेट पर 135 रन पर पहुंचाया। होल्डर ने 10 गेंद पर नाबाद 16 रन बनाए। पाकिस्तान की तरफ से मोहम्मद नवाज ने तीन और सैम अयूब ने दो विकेट लिए। यह वेस्टइंडीज की सात टी20 मैचों में पहली जीत है। उसे पिछले महीने ऑस्ट्रेलिया ने पांच मैच की श्रृंखला में 5-0 से हराया था।

गावस्कर ने शुभमन को दिया उपहारों से भरा बैग

ओवल ।महान बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने इंग्लैंड दौरे पर शानदार प्रदर्शन के लिए भारतीय क्रिकेट टीम के नए टेस्ट कप्तान शुभमन गिल की प्रशंसा करते हुए उन्हें एक बैग भरकर उपहार दिये हैं।शुभमन ने इस दौरे पर 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 750 से ज्यादा रन बनाये हैं।वह हालांकि गावस्कर के एक सीरीज में बनाए सबसे ज्यादा 774 रनों का रिकॉर्ड नहीं तोड़ पाये हैं।ओवल टेस्ट के तीसरे दिन का खेल समाप्त होने पर गावस्कर ने शुभमन को चीजों से भरा एक खास बैग उपहार में दिया।गावस्कर ने उन्हें अपनी एक शर्ट दी जिसमें एसजी के अक्षर थे।इसके अलावा ऑटोग्राफ वाली एक कैप भी दी।गावस्कर और शुभमन दोनों के ही शुरुआती नाम के अक्षर एसजी होते हैं।शुभमन ने इस सीरीज में चार शतक के साथ ही 10 पारियों में 754 रन बनाए हैं। वह गावस्कर के रिकॉर्ड को केवल 20 रनों से नहीं तोड़ पाये।गौरतलब है कि गावसकर ने साल 1970-71 में वेस्टइंडीज दौरे पर 154.80 की औसत से 774 रन बनाए थे।गावस्कर ने शुभमन से कहा कि अब वह अगली सीरीज में मेरा रिकार्ड तोड़ने का लक्ष्य रखें। गावस्कर ने कहा, 'बहुत अच्छा प्रदर्शन किया, मैंने आपके लिए एक उपहार ये सोचकर तैयार किया था कि आप मुझे पीछे छोड़ देंगे पर इस बार नहीं होने पर आपके पास अगली सीरीज में लक्ष्य है।यह एक छोटा सा उपहार आपके लिए हैं।यह 'एसजी' अक्षरों वाली शर्ट है जो किसी ने मेरे लिए बनायी थी जिसे अब मैं आपको दे रहा हूँ।इसके साथ ही मेरे ऑटोग्राफ वाली एक कैप भी है।'

कुलदीप और अभिमन्यु ने बिना खेले ही मोटी कमाई की

मुम्बई (एजेंसी)।भारतीय टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर गये दो क्रिकेटरों कुलदीप यादव और अभिमन्यु ईश्वरन को एक भी मैच में अवसर नहीं मिला।ऐसे में ये दोनो ही बिना खेले स्वदेश लौट जाएंगे।टीम संयोजन और संतुलन रखने की जरुरत के कारण कुलदीप और अभिमन्यु को भले ही अवसर नहीं मिला पर इनकी अच्छी खासी कमाई होती रही है।दोनो ने ही इस दौरे से तकरीबन एक करोड़ रुपये कमा लिए हैं।प्रत्येक सत्र में 50-75 फीसदी टेस्ट मैचों की अंतिम 11 में खेलने वाले खिलाड़ियों को 15 लाख मैच फीस के साथ प्रति मैच 30 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं। वहीं जो खिलाड़ी फीसदी मैचों में दल का हिस्सा तो रहता है पर उसे अंतिम ग्यारह में अवसर नहीं मिलता तो भी उसे हर एक मैच के लिए अलग से 15 लाख रुपये मिलते हैं।इस प्रकार कुलदीप और ईश्वरन को इंग्लैंड दौरे पर बिना खेले ही तकरीबन एक-एक करोड़ रुपए मिले हैं। वहीं साल 2024 में बीसीसीआई ने 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' लॉन्च की थी, जिसके जरिए भारत में टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया था।इस स्कीम के तहत टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले खिलाड़ी एक साल में अच्छी कमाई कर सकते हैं।एक टेस्ट मैच खेलने के लिए भारतीय खिलाड़ियों को 15 लाख रुपये की मैच फीस मिलती है, लेकिन 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत वो मैच फीस के अलावा ज्यादा पैसा कमा सकते हैं।बीसीसीआई की साल 2024 में लागू की गई 'टेस्ट क्रिकेट इन्सेंटिव स्कीम' के तहत जो खिलाड़ी एक सत्र में खेले गए 75 फीसदी या उससे ज्यादा मैचों की अंतिम ग्याह में खेलता है, उसे मैच फीस के अलावा प्रति मैच 45 लाख रुपये अलग से दिए जाते हैं।वहीं 75 फीसदी मैचों में दल में रहने के बाद भी अंतिम ग्यारह में जगह नहीं मिलने पर भी खिलाड़ी को अलग से मैच फीस के अलावा प्रति मैच 22.5 लाख रुपये दिए जाते हैं।

आकाश दीप परिपक्व बल्लेबाज की तरह खेले : बांगर

लंदन ।पूर्व क्रिकेटर संजय बांगर ने तेज गेंदबाज आकाश दीप की बल्लेबाजी की प्रशंसा की है।आकाशदीप ने इंग्लैंड के खिलाफ यहां जारी पांचवें टेस्ट मैच की दूसरी पारी में 66 रन बनाये।अपनी इस पारी में आकाशदीप ने 12 चौके लगाकर तीसरे विकेट के लिए 107 रन बनाये।इससे भारतीय टीम बड़ा स्कोर बनाने में सफल रही। बांगर ने कहा, आकाश दीप ने बेथेल के खिलाफ पहले ही ओवर में अवसरों का लाभ उठाया। दस दौरान वह एक परिपक्व बल्लेबाज की तरह संभल कर खेल रहे थे।इससे साफ है कि वह बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। और ब्रिस्बेन टेस्ट मैच में भारत को फॉलोऑन से बचाने में उनकी अहम भूमिका रही थी।उन्होंने बहुत साहस से खेला और शॉर्ट गेंदों से वह प्रभावित नहीं हुए।उन्होंने कहा, उन्होंने अवसरों का पूरा लाभ उठाया। बल्लेबाजी के दौरान उन्होंने संभलकर खेलते हुए विकेटों के बीच अच्छी दौड़ लगायी। यशस्वी जायसवाल का भी उस साझेदारी में महत्वपूर्ण योगदान रहा। उन्होंने पक्का किया कि आकाशदीप अपने जोन में बने रहें और दोनों ने मिलकर बड़ी साझेदारी की।भारतीय टीम इस मैच में अपनी पहली पारी में 224 रन ही बना पायी जबकि मेजबान टीम ने 247 रन बनाये थे।वहीं दूसरी पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी ने 118 रन बनाए जबकि आकाश दीप के अलावा रवींद्र जडेजा और वाशिंगनट सुंदर ने अर्धशतक लगाये। इससे भारतीय टीम ने ने 396 रन बनाते हुए इंग्लैंड को जीत के लिए 374 रनों का लक्ष्य दिया।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड का बड़ा फैसला, भविष्य में डब्ल्यूसीएल में नहीं लेगा हिस्सा

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने घोषणा की है कि वह वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स (डब्ल्यूसीएल) में भविष्य में भागीदारी पर पूर्ण प्रतिबंध लगा रहा है। पाकिस्तान क्रिकेट की शासी संस्था के अनुसार, इंडिया लीजेंड्स द्वारा पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल से हटने के फैसले के बाद डब्ल्यूसीएल का बयान और कार्रवाई 'पाखंड और पक्षपात से भरी' थी।

मोहसिन नकवी की अध्यक्षता में वर्चुअल रूप से आयोजित बोर्ड ऑफ गवर्नर्स की 79वीं बैठक में पीसीबी ने डब्ल्यूसीएलद्वारा जानबूझकर मैच हारने वाली टीम को अंक देने के घृणित आचरण और भारत बनाम पाकिस्तान लीजेंड्स मैचों को रद्द करने की घोषणा करने वाली डब्ल्यूसीएल की प्रेस विज्ञप्तियों की विषयवस्तु की काफी निराशा के साथ समीक्षा की, जो पाखंड और पक्षपात से भरी थीं।

पीसीबी के बयान में कहा गया है, 'उक्त प्रेस विज्ञप्तियों की विषयवस्तु लड़ाई को उजागर करती है जहां 'खेल के माध्यम से शांति' के आख्यान को चुनिंदा रूप से लागू किया जाता है और खेल आयोजनों को राजनीतिक स्वार्थ और संकीर्ण व्यावसायिक हितों का बंधक बना दिया जाता है। इस दुर्भाग्यपूर्ण घटनाक्रम को देखते हुए जो बाहरी प्रभाव के स्पष्ट और असहनीय पैटर्न और खेल तटस्थता के सिद्धांतों की अवहेलना को दर्शाता है, पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड कड़ा रुख अपनाने के लिए बाध्य है। पीसीबी अब ऐसे आयोजन में भागीदारी को बर्दाश्त नहीं कर सकता जहां निष्पक्ष खेल और निष्पक्ष प्रशासन के मूल सिद्धांतों को बाहरी दबावों के कारण नुकसान पहुंचाया जा रहा हो।'

शिखर धवन सहित कई भारतीय खिलाड़ियों ने टूर्नामेंट के लीग चरण में बर्मिंघम में पाकिस्तान के खिलाफ खेलने से इनकार कर दिया था। दोनों टीमों के बीच सेमीफाइनल में फिर से मुकाबला होना तय था, लेकिन टीम इंडिया ने मैच से हटने का फैसला किया।

कैनेडियन ओपन : नंबर 1 सीड गॉफ को हराकर क्वार्टर फाइनल में म्बोको

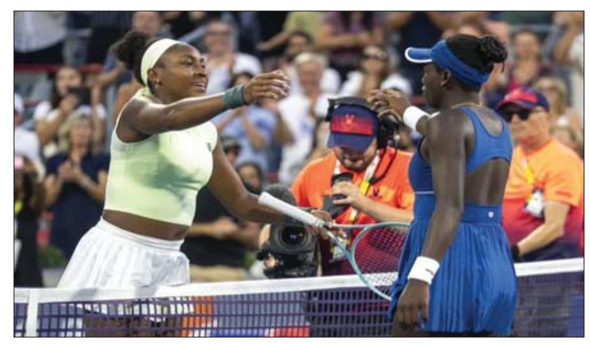

टोरंटो।विक्टोरिया म्बोको ने रविवार को ओम्नियम बैंक नेशनल में नंबर 1 सीड कोको गॉफ को 6-1, 6-4 से शिकस्त देकर क्वार्टरफाइनल में जगह बना ली। क्वार्टरफाइनल मुकाबला सोमवार को खेला जाना है।विक्टोरिया म्बोको पिछले तीन वर्षों में टॉप आठ में पहुंचने वाली सबसे युवा महिला खिलाड़ी बनी हैं।इससे पहले गॉफ के नाम यह उपलब्धि थी।म्बोको ओपन एरा में कैनेडियन ओपन में टॉप सीड को हराने वाली दूसरी 'वाइल्ड कार्ड' खिलाड़ी हैं।इससे पहले स्टेफनी डुबोइस ने 2006 में किम क्लाइतजर्स के खिलाफ ऐसा किया था।2009 में इस प्रारूप की शुरुआत के बाद से वह डब्ल्यूटीए 1000 इवेंट में शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी को हराने वाली पांचवीं सबसे युवा खिलाड़ी हैं।उनसे छोटी उम्र में यह कारनामा करने वाली खिलाड़ी केवल गॉफ (रोम 2021), मिर्रा एंड्रीवा (इंडियन वेल्स 2025), बेलिंडा बेंचिच (टोरंटो 2015) और काई चेन चांग (टोक्यो 2009) हैं।डब्ल्यूटीए के अनुसार, म्बोको 1987 में हेलेन केलेसी के बाद 'कैनेडियन ओपन' में सबसे युवा कनाडाई क्वार्टर फाइनलिस्ट भी हैं। म्बोको ने इस सीजन की शुरुआत पीआईएफ डब्ल्यूटीए रैंकिंग में नंबर 333 से की थी।इस टूर्नामेंट में वह नंबर 85 रैंकिंग के साथ उतरीं, लेकिन कोको गॉफ पर मिली बड़ी जीत के बाद अब वह लाइव रैंकिंग में नंबर 53 पर पहुंच गई हैं।अगर वह एक और मुकाबला जीतती हैं, तो उनकी रैंकिंग सीधे नंबर 24 हो जाएगी।उनकी यह शानदार यात्रा लगातार 20 जीत और चार खिताब के साथ छोटे स्तर के टूर्नामेंट्स से शुरू हुई। रोम में खेले गए दूसरे डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में उन्होंने क्वालीफाई किया और वहीं कोको गॉफ को दूसरे दौर में तीन सेट तक चुनौती दी।रविवार को खेले गए मुकाबले में म्बोको ने जबरदस्त संयम दिखाते हुए अपने खिलाफ आए सभी पांच ब्रेक प्वाइंट बचा लिए, जबकि गॉफ के खिलाफ पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाया।यही इस मुकाबले का टर्निंग प्वाइंट साबित हुआ। म्बोको ने जबरदस्त आत्मविश्वास दिखाते हुए अपने खिलाफ सभी पांच ब्रेक प्वाइंट बचाए, जबकि गॉफ के खिलाफ मिले पांच में से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाया।यही इस मैच का निर्णायक पहलू था।म्बोको सोमवार को क्वार्टर फाइनल में झू लिन और जेसिका बूजास मानेरो के बीच होने वाले मैच की विजेता से भिड़ेंगी। दूसरे क्वार्टर फाइनल में 24वीं वरीयता प्राप्त मार्टा कोस्तयुक का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त एलेना रयबाकिना से होगा। कोस्तयुक ने नंबर 28 मॅक्कार्टनी केसलर को एक लंबे मुकाबले में 5-7, 6-3, 6-3 से हराया, जो 2 घंटे 35 मिनट चला।रयबाकिना ने इसी तरह के एक मैच में 30वीं वरीयता प्राप्त दयाना यास्त्रेम्स्का को 5-7, 6-2, 7-5 से हराया।

मार्केज की जगह कोच बने खालिद की पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी

नई दिल्ली (एजेंसी)। मनोलो मार्केज की जगह पर भारतीय फुटबॉल टीम के नये कोच बने पूर्व फुटबॉलर खालिद जमील की राह आसान नहीं है। उनकी पहली परीक्षा नेशंप कप फुटबॉल में होगी। जिसमें भारतीय फुटबॉल टीम के प्रदर्शन पर सभी की नजरें रहेंगी। पिछले कुछ समय में कोई भी कोच टिक नहीं पाया है। मार्केज ने भारतीय टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अचानक ही अपना पद छोड़ दिया था। खालिद अभी इंडियन सुपर लीग की टीम जमशेदपुर एफसी के मैनेजर हैं। नये कोच के लिए सबसे बड़ी परीक्षा नेशंस कप है। जिसमें वह चाहेंगे कि टीम अच्छा प्रदर्शन करे। पिछले कुछ समय में टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है और लंबे समय तक किसी एक कोच के नहीं होने से भी टीम को नुकसान हुआ है। अब देखना है कि खालिद इस कमी को कैसे पूरा करते हैं।

खालिद की साल 2017 में आइजॉल फुटबॉल क्लब को आई-लीग खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका रही भी। उनका चयन अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ की कार्यकारी समिति ने किया है। इस पद के लिए अन्य दो दावेदार पूर्व मुख्य कोच स्टीफन कॉन्स्टेंटाइन और स्टीफन टारकोविक थे। टारकोविक स्लोवाकिया की राष्ट्रीय टीम के कोच थे। दिग्गज स्ट्राइकर आईएम विजयन की अध्यक्षता वाली एआईएफएफ की तकनीकी समिति ने कार्यकारी समिति के अंतिम फैसले के लिए तीन उम्मीदवारों को चुना था। राष्ट्रीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के रूप में सेवा देने वाले अंतिम भारतीय सावियो मेडेइरा थे, जिन्होंने 2011 से 2012 तक ये पद संभाला था। उसके बाद अब जमील को ये जिम्मेदारी दी गयी है। वहीं बीच के दौर में सभी विदेशी कोच रहे थे।

इस खेल में निरंतरता के साथ प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है : जायसवाल

लंदन (एजेंसी)। इंग्लैंड के खिलाफ ओवल टेस्ट की दूसरी पारी में 118 रनों की पारी खेलकर भारत को एक मजबूत स्थिति में पहुंचाने वाले युवा सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने कहा कि वह अपनी पारी को और बड़ा करना चाहते थे लेकिन अंत में वह अपने प्रदर्शन से संतुष्ट हैं।

जायसवाल ने कहा, 'मैं और बेहतर करना चाहता था, मैं इससे बड़ी पारी खेलना चाहता था। अगर ऐसा होता तो मैं कुछ और भी हासिल कर सकता था। लेकिन ठीक है, मैंने इसके लिए काफी मेहनत की थी और मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं। जब मैं बल्लेबाजी करने जाता हूं तो मेरी कोशिश यही रहती है कि जितना संभव हो सके उतनी देर बल्लेबाजी कर सकूं और मैं अपनी बल्लेबाजी का लुत्फ उठा रहा हूं।'

जायसवाल ने दो शतक और दो अर्धशतक के साथ इस सीरीज में कुल 411 रन बनाए। ओवल में लगाया जायसवाल का शतक इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट में उनका चौथा शतक भी है। जायसवाल ने कहा कि सीनियर खिलाड़ियों और कोच से उन्हें यही फीडबैक मिला था कि वह लगातार मेहनत करते रहें और उन्होंने कहा कि वह खुद भी यह मानते हैं कि इस खेल में निरंतरता के साथ प्रदर्शन करना बेहद जरूरी है।

जायसवाल ने कहा, 'फीडबैक यही है कि लगातार मेहनत करते रहना है और जैसा कि हम सभी करते हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं और हर दिन बेहतर करने का प्रयास करते हैं। मेरा मानना है कि क्रिकेट निरंतरता का खेल है तो हम यह सुनिश्चित करने का पूरा प्रयास करते हैं कि हम अभ्यास सत्रों में कड़ी मेहनत करें। ताकि जब हम मैदान में उतरें तो खेल हमारे लिए आसान हो जाए। हम काफी मेहनत कर रहे थे। हमें पता है कि हम कैसे शॉट्स खेल सकते हैं और मुझे लगता है कि एक ही चीज को लगातार निरंतरता से करता रहना बेहद जरूरी है।'

जायसवाल का यह पहला इंग्लैंड दौरा भी था और उन्होंने कहा कि इस दौरे से उन्हें बतौर खिलाड़ी काफी कुछ सीखने को मिला है जिन्हें शब्दों में बयां कर पाना मुश्किल है। जायसवाल ने कहा, 'मुझे लगता है कि जरूरी यह है कि मैं कैसे चीजों से लड़ता हूं। मेरी मानसिकता यही रहती है कि जैसी भी परिस्थिति सामने हो उनसे लड़ूं और खेल का लुत्फ उठाऊं। मैं अपने आप को यही समझाता हूं कि अंत में यह एक खेल है और इसका लुत्फ उठाना जरूरी है। इस दौरे से मैंने काफी कुछ सीखा है, मैं हर चीज तो नहीं बता सकता लेकिन मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक तौर पर इस सीरीज में मैंने काफी कुछ सीखा है और जिस तरह से मैंने और पूरी टीम ने पिछले दो महीने से मेहनत की है और इंग्लैंड सीरीज का लुत्फ लिया है वो काबिले तारीफ है।'

भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने चर्चा भी जायसवाल के काफी काम आई और बाएं हाथ के बल्लेबाज ने कहा कि गंभीर ने उनके साथ नेट्स पर मिलकर काफी काम भी किया था। जायसवाल ने कहा, ''हमारे बीच काफी चर्चा हुई है और हमने मिलकर नेट्स में काफी काम किया है। विशेष तौर पर इस पर कि मैं कैसे रणनीति को मैदान पर अमली-जामा पहना सकता हूं और खेल का लुत्फ उठा सकता हूं। कैसे गेंदबाज पर दबाव बना सकता हूं। सर (गंभीर) काफी मदद करते हैं और मैं लुत्फ उठा रहा हूं।'

पाक टीम में कोई विवाद नहीं : कोच हेसन

लाहौर ।पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और टीम के मुख्य कोच माइक हेसन ने कहा है कि टीम में किसी प्रकार का विवाद नहीं है।इससे पहले कप्तान सलमान अली और तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के बीच बढ़ते मतभेदों की बातें सामने आयी थीं। जिसको देखते हुए अब हेसन का बयान आया है।बोर्ड ने कहा कि टीम में किसी प्रकार का विवाद नहीं है और इस प्रकार की जो भी बातें सामने आ रही है वह निराधार है।इससे पहले एक पोस्ट सोशल मीडिया सामने आई थी जिसमें दावा किया गया था कि कोच हेसन और कप्तान सलमान ने शाहीन अफरीदी के व्यवहार पर नाराजगी जताते हुए इसकी शिकायत पीसीबी से भी की थी पर बोर्ड ने इस मामले को खारिज कर दिया। वहीं अब पीसीबी ने अपनी ओर से सफाई देते हुए कहा कि शाहीन और सलमान व कोचिंग स्टाफ के बीच विवाद की जो भी बातें कही जा रही हैं वे सही नहीं हैं।पीसीबी सोशल मीडिया आ रही इन आधारहीन बातों को खारिज करता है।

भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट बढ़ाया,

दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की कोशिश

-यह वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दुनिया के देशों पर अमेरिकी प्रोडक्ट पर लगने वाले टैक्स को कम करने का दबाव डाल रहे हैं। साथ ही अमेरिकी उत्पादों के आयात को बढ़ाने की बात कह रहे हैं। कुछ दिनों पहले ही ट्रंप ने भारत के प्रोडक्ट पर 25 फीसदी तक अतिरक्त टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। इन सब के बीच भारत ने अमेरिका से एनर्जी इंपोर्ट को काफी बढ़ा दिया है। इस कदम को दोनों देशों के बीच ट्रेड बैलेंस की स्थिति बनाने की कोशिश के तौर पर देखा जा रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप के जनवरी 2025 में अमेरिकी राष्ट्रपति पद पर वापसी के बाद भारत ने अमेरिका से ऊर्जा आयात में तेजी से इज़ाफा किया है। जनवरी से जून 2025 में भारत ने अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 51 फीसदी बढ़ाया है, जो दोनों देशों के बीच उभरती ऊर्जा साझेदारी को दर्शाता है। सूत्रों की मानें तो यह बढ़त फरवरी 2025 में वाशिंगटन में पीएम मोदी और राष्ट्रपति ट्रंप के बीच हुए समझौते का नतीजा है। इस समझौते के तहत भारत ने अमेरिकी ऊर्जा आयात को 15 अरब डॉलर से बढ़ाकर 25 अरब डॉलर करने की बात कही थी, साथ ही दोनों नेताओं ने 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 200 अरब डॉलर से बढ़ाकर 500 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य तय किया है।

वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही में भारत का अमेरिका से कच्चे तेल का आयात 114 फीसदी बढ़कर 3.7 अरब डॉलर पहुंच गया, जो पिछले साल की समान अवधि में 1.73 अरब डॉलर था। जुलाई 2025 में यह रफ्तार और बढ़ी जब अमेरिका से कच्चे तेल का आयात जून की तुलना में 23 फीसदी ज्यादा रहा। इससे अमेरिका का हिस्सा भारत के कुल कच्चे तेल आयात में 3 फीसदी से बढ़कर 8 फीसदी हो गया है।

भारत ने अमेरिका से तरल प्राकृतिक गैस के आयात को भी बढ़ाया है। फाइनेंशियल ईयर 2024-25 में एलएनजी आयात 1.41 अरब डॉलर से बढ़कर 2.46 अरब डॉलर हो गया। आईसीआरए के वरिष्ठ उपाध्यक्ष के मुताबिक अमेरिकी एलएनजी की कीमत हेनरी हब बेंचमार्क पर आधारित होने के कारण अन्य स्रोतों की तुलना में ज्यादा कॉम्पिटिटिव है। साथ ही अमेरिका में कई नए एलएनजी प्रोजेक्ट शुरू हो रहे हैं, जिससे भारतीय कंपनियां लॉन्ग टर्म कॉन्ट्रैक्ट के लिए अमेरिका की ओर रुख कर रही हैं।

ट्रंप प्रशासन ने सत्ता संभालते ही एलएनजी निर्यात लाइसेंस पर बाइडेन सरकार द्वारा लगाई गई रोक को हटा दिया था। अमेरिकी ऊर्जा सूचना प्रशासन का अनुमान है कि 2028 तक अमेरिका की एलएनजी निर्यात क्षमता दोगुनी हो जाएगी।

मल्टीबैगर स्टॉक पांच हिस्सों में करेगी शेयरों का बंटवारा

-10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड

नई दिल्ली।

पिछले एक साल के दौरान कुछ कंपनियों ने निवेशकों को मोटा रिटर्न दिया। उसमें मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड भी एक है। अब इस मल्टीबैगर स्टॉक के शेयरों का बंटवारा करने जा रही है। एमसीएक्स ने एक्सचेंज को दी जानकारी में कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर को पांच हिस्सों में बांटा जाएगा। इस स्टॉक स्प्लिट के बाद कंपनी के शेयरों की फेस वैल्यू घटकर 2 रुपए प्रति शेयर हो जाएगी।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज लिमिटेड के शेयर इस महीने एक्स-डिविडेंड भी ट्रेड करेंगे। कंपनी ने कहा है कि 10 रुपए के फेस वैल्यू वाले एक शेयर पर 30 रुपए का डिविडेंड दिया जाएगा। इस डिविडेंड के लिए एमसीएक्स ने 8 अगस्त की तारीख तय की है।

बीते 3 महीने के दौरान इस डिविडेंड स्टॉक की कीमतों में 23 फीसदी का उछाल आया। वहीं, 1 साल से एमसीएक्स के शेयरों को होल्ड करने वाले निवेशकों का पोर्टफोलियो 73 फीसदी बढ़ा है।

बता दें शुक्रवार को बाजार के बंद होने के समय पर इस मल्टीबैगर स्टॉक का भाव 1.31 फीसदी की गिरावट के बाद 7594.35 रुपए था। बता दें बीते एक महीने के दौरान इस स्टॉक में मुनाफावसूली जमकर देखने को मिली है। इस दौरान कंपनी के शेयरों का भाव 16 फीसदी गिरा है।

मस्क की टेस्ला कंपनी को देना होगा 243 मिलियन डॉलर का मुआवजा

ऑटोपायलट कार हादसे का जूरी ने कंपनी को ठहराया जिम्मेदार

वॉशिंगटन।

फ्लोरिडा के मियामी कोर्ट ने एलन मस्क की टेस्ला को बड़ा झटका दिया है। कोर्ट ने ऑटोपायलट कार हादसे में 243 मिलियन डॉलर यानी करीब 2,100 करोड़ रुपए का मुआवजा देने का आदेश दिया है। यह मामला 2019 का है जब फ्लोरिडा के लार्गो में टेस्ला मॉडल एस सेडान ऑटोपायलट मोड में चलते हुए एक एसयूवी से जा टकराई। इस हादसे में 22 साल की युवती की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि उसका बॉयफ्रेंड गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस मामले की सुनवाई चार साल तक चली। कोर्ट की जूरी ने जांच के बाद माना कि टेस्ला के ऑटोपायलट सिस्टम में खराबी थी और हादसे के लिए केवल ड्राइवर को जिम्मेदार नहीं माना जा सकता। हालांकि कंपनी ने कोर्ट में तर्क दिया कि ड्राइवर उस वक्त फोन इस्तेमाल कर रहा था, लेकिन कोर्ट ने यह दलील खारिज करते हुए कहा कि तकनीकी खामी भी इस हादसे की बड़ी वजह बताई।

बता दें 2019 में लार्गो शहर में टेस्ला की मॉडल एस सेडान ऑटोपायलट मोड में चल रही थी। गाड़ी ने अचानक सामने से आ रही एसयूवी को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और मौके पर ही उसमें सवार युवती की मौत हो गई, उसके बॉयफ्रेंड गंभीर रूप से घायल हो गया था। इस हादसे ने न सिर्फ टेस्ला की ऑटोपायलट तकनीक की सुरक्षा पर सवाल उठाए, बल्कि कंपनी पर सिस्टम की खामियों को छिपाने का भी आरोप लगाया था।

बता दें 2021 में पीड़ित परिवार ने टेस्ला के खिलाफ केस दर्ज किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कंपनी ने ऑटोपायलट सिस्टम में मौजूद खराबी को छुपाया और इस हादसे से जुड़े डेटा व वीडियो फुटेज को भी नष्ट कर दिया। परिवार के वकीलों ने कोर्ट में कहा कि अगर टेस्ला ने अपनी तकनीक में खामी मानी होती तो हादसा रोका जा सकता था।

जेएसडब्ल्यू सीमेंट 7 अगस्त को आईपीओ करेगा पेश

साइज 4,000 करोड़ से घटाकर 3,600 करोड़ किया

नई दिल्ली।

सज्जन जिंदल द्वारा प्रवर्तित विविधीकृत जेएसडब्ल्यू समूह की इकाई जेएसडब्ल्यू सीमेंट 7 अगस्त को अपना 3,600 करोड़ रुपए का आईपीओ पेश करने के लिए तैयार कर रहा है। हालांकि, दस्तावेजों के हालिया मसौदे के मुताबिक इस आईपीओ का कुल आकार पहले प्रस्तावित 4,000 करोड़ रुपए तक के निर्गम से कम है।

शुक्रवार को दाखिल आरएचपी के मुताबिक आईपीओ 7 अगस्त को खुलेगा और 11 अगस्त को बंद हो जाएगा। बड़े निवेशक 6 अगस्त को बोली लगा सकेंगे। शुरुआती शेयर बिक्री में 1,600 करोड़ रुपए मूल्य के इक्विटी शेयरों का नया आईपीओ और निवेशक शेयरधारकों द्वारा 2,000 करोड़ रुपए तक के शेयरों की बिक्री पेशकश शामिल है। ओएफएस के एक हिस्से के रूप में, निजी इक्विटी दिग्गज अपोलो मैनेजमेंट, अपनी सहयोगी एपी एशिया अपॉर्च्युनिस्टिक होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड के जरिए 931.80 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचेगी। सिनर्जी मेटल्स इन्वेस्टमेंट्स होल्डिंग लिमिटेड 938.50 करोड़ रुपए मूल्य के शेयर बेचेगी और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) 129.70 करोड़ रुपए मूल्य के शेयरों का विनिवेश करेगा।

मसौदा दस्तावेजों के मुताबिक कंपनी 800 करोड़ रुपए की राशि का उपयोग राजस्थान के नागौर में एक नई एकीकृत सीमेंट इकाई के आंशिक वित्तपोषण के लिए और 520 करोड़ रुपए बकाया ऋणों के पूर्व भुगतान या पुनर्भुगतान के लिए करेगी। शेष राशि का इस्तेमाल सामान्य कॉरपोरेट उद्देश्यों के लिए किया जाएगा। मुंबई स्थित इस कंपनी ने पहले 4,000 करोड़ रुपए जुटाने की योजना बनाई थी। नवीनतम दस्तावेजों के मताबिक नए आईपीओ से पूंजी जुटाने की राशि में 400 करोड़ रुपए की कटौती की गई है।

भारत में गूगल का पहला डेटा सेंटर बनेगा विशाखापट्टनम में

नई दिल्ली ।

भारत में दिग्गज गूगल कंपनी अब तक का अपना सबसे बड़ा निवेश करने जा रही है। इस मेगाप्रोजेक्ट में कुल 6 अरब डॉलर यानी लगभग रुपए 51,000 करोड़ का निवेश किया जाएगा। कंपनी आंध्र प्रदेश के विशाखापट्टनम में 1 गीगावॉट क्षमता वाला एक अत्याधुनिक डेटा सेंटर और उससे जुड़ा पावर इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करेगी। यह भारत में न सिर्फ गूगल का पहला डेटा सेंटर होगा, बल्कि एशिया में अपनी तरह का सबसे बड़ा और उच्च क्षमता वाला डेटा सेंटर भी होगा। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस पूरे निवेश में से करीब 2 अरब डॉलर, यानी रुपए 17,000 करोड़, विशेष रूप से नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापना में खर्च किए जाएंगे, जो इस डेटा सेंटर को बिजली उपलब्ध कराएगी।

इसका उद्देश्य गूगल के वैश्विक स्तर पर पर्यावरण के प्रति प्रतिबद्धता को बनाए रखना है। यह निवेश गूगल की उस वैश्विक रणनीति का हिस्सा है,

जिसके तहत वह सिंगापुर, मलेशिया और थाईलैंड जैसे दक्षिण एशियाई देशों में भी अपने डेटा सेंटर नेटवर्क का विस्तार कर रही है। कंपनी ने पहले ही घोषणा की थी कि आर्थिक अनिश्चितताओं और वैश्विक टैरिफ नीतियों के बावजूद, वह वर्ष 2025 तक करीब 75 अरब डॉलर यानी रुपए 6.37 लाख करोड़ की राशि वैश्विक स्तर पर डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने में खर्च करेगी। भारत में किया जा रहा यह निवेश इस रणनीति का अहम हिस्सा माना जा रहा है।

इस नए डेटा सेंटर की भव्यता और तकनीकी क्षमता का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि अगर इसमें 50,000 सर्वर लगाए जाएं, और हर सर्वर में औसतन 10 टेराबाइट स्टोरेज हो, तो कुल डेटा स्टोरेज क्षमता 500,000 टेराबाइट या 500 मिलियन गीगाबाइट होगी। यानी लगभग 500 करोड़ जीबी डेटा एक साथ सुरक्षित किया जा सकेगा।

यह आंकड़ा डेटा सेंटर के डिजाइन और उपयोग के हिसाब से और भी ज्यादा हो सकता है। कुछ विशेष केंद्रों में स्टोरेज क्षमता 100 मिलियन से लेकर 1 बिलियन गीगाबाइट तक भी हो सकती है। इस परियोजना से भारत को न केवल डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में मजबूती मिलेगी, बल्कि रोजगार, हरित ऊर्जा और तकनीकी नवाचार के क्षेत्र में भी बड़ा लाभ होने की उम्मीद है।

जुलाई में बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स बेची

नई दिल्ली। जुलाई महीने में स्वदेशी कंपनी बजाज ने कुल 3.66 लाख यूनिट्स की बिक्री की, जिसमें टू-व्हीलर और कमर्शियल व्हीकल्स दोनों शामिल हैं। बजाज ऑटो ने जुलाई 2025 की अपनी बिक्री रिपोर्ट जारी कर दी है, जिसमें कंपनी को कुल 3प्रतिशत की सालाना वृद्धि देखने को मिली है। हालांकि, यह बढ़त पूरी तरह एक्सपोर्ट से आई है क्योंकि घरेलू बाजार में कंपनी की बिक्री में भारी गिरावट दर्ज की गई। टू-व्हीलर सेगमेंट की बात करें तो कंपनी ने इस कैटेगरी में कुल 2.96 लाख यूनिट्स बेचीं, जो लगभग पिछले साल के बराबर है। हालांकि, घरेलू बाजार में बिक्री 18प्रतिशत घटकर 1.39 लाख यूनिट्स पर आ गई, जबकि एक्सपोर्ट में 22प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह संख्या 1.57 लाख यूनिट्स तक पहुंच गई। यह साफ तौर पर दर्शाता है कि विदेशी बाजारों में कंपनी की पकड़ मजबूत होती जा रही है, जबकि घरेलू बिक्री दबाव में है। कमर्शियल व्हीकल सेगमेंट में कंपनी की स्थिति तुलनात्मक रूप से बेहतर रही। इस सेगमेंट में बजाज की कुल बिक्री 23प्रतिशत बढ़कर 69,753 यूनिट्स रही। घरेलू बाजार में बिक्री में 4प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई और कुल 43,864 यूनिट्स बिकीं।

LIC HFL
LIC HOUSING FINANCE LTD

एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का अप्रैल-जून तिमाही में मुनाफा पांच फीसदी बढ़ा

नई दिल्ली। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस का शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में पांच फीसदी से बढ़कर 1,359.92 करोड़ रुपए रहा। एलआईसी द्वारा प्रवर्तित हाउसिंग फाइनेंस कंपनी का शुद्ध लाभ एक साल पहले इसी तिमाही में 1,300.21 करोड़ रुपए था। एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस ने शुक्रवार को शेयर बाजार को बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी कुल आय बढ़कर 7,233 करोड़ रुपए हो गई, जबकि पिछले साल इस अवधि में यह 6,784 करोड़ रुपए थी। कंपनी की ब्याज आय जून तिमाही में बढ़कर 7,113 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 6,739 करोड़ रुपए रही थी। आलोच्य तिमाही में कंपनी का कुल खर्च बढ़कर 5,534 करोड़ रुपए हो गया, जो एक साल पहले इस अवधि में 5,155 करोड़ रुपए था। परिसंपत्ति गुणवत्ता के मोर्चे पर एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस की सकल गैर-निष्पादित परिसंपत्तियां जून तिमाही में बढ़कर 2.62 फीसदी हो गईं, जो पिछले साल जून के आखिर में 3.29 फीसदी थीं। इसका शुद्ध एनपीए भी जून तिमाही में घटकर 1.3 फीसदी रहा, जो जून, 2024 में 1.68 फीसदी था।

बेहतर नतीजों के बाद भी आयशर मोटर्स के स्टॉक को अंडरवेट रेटिंग दी

मुंबई। आयशर मोटर्स के शेयरों में 4 प्रतिशत की बढ़ोतरी देखी गई, लेकिन इसके बावजूद ब्रोकरेज हाउस मॉर्गन स्टेनली ने कंपनी के टारगेट प्राइस में कटौती की है। मॉर्गन स्टेनली ने आयशर मोटर्स के शेयरों का टारगेट मूल्य घटाकर 4079 किया है, जो शुक्रवार की क्लोजिंग प्राइज से करीब 25 प्रतिशत कम है। रेटिंग एजेंसी मॉर्गन स्टेनली ने स्टॉक को अंडरवेट रेटिंग दी है, जिससे पता चलता है कि वे इसके भविष्य के प्रदर्शन को लेकर उत्साहित नहीं हैं। आयशर मोटर्स के जून तिमाही के नतीजे घोषित किए है। कंपनी का कुल नेट प्रॉफिट 1205 करोड़ रहा, जो सालाना आधार पर 9 प्रतिशत अधिक है। रेवेन्यू- सालाना आधार पर 15 प्रतिशत बढ़कर 5042 करोड़ हो गया है। ईबीआईटीडीए सालाना आधार पर 3 प्रतिशत बढ़कर 1203 करोड़ रहा है। शुक्रवार को आयशर मोटर्स का शेयर 5470 पर खुला और दिन के दौरान 4 प्रतिशत की तेजी के साथ 5669.85 पर बंद हुआ। हालांकि, बीएसई (बीएसई) पर यह 1.03 प्रतिशत की तेजी के साथ 5527 पर बंद हुआ। मॉर्गन स्टेनली द्वारा टारगेट प्राइस में कटौती, मजबूत तिमाही नतीजों और शेयर में उछाल के बावजूद, भविष्य में कंपनी के प्रदर्शन को लेकर कुछ चिंताएं दर्शाती है। निवेशक और बाजार विश्लेषक अब इस बात पर बारीकी से नजर रखने वाले हैं कि आयशर मोटर्स इन चिंताओं को कैसे संबोधित करती है और क्या मॉर्गन स्टेनली की भविष्यवाणी सही साबित होती है।

रुस-अमेरिका तनाव के बीच ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती हैं

-रिपोर्ट के मुताबिक ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने की दी थी चेतावनी

मुंबई।

अमेरिका-रूस तनाव से कच्चे तेल की वैश्विक आपूर्ति में खतरा पैदा हो गया है जिससे ब्रेंट क्रूड की कीमतें 80 से 82 डॉलर प्रति बैरल के पर पहुंच सकती हैं। यह जानकारी मीडिया रिपोर्ट में शनिवार को विश्लेषकों ने दी। विश्लेषकों का मनना है ब्रेंट ऑयल के अक्टूबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट का शॉर्ट-टर्म टारगेट 72.07 डॉलर से बढ़कर 76 डॉलर हो गया है। 2025 के आखिर तक, ब्रेंट क्रूड की कीमत 80-82 डॉलर प्रति बैरल हो सकती है। नीचे की ओर समर्थन 69 डॉलर पर है। डब्ल्यूटीआई क्रूड ऑयल के सितंबर फ्यूचर्स कॉन्ट्रैक्ट, जो अभी 69.65 डॉलर पर है, का शॉर्ट-टर्म टारगेट 73 डॉलर है। 2025 के आखिर तक, डब्ल्यूटीआई क्रूड की कीमत 76-79 डॉलर तक पहुंच सकती है। नीचे की ओर समर्थन 65 डॉलर पर है।

रिपोर्ट के मुताबिक इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने रूस को यूक्रेन युद्ध खत्म करने के लिए 10-12 दिन की समय दिया था। ऐसा न करने पर रूस के साथ व्यापार करने वाले देशों पर अतिरिक्त प्रतिबंध और सेकेंडरी टैरिफ लगाने की चेतावनी दी थी, जिससे तेल की कीमतें बढ़ सकती हैं। ट्रंप ने पहले घोषणा की थी कि सेकेंडरी टैरिफ 500 फीसदी तक हो सकते हैं। रूस से कच्चे तेल के आयात पर निर्भर देशों को अब डिस्काउंटेड प्राइस और अमेरिका को निर्यात पर हाई टैरिफ के बीच संतुलन बनाना चाहिए।

वेंचुरा सिक्योरिटीज में कमोडिटीज और सीआरएम प्रमुख ने कहा कि इससे अतिरिक्त उत्पादन क्षमता में कमी और आपूर्ति में कमी के कारण तेल बाजार में बदलाव आ सकता है, जिससे 2026 तक बाजार में कच्चे तेल का सरप्लस कम हो जाएगा। यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद से रूस से भारत के कच्चे तेल के आयात में वृद्धि हुई है। युद्ध से पहले भारत की तेल खरीद में रूसी कच्चे तेल का हिस्सा केवल 0.2 फीसदी था, जो अब 35 से 40 फीसदी के बीच हो गया है, जिससे रूस भारत का शीर्ष तेल आपूर्तिकर्ता बन गया है।

उन्होंने कहा कि ट्रंप ने कहा है कि वह तेल की कीमतों में कमी देखना चाहते हैं, लेकिन अमेरिका से आपूर्ति में किसी भी बड़ी वृद्धि को बाजार तक पहुंचने में समय लगेगा। प्रूवन तेल भंडार का दोहन करने में श्रम, पूंजी और इन्फ्रास्ट्रक्चर की जरुरत होती है। उन्होंने आगे कहा कि इस आपूर्ति अंतर को पूरा करने के लिए सऊदी अरब और चुनिंदा ओपेक देशों से मिलने वाले समर्थन में भी कुछ समय लगेगा, जिसके परिणामस्वरूप निकट भविष्य में कीमतों में वृद्धि हो सकती है। तेल संतुलन पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण होगा और अगर ओपेक+ आपूर्ति में कोई और कटौती नहीं भी करता है, तो भी तेल की कमी बनी रहेगी।

जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने निवेशकों को बोनस शेयर देने को मंजूरी दी

मुंबई। जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के शेयर लगातार फोकस में हैं। कंपनी के शेयर आने वाले दिनों में चर्चा में बने रह सकते हैं। दरअसल, कंपनी ने अपने निवेशकों को शानदार तोहफा दिया है। हाल ही में जीएचवी इंफ्रा प्रोजेक्ट्स लिमिटेड के बोर्ड मेंबर ने 24 जुलाई 2025 को हुई बैठक में कंपनी के मौजूदा शेयरधारकों को 3:2 के रेशियो में बोनस शेयर जारी करने को मंजूरी दे दी है। यानी प्रत्येक 2 शेयरों पर तीन पूर्ण चुकता इक्विटी शेयर। इसके अलावा, बोर्ड मेंबर ने 2:1 के रेशियो में उप-विभाजन/ विभाजन को भी मंजूरी दे दी है। शेयर विभाजन का उद्देश्य बाजार में कंपनी के शेयरों की लिक्विडिटी को बढ़ाना है। बता दें कि बीते शुक्रवार को कंपनी के शेयर 2 प्रतिशत तक चढ़कर 1,549.20 रुपये पर आ गए थे। (पूर्व में सिंधु वैली टेक्नोलॉजीज लिमिटेड) ने 2 अगस्त, 2025 को घोषणा की कि रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र संयुक्त अरब अमीरात में रजिस्टर्ड राणा एक्जिम एफजेड-एलएलसी से एक महत्वपूर्ण लेटर ऑफ अवार्ड (एलओसी) प्राप्त हुआ है। यह एलओसी एरिशा स्मार्ट मैन्युफैक्चरिंग हब के इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) विकास के लिए है, जिसमें रास अल खैमाह आर्थिक क्षेत्र, संयुक्त अरब अमीरात में औद्योगिक और वाणिज्यिक भवन शामिल है। इस परियोजना की कीमत करीब 2,645 करोड़ रुपये (दो हजार छह सौ पैंतालीस करोड़ रुपये) है। परियोजना के पूरा होने का अनुमानित समय 24 महीने है। इसके अलावा स्थापना और संचालन के लिए शुरुआती 90 दिनों की अवधि भी है।

6 अगस्त को मध्यम वर्ग को बड़ी राहत दे सकता हैं आरबीआई

नई दिल्ली।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक 4 से 6 अगस्त, 2025 तक होने वाली है। बैठक के बाद 6 अगस्त को इसके फैसलों की घोषणा की जाएगी। बैठक में ब्याज दरों में कटौती की उम्मीद की जा रही है, जिससे आम लोगों, खासकर मध्यम वर्ग को बड़ी राहत मिल सकती है। रेपो रेट में कटौती से कर्ज सस्ता होगा।

अमेरिका द्वारा नए टैरिफ लगाने और वैश्विक अनिश्चितताओं के बढ़ने के बावजूद, भारतीय अर्थव्यवस्था में मुद्रास्फीति लक्ष्य से काफी नीचे बनी हुई है। साथ ही, दूसरी छमाही में विकास दर में मंदी के संकेत भी मिल रहे हैं। इन बातों को देखकर कई विशेषज्ञ मान रहे हैं कि आरबीआई के पास ब्याज दरों में कटौती की गुंजाइश है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई आगामी एमपीसी बैठक में रेपो दर में 25 आधार अंकों (0.25प्रतिशत) की कटौती की घोषणा कर सकता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह कटौती, खासकर वित्त वर्ष 2026 में त्यौहारी सीजन के दौरान, कर्ज वृद्धि को बढ़ावा देकर जल्दी दिवाली ला सकती है। पिछले आंकड़े बताते हैं कि दिवाली से पहले रेपो दर में कटौती से त्यौहारी अवधि के दौरान ऋण वृद्धि में बढ़ोतरी होती है। इस मामले में शीर्ष अर्थशास्त्रियों ने नीतिगत दरों पर अपने विचार साझा किए। दो अर्थशास्त्री अगस्त की बैठक में

25 आधार अंकों की कटौती की उम्मीद कर रहे हैं। वे मुद्रास्फीति में भारी गिरावट और आर्थिक गति में मंदी को इसके कारण बताते हैं। वहीं एक अन्य रेटिंग एजेंसी की जानकार का मानना है कि आरबीआई इस बार दरों को बरकरार रखेगा, लेकिन नरम रुख अपनाएगा। वहीं दो अन्य भी वैश्विक अनिश्चितताओं और जल्दबाजी में कदम उठाने के जोखिम की ओर इशारा करते हुए कुछ समय के लिए दरों को स्थिर रखने के पक्ष में हैं।

हाल्डर वेंचर लिमिटेड ने बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की

मुंबई। हाल्डर वेंचर लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए पहली बार बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। यह बोनस 2:1 के अनुपात में दिया जाएगा, जिसका मतलब है कि प्रत्येक मौजूदा शेयर के लिए शेयरधारकों को दो नए शेयर मिलने है। बोनस शेयर के लिए रिकॉर्ड डेट 1 सितंबर 2025 तय की गई है। इसका मतलब है कि इस तारीख तक जिन शेयरधारकों के पास हाल्डर वेंचर लिमिटेड के शेयर होते हैं, वे बोनस शेयर प्राप्त करने के हकदार है। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि यह रिकॉर्ड डेट सोमवार, 1 सितंबर 2025 को होगी। हाल्डर वेंचर लिमिटेड कृषि उत्पादों के क्षेत्र में काम करती है और 2 अगस्त 2025 को बीएसई (बीएसई) पर इसकी मार्केट कैप 325.57 करोड़ रुपये थी। शेयर की कीमत 1 अगस्त 2025 को यह बीएसई पर 785.25 रुपये पर बंद हुआ। पिछले दो हफ्तों में शेयर में 4 प्रतिशत से ज़्यादा की गिरावट देखी गई है। वहीं, पिछले एक साल में शेयर की कीमत में 2 प्रतिशत से ज़्यादा की कमी आई है। शेयर का 52-हफ्तों का उच्चतम स्तर 958 रुपये और न्यूनतम स्तर 470 रुपये रहा है। नए बोनस शेयर पूरी तरह से भुगतान किए गए होगा और उनका मूल्य 10 रुपये प्रति शेयर होगा। इन नए शेयरों को मौजूदा शेयरों के समान सभी अधिकार और दर्जा प्राप्त होगा। कंपनी ने इस बोनस इश्यू को शेयरधारकों की मंजूरी के लिए पोस्टल बैलट के माध्यम से प्रस्तुत किया है।

एनएसडीएल के निवेशकों के लिए आज बड़ा दिन, शेयरों का अलॉटमेंट

मुंबई। एनएसडीएल के आईपीओ की लिस्टिंग 6 अगस्त को बीएसई और एनएसई में होनी है। बड़ी संख्या में मेनबोर्ड आईपीओ पर निवेशकों ने दांव लगाया था। अब अच्छी खबर इन निवेशकों के लिए आई है। ग्रे मार्केट में कंपनी के प्रदर्शन में सुधार देखने को मिला है। एनएसडीएल आईपीओ ग्रे मार्केट में 120 रुपये के प्रीमियम पर ट्रेड कर रहा है। 1 जुलाई के मुकाबले कंपनी के जीएमपी में 2 रुपये का इजाफा हुआ है। हालांकि, अब भी जीएमपी अपने शीर्ष स्तर 167 से काफी दूर है। लेकिन शेयर बाजार के बदले हालात के बीच जीएमपी में इजाफा होना निवेशकों के लिए अच्छा संकेत है। एनएसडीएल आईपीओ 30 जुलाई को रिटेल निवेशकों के लिए खुला था। निवेशकों के पास 1 अगस्त 2025 तक दांव लगाने का मौका था। कंपनी आईपीओ के लिए प्राइस बैंड 800 रुपये प्रति शेयर निर्धारित किया था। जबकि 18 शेयरों का एक लॉट बनाया था। इसकारण निवेशकों को कम से कम 13,680 रुपये का दांव लगाना पड़ा था। कंपनी ने अपने कर्मचारियों को एक शेयर पर 76 रुपये की छूट दी थी। बता दें, शेयरों का अलॉटमेंट 4 अगस्त को प्रस्तावित है।

रानी मुखर्जी-विक्रांत की झोली में गिर सकता है नेशनल फिल्म अवॉर्ड

कोविड महामारी के चलते नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स में देरी हो रही है। साल 2024 में 2022 में रिलीज होने वाली फिल्मों को पुरस्कार दिए गए थे। अब इस साल उन फिल्मों को पुरस्कृत किया जाएगा, जो वर्ष 2023 में रिलीज हुईं। 71वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों की घोषणा कब होगी, यह अभी तय नहीं है। मगर, रिपोर्ट्म में दावे किए जा रहे हैं कि इस बार रानी मुखर्जी और विक्रांत मैसी नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स के दावेदार हो सकते हैं।

इन फिल्मों के लिए जीत सकते हैं नेशनल अवॉर्ड

एक रिपोर्ट के अनुसार, अगले 48 घंटों में 71वें नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स की घोषणा हो सकती है। साथ ही रिपोर्ट में कहा गया है कि इस बार रानी मुखर्जी और विक्रांत मैसी पुरस्कार जीतने के प्रबल दावेदार हैं। यह पुरस्कार रानी को मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए और विक्रांत को 12वीं फेल के लिए मिल सकता है।

दोनों के लिए होगी बड़ी उपलब्धि

विक्रांत मैसी ने 12वीं फेल में और रानी मुखर्जी ने फिल्म मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे में शानदार काम किया है। इन फिल्मों में अपने शानदार अभिनय के लिए उन्हें पहले ही कई अवॉर्ड्स मिल चुके हैं। अब अगर राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार भी उनकी झोली में गिरता है तो यह वाकई एक बड़ी उपलब्धि होगी।

आधिकारिक एलान का इंतजार

रानी मुखर्जी करीब 25 साल से अधिक वक्त से इंडस्ट्री में हैं। उन्होंने ब्लैक, नो वन किल्ड जेसिका, मर्दानी, हिचकी जैसी फिल्मों में शानदार अभिनय किया है। मगर, अब तक उन्हें कोई राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार नहीं मिला है। अगर उन्हें अब मिसेज चटर्जी वर्सेस नॉर्वे के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार मिलता है, तो यह वाकई उनकी हकदार हैं। 12वीं फेल में विक्रांत ने अपने अभिनय से सबको चौंका दिया। अगर उन्हें इस फिल्म के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड मिलता है, तो इसमें कोई हैरानी की बात नहीं होगी।

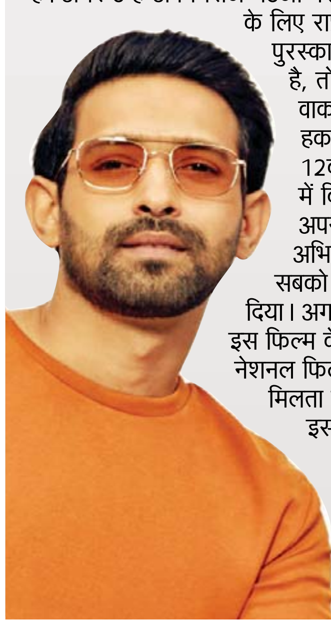

फातिमा सना शेख ने आर माधवन को बताया पसंदीदा को-स्टार

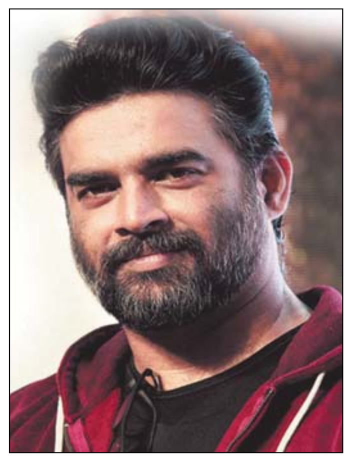

अभिनेत्री फातिमा सना शेख ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि उनकी हालिया रिलीज फिल्म आप जैसा कोई के एक्टर आर माधवन उनके पसंदीदा को-स्टार हैं। माधवन की तारीफ करते हुए फातिमा ने उन्हें सबसे अच्छा इंसान भी बताया। फातिमा ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के सेट से माधवन के साथ कुछ मजेदार और यादगार पलों की तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, मैडी और फैटीज मेरे सबसे पसंदीदा को-स्टार! फातिमा ने पोस्ट में माधवन को शूटिंग आसान और मजेदार बनाने के लिए धन्यवाद दिया। फातिमा ने लिखा, आपके विनम्र और उदार स्वभाव ने पूरी शूटिंग को आसान और मजेदार बना दिया। फातिमा, माधवन की मां के सांबर मसाला रेसिपी और हर सुबह दी जाने वाली परफेक्ट फिल्टर कॉफी के लिए भी आभार जताती नजर आईं। साथ ही उन्होंने सेट पर अक्सर गुलाब जामुन लाने के लिए भी माधवन को धन्यवाद कहा। आप जैसा कोई रोमांटिक कॉमेडी ड्रामा है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है और इसे करण जौहर की धर्माटिक एंटरटेनमेंट ने बनाया है। 11 जुलाई को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म में आर. माधवन संस्कृत प्रोफेसर श्रीरेणु त्रिपाठी की भूमिका में हैं, जबकि फातिमा सना शेख एक बिंदास फ्रेंच टीचर मधु बोस के किरदार में हैं। यह फिल्म श्रीरेणु और मधु की प्रेम कहानी को दिखाती है, जो सामाजिक रूढ़ियों के बीच पनपती है। वर्कफ्रंट की बात करें तो आप जैसा कोई के अलावा फातिमा, अनुराग बसु की फिल्म मेट्रो... इन दिनों में नजर आईं। 4 जुलाई को रिलीज हुई मेट्रो... इन दिनों आधुनिक रिश्तों की मुश्किलों को पर्दे पर उतारती है। इस फिल्म में फातिमा सना शेख के साथ आदित्य रॉय कपूर, सारा अली खान, अली फजल, पंकज त्रिपाठी, कोंकणा सेन शर्मा, अनुपम खेर और नीना गुप्ता जैसे सितारे अहम भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म साल 2007 में आई अनुराग बसु की लाइफ इन ए मेट्रो की सीक्वल है।

नोरा फतेही और रेवैन्नी फिर एक साथ आएंगे नज़र

स्नेक से दुनिया भर में धूम मचाने के बाद, नोरा फतेही और रेवैन्नी की क्रॉस-कल्चरल जोड़ी धमाकेदार ट्रैक तेतेमा के साथ फिर से वापस आ रहे है। जेसन डेरुलो के साथ स्नेक की ज़बरदस्त ग्लोबल सफलता के बाद, जिसे अब तक 130 मिलियन से ज़्यादा बार देखा जा चुका है। सूत्रों के अनुसार, नोरा फतेही अब एक और बड़ा इंटरनेशनल धमाका करने जा रही हैं। वह टैलेंटेड अफ्रीकी कलाकार रेवैन्नी के साथ तेतेमा में फिर से नजर आएंगी — जो कि एक हाई-ऑक्टेन ग्लोबल फ्यूजन ट्रैक है। यह गाना अफ्रो-बोंगो एनर्जी को बहुभाषीय और क्रॉस-कल्चरल ट्विस्ट के साथ पेश करता है। सूत्रों के अनुसार इस नए रीक्रिएशन का नाम ओ मामा तेतेमा से आ सकता है, जो रेवैन्नी और डायमंड प्लैटनम्ज़ के ओरिजिनल हिट तेतेमा पर आधारित होगा। इस बार नोरा न सिर्फ़ गाने की विज़ुअल हाइलाइट होंगी, बल्कि एक गायिका के रूप में भी नजर आएंगी — जहाँ वह अंग्रेज़ी, स्वाहिली और हिंदी के अनोखे मेल से अपने सिग्नेचर स्वैग और स्पाइस को पेश करेंगी। 2019 की उनकी वायरल इंटरनेशनल हिट ट्रैक पेपेटा के बाद, यह नोरा और रेवैन्नी के साथ एक और बड़ी जोड़ी की वापसी है।

फेस सर्जरी के आरोपों पर भूमि पेडनेकर ने तोड़ी चुप्पी

इंडस्ट्री में फिलर्स, बोटोक्स और सर्जरी को लेकर अक्सर बहस होती है। सितारों को इसे लेकर आलोचनाएं भी झेलनी पड़ी हैं। अभिनेत्री भूमि पेडनेकर पर भी सोशल मीडिया पर तमाम यूजर्स ने कॉस्मेटिक सर्जरी करवाने का आरोप लगाए हैं। हाल ही में सीरीज द रॉयल्स में उनकी उपस्थिति ने आग में घी डालने का काम किया और इंटरनेट यूजर्स ने कथित बोटोक्स और फिलर्स के लिए भूमि को ट्रोल किया। हाल ही में अभिनेत्री ने इस पर चुप्पी तोड़ी है।

लोगों की पसंद पर राय देने वाली मैं कोई नहीं होती

पिछले कई वर्षों से ऐसी अटकलें लगती रही हैं कि भूमि पेडनेकर ने सर्जरी कराई है। हालांकि, खुद भूमि ने ऐसी अटकलों पर हमेशा इनकार ही किया है। अब हाल ही में उन्होंने कॉस्मेटिक सर्जरी के बारे में खुलकर बात की है। हाल ही में बात करते भूमि पेडनेकर ने कहा, मुझे लगता है कि हर किसी की अपनी पसंद होती है। हम ऐसे समय में जी रहे हैं, जहां लोगों को अपनी पसंद खुद चुननी चाहिए। मैं कोई नहीं होती, जो लोगों की पसंद पर अपनी कोई राय बना सकूं।

भूमि ने बोटोक्स और सर्जरी को लेकर आगे कहा, मुझे यह भी लगता है कि इस पर बहुत ज्यादा चर्चा हो रही है। अभिनेत्री ने आगे अपनी डाइट पर चर्चा की। भूमि ने बताया कि देसी घी उनके नियमित खाने में शामिल होता है। एक्ट्रेस ने कहा, लोग इससे बहुत डरते हैं, लेकिन मेरे खाने में एक चीज जरूर शामिल है और वह है वसा। मैं अपने खाने में घी बहुत ज्यादा लेती हूं। बस फर्क इतना है कि मैं घी में खाना नहीं बनाती। मैं इसे खाने के ऊपर डालकर खाती हूं। इसे अपनी रोटी पर या इडली में डालकर खाएं, यह आपकी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद है।

सलाकार की कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया

अभिनेत्री मौनी रॉय की आगामी जासूसी थ्रिलर फिल्म सलाकार रिलीज होने के लिए तैयार है। अभिनेत्री ने फिल्म में अपने अनुभव को साझा किया है। अभिनेत्री ने कहा, इसमें काम करके मुझे बहुत खुशी हुई। यह मेरे लिए अभी तक का सबसे अलग हटकर या खास तरह का किरदार है। इसकी कहानी ने मुझे एक कलाकार के रूप में आगे बढ़ने का मौका दिया। अभिनेत्री ने टीम की तारीफ करते हुए बताया, सेट पर पूरी टीम का माहौल काफी अच्छा रहता था। हम सब मिलकर काम करते थे। अब मैं दर्शकों के लिए काफी उत्साहित हूं, फिल्म में उन्हें मेरा ऐसा किरदार देखने के लिए मिलेगा जो उन्होंने पहले कभी देखा ही नहीं होगा। बता दें, फिल्म के निर्माताओं ने सोमवार को इसका टीजर रिलीज कर दिया, फिल्म एक भारतीय जासूस की कहानी पर आधारित है। यह फिल्म ऐतिहासिक बैकग्राउंड पर आधारित है और इसमें रहस्य-रोमांच के कई मोड़ देखने को मिलेंगे। इसमें मौनी रॉय के साथ मुकेश ऋषि, कस्तूरिया और सूर्या शर्मा भी हैं। सच्ची घटनाओं पर आधारित यह कहानी एक ऐसे जासूस की कहानी है, जो अपनी खुफिया जानकारी से देश की सुरक्षा के लिए खतरा बने दुश्मनों को सफलतापूर्वक मार देता है और पाकिस्तान में गुप्त तरीके से परमाणु ठिकानों के अस्तित्व का पता लगाता है। निर्देशक और सह-लेखक, फारुक कबीर ने कहा, सलाकार एक जासूसी थ्रिलर की कहानी है। जो एक्शन के लिए नहीं, बल्कि खुफिया जानकारी और बलिदान के लिए बनी है।

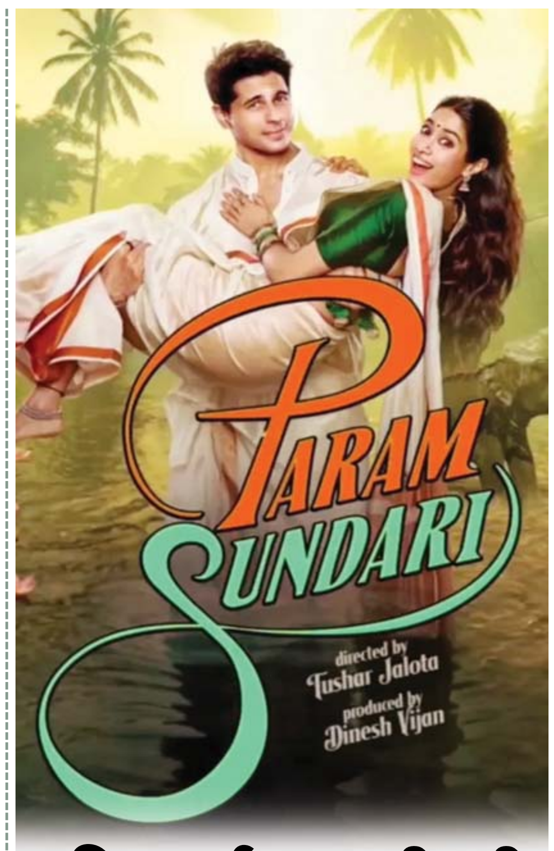

सिद्धार्थ-जाह्नवी की परम सुंदरी की नई रिलीज डेट का ऐलान

दिनेश विजान के मैडॉक तले बनी फिल्म परम सुंदरी की नई रिलीज डेट अब सामने आ गई है। सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर स्टारर इस फिल्म को अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। फिल्म के मेकर्स की तरफ से इस बात की ऑफिशियल जानकारी दी गई है। इससे पहले फिल्म 25 जुलाई को रिलीज की जानी थी। फिल्म का एक मोशन पोस्टर भी सामने आया है जिसमें सिद्धार्थ और जाह्नवी नजर आ रहे हैं।

फिल्म का गाना परदेसिया हुआ रिलीज

मेकर्स की तरफ से फिल्म का गाना परदेसिया भी रिलीज हो चुका है। इस गाने में सिद्धार्थ और जाह्नवी के बीच जबरदस्त कैमिस्ट्री देखने को मिल रही है। दोनों किरदार प्यार में डूबे हुए हैं और एक दूसरे से अपने प्यार का इजहार करते हुए नजर आ रहे हैं।

परम सुंदरी की स्टार कास्ट

इन दिनों बॉलीवुड में लवस्टोरी पर बेस्ड फिल्मों का बोलबाला देखने को मिल रहा है। जब से अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म सैयारा रिलीज हुई है, तभी से ऐसा लग रहा है मानो सिनेमा में प्रेमकहानी पर बनी फिल्मों को नया जीवन मिल गया है। इसी कड़ी में पहले फिल्म धड़क 2 रिलीज होगी, जिसमें सिद्धार्थ चतुर्वेदी और तृप्ति डिमरी की जोड़ी नजर आएगी। फिर महीने के आखिर तक सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की ये फिल्म रिलीज हो जाएगी। 29 अगस्त को सिनेमाघरों में फिल्म परम सुंदरी को रिलीज किया जाएगा।

कैसी होगी फिल्म की कहानी?

परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर या कहें बड़े कारोबारी परम का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की (सुंदरी) के किरदार में हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है, जो अपनी परंपराओं और उसूलों की पक्की है। फिल्म में दिखाया जाएगा कि कैसे 2 एकदम अलग-अलग मिजाज के लोग एक-दूसरे के प्यार में पड़ जाते हैं। ये फिल्म उनकी प्रेम कहानी पर बेस्ड होगी। इस फिल्म को तुषार जलोटा डायरेक्ट कर रहे हैं, जो इससे पहले 2022 में आई फिल्म दसवी का निर्देशन कर चुके हैं।

पहचान बनाने के बाद भी लोग काम नहीं, शादी की बात करते हैं....

बॉलीवुड में अपनी फिल्मी पारी शुरू करने वाली श्रुति हासन साउथ की सबसे ज्यादा फीस पाने वाली हीरोइनों में गिनी जाती हैं। अपने सुपरस्टार पिता की छाया से निकलने में श्रुति को वक्त तो लगा, हालांकि, उन्होंने अपनी जमीन पुख्ता कर ली। इन दिनों वह रजनीकांत स्टारर कुली के कारण चर्चा में हैं। बातचीत में उन्होंने महिला मुद्दों, शादी, पिता कमल हासन, माता-पिता के अलगाव जैसे कई मुद्दों पर दो टूक बात की।

आप फिल्मी घराने से ताल्लुक रखने वाली एक मजबूत आत्मनिर्भर लड़की हैं, आपको लड़कियों को लेकर सबसे ज्यादा क्या बात परेशान करती है?

श्रुति हासन- लड़कियों को लेकर किया जाने वाला डबल स्टैंडर्ड मुझे बहुत परेशान करता है। मर्द अगर कोई चीज करें, तो उन्हें शाबाशी मिलती है, मगर लड़कियां करें, तो उन पर उंगली उठाई जाती है। अगर एक मर्द असर्टिव होता है, तो उसे दृढ़ इच्छाशक्ति वाला कहा जाता है, मगर यदि कोई लड़की इस तरह से अपनी बात रखे, तो उसे घमंडी कहा जाता है और बोला जाता है कि उसे लड़कियों की तरह बात करनी चाहिए। मुझे बहुत आपत्ति होती है, जब लड़कियों को आसानी से जज किया जाता है। बराबरी का दर्जा नहीं मिलता।

आज काफी चीजें बदल गई हैं, मगर क्या आपको लगता है कि एक्ट्रेस होने के नाते रोल्स हों या पे पैरिटी, असमानता घटी है?

बीते सालों में ये भेदभाव कम हुआ है, मगर अभी भी उतना नहीं घटा, जितनी हमने अपेक्षा की थी। आज सोशल मीडिया पर भी बहुत कुछ होता है। मैं कमेंट्स पढ़ती रहती हूं, अरे कितने दिन काम करोगी, शादी कर लो। एक हीरोइन को लेकर इस तरह के कमेंट्स सुनने को मिलते हैं, मगर हीरो को कोई ये नहीं कहता। प्रभास और सलमान खान को ये बात कोई नहीं कहता कि बहुत हुआ काम अब शादी कर लो। तो अब भी ये फीमेल-मेल पर्स्पेटिव है। मैं मानती हूं कि पे पैरिटी घटी है, अभिनेत्रियों को दमदार भूमिकाएं मिल रही हैं, मगर यदि इस मानसिकता में बदलाव नहीं आता, तो क्या फायदा?

तो क्या आप भी शादी करने का दबाव महसूस करती हैं?

बिल्कुल। मुझे जब लगातार इंटरव्यू में पूछा जाने लगा कि मैं शादी कब करूंगी, तो मैंने कह दिया कि मैं शादी में बिलीव नहीं करती। मुझे लगा था, मैंने एक बार इस मुद्दे पर कहा, तो वो छोड़ देंगे, मगर हर बार घूम फिरकर मेरी शादी पर बात आ जाती है। मैंने इतना काम किया है। खुद को साबित करने के लिए कड़ी मेहनत की है। मैं तरह -तरह की चीजें करती हूं, मगर मुझे एक ही नजरिए से देखा जाता है और ये सिर्फ मेरी अपनी बात नहीं है, ये हम सभी लड़कियों के साथ है।

अतीत में पलटकर देखने पर आपको ऐसा लगता है कि आपके माता-पिता (सारिका-कमल हासन) के बीच अगर अलगाव न हुआ होता, तो आपके जीवन में चीजें कुछ अलग होती?

निश्चित रूप से सोचती हूं, क्योंकि मैं थेरेपी के क्षेत्र में भी काम करती हूं। मैं साइकोलॉजी में भी रुचि रखती हूं। मैं बिल्कुल सोचती हूं कि वो साथ रहते, तो कुछ अलग हो सकता था। मगर फिर ये चीजें हमारे हाथ में नहीं हैं। मेरा कहना यही है कि उस बात को हम बदल नहीं सकते। मुझे विक्टम मेंटेलिटी जरा भी पसंद नहीं है। मैं मानती हूं कि हर किसी की कहानी में एक हादसा होता है। हर किसी के पास एक दुखभरी कहानी होती है। पर मैं उस अगर या मगर में यकीन नहीं करती। जो हुआ, सो हुआ, अब मैं उसे कैसे हैंडल करूं, मेरा फोकस उस पर होता है।

आप भी एक लंबा करियर जी चुकी हैं, आपको कब लगा कि आप कमल हसन जैसे बड़े मेगा स्टार की छाया से निकल चुकी हैं?

आज ही क्यों, मुझे तो शुरू से ही लगता है कि मैंने अपनी अलग चीजें करने की कोशिश की है। मैं हमेशा मानती हूं कि हासन सरनेम के कारण मेरे लिए दरवाजे खुले। मगर ये भी सच है कि मेरे माता-पिता (कमल हासन और सारिका) ने फोन उठाकर मेरे करियर के लिए कभी फेवर नहीं मांगा। मैं जब से काम कर रही हूं, आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हूं, तो जब आपको खुद के बिल भरने पड़ें, मीटिंग्जस लेनी पड़ें, तब वो छाया खुद-ब-खुद घटने लगती है। आज भी जब पत्रकार इंटरव्यू में पापा की बातें करते हैं, तो लगता है कि वो शेडो नहीं घटा है, पर आज मैं उसे छाया नहीं एक रोशनी की तरह देखती हूं।

आपने अब तक साउथ के विजय, प्रभास, पवन कल्याण जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया है, मगर कुली में रजनीकांत जैसे सुपरस्टार संग काम करने का अनुभव कैसा रहा?

सबसे पहले तो मैं आपको बता दूं कि रजनी सर (रजनीकांत) मेरे पापा (कमल हासन) के कंटेम्परररी हैं, तो वो कनेक्शन था, जो सेट पर काफी काम आया। उनसे सीखने को काफी मिला। वह सेट पर एक कमाल का माहौल बनाए रखते हैं। वह सेट पर एक सकारात्मक माहौल लेकर आते हैं। वह अपनी एनर्जी से सब कुछ बदल देते हैं। इसमें मेरा प्रीति का किरदार भी ऐसा है, जिससे महिलाएं खुद को जोड़ पाएंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, राजेश चौधरी द्वारा वत्स ऑफसैट, मुद्दा हाउस, सी. ब्लॉक, बारात घर के सामने, सेक्टर-22, नोएडा से मुद्रित तथा ई-189, सेक्टर-63, नोएडा गौतमबुद्धनगर उ.प्र. से प्रकाशित।
संपादक: जितेन्द्र चौधरी, आरएनआई नं. UPHIN/2014/55236, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, फोन नं.: 9999511233, ई-मेल : vishalindianews@gmail.com, वेब : www.vishalindia.in